बालाघाट
बुधवार 04 नवम्बर 2026
कार्तिक कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 44
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 75,692.78
निफ्टी - 23,440.80
सोना - 1,47,372
चांदी - 2,00,000
डॉलर - 94.68

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

करनाल से महिला गिरफ्तार, कुल 13 आरोपी हिरासत में

मुंबई । मुंबई अपराध शाखा ने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुई गोलीबारी के मामले में हरियाणा के करनाल से एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ, मामले में अब तक कुल 13 लोगों को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी महिला को करनाल से पकड़ा गया। हालांकि, अपराध में उसकी विशिष्ट भूमिका का अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। और महिला को मुंबई लाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी, जब टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल मैदान से बाहर निकल रहे थे। गोलीबारी में अभिनेता बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके कार चालक और पास खड़े एक व्लॉगर घायल हो गए थे। गिरफ्तार किए गए कुल आरोपियों में अब तीन महिलाएं शामिल हैं।

एनटीए ने 5,000 शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों का नया पैनल किया तैयार

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जो जेईई, नीट और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाएं करती है, अब बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। पिछले साल नीट-यूजी पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों को लेकर उठे गंभीर सवालों के बाद सरकार और एनटीए ने परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह से फूल-प्रूफ बनाने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में एजेंसी ने अपना पुराना ढर्रा बदलते हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल और सुरक्षात्मक उपायों को लागू करना शुरू कर दिया है, जिससे आने वाले दिनों में परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इस बड़े सुधार अभियान के तहत एनटीए ने अपना मुख्यालय भी दक्षिण-पूर्व दिल्ली के ओखला से हटाकर नई दिल्ली के मिंटो रोड स्थित भारत सरकार प्रेस बिल्डिंग में स्थानांतरित कर दिया है।

प्रख्यात न्यूरोसर्जन एवं पद्मश्री डॉ. अशोक महापात्र का निधन

भुवनेश्वर। प्रख्यात न्यूरोसर्जन और दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पूर्व निदेशक, पद्मश्री से सम्मानित डॉ. अशोक कुमार महापात्र का एम्स में निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। डॉ. महापात्र एम्स में तंत्रिका तंत्र संबंधी बीमारियों का इलाज करा रहे थे। उनके निधन से चिकित्सा जगत और उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटी हैं। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें इसी वर्ष 2024 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. महापात्र ने 2017 में एम्स, दिल्ली में सिर से जुड़े जुड़वां बच्चों जग और कालिया को 16 घंटे की जटिल सर्जरी के बाद सफलतापूर्वक अलग करके देश को गौरवान्वित किया था।

कुछ ना कहना



राहुल बोले-

मोदी जी देश विरोधी कौन, बहस कीजिए

जगह-जज आप चुनिए; शाह बोले- किसी भी मुद्दे पर बहस को तैयार, संसद चलने दीजिए

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने फिर पीएम मोदी को बहस का चैलेंज दिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर 1.50 मिनट के वीडियो में कहा, '24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ।'

राहुल ने कहा-

देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत।

सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, रु डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अडाणी का केस बंद क्यों हुआ, एपस्टीन - ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिस पर खुलकर डिस्कशन होगा। आ जाइए, डरिए मत।

उधर, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'मैं कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर स्क्रूक पर चर्चा के लिए तैयार हैं।'



मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो। मोहन भागवत जी को बिठा दो चलो और फिर डिबेट करते हैं।

राहुल गांधी
कांग्रेस सांसद

राहुल ने सोशल मीडिया पर करवाई वोटिंग

वीडियो पोस्ट करने के बाद राहुल ने एक पोल शुरू किया है। इसमें उन्होंने भारत के युवाओं, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज चौहान, योगी आदित्यनाथ को टैग किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है कि आप हमेशा प्रधानमंत्री की भलाई के बारे में सोचते हैं, कृपया उन्हें आने के लिए मनाएं।

राहुल ने पोल का सवाल लिखा है- क्या आप राहुल गांधी बनाम नरेंद्र मोदी के बीच एक खुली बहस देखना चाहते हैं।

इसके ऑप्शन में लिखा है- पहला हां, मोदी जी डरो मत, दूसरा नहीं, मोदी जी डर गए।

राहुल बोले- मुझ पर मानहानि के 45 केस

राहुल ने कहा, 'बाकी चीजों पे आपने डिफेमेशन केस लगा रखा है, शायद 45 डिफेमेशन केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पर, फॉरेन कनेक्शन पर आप डिफेमेशन नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुल के। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।'

शाह ने कहा- सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

गृह मंत्री अशाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कहा कि राहुल गांधी ने नकली संसद बनाकर असली संसद का मखौल उड़ाया। चर्चा का नाटक किया।

हिम्मत है तो संसद में देश की जनता के सामने चर्चा करके दिखाइए। हाथ में संविधान लेकर घूमने से संविधान का समर्थन नहीं होगा। आचरण संवैधानिक होना चाहिए।



दिल्ली पुलिस के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ सस्पेंड

मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर कार्रवाई, कोर्ट स्वत: संज्ञान नहीं लेगी याचिका दाखिल करें

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई सोमवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर हुए पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन के बाद की गई है। प्रदर्शन में करीब 150 पुलिसकर्मी शामिल हुए थे। प्रदर्शन का नेतृत्व एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने किया था। पुलिसकर्मी उनके और शाहदरा थाने के तत्कालीन प्रभारी इंस्पेक्टर अरुण कुमार के तबादले को रद्द कर पुरानी तैनाती बहाल करने की मांग कर रहे थे।



दरअसल, 23 अक्टूबर को शाहदरा थाने में वकील ललित बंसल के साथ हुए विवाद के बाद दोनों पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया था। इस दौरान वकील के सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद जिला अदालत के वकीलों ने एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और इंस्पेक्टर अरुण कुमार पर दुर्व्यवहार तथा धमकी देने के आरोप लगाए थे। वकीलों ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। तबादले के आदेश के बाद 28 अक्टूबर को वकीलों ने हड़ताल समाप्त कर दी थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों के तबादले से नाराज कुछ पुलिसकर्मियों ने सोमवार को प्रदर्शन की तैयारी की थी। इसके लिए दिल्ली पुलिस के विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों में संदेश भेजकर पुलिसकर्मियों को मुख्यालय पहुंचने और दोनों अधिकारियों की पुरानी पोस्टिंग बहाल करने की मांग उठाने के लिए कहा गया था। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर जिला डीसीपी और विभिन्न यूनिटों के प्रमुखों को अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को मुख्यालय पहुंचने से रोकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद करीब 150 पुलिसकर्मी वहां पहुंच गए।

मौके पर पहुंचे नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने एसीपी वशिष्ठ और अन्य पुलिसकर्मियों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने प्रदर्शन समाप्त कर मुख्यालय के अंदर जाने को कहा, लेकिन पुलिसकर्मी अपनी मांग पर अड़े रहे। बाद में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार से मुलाकात की।

नेताओं को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए- हाईकोर्ट

थलपति को गाली देने वाले को मिली जमानत

चेन्नई। थलपति विजय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली द्रमुक नेत्री डी. सुधा को मद्रास हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को आलोचना और तीखे शब्दों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। उन्हें मोटी चमड़ी का होना चाहिए। साथ ही, कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक भाषणों के मामले में पुलिस को गिरफ्तारी की धमकी का हथियार नहीं बनाना चाहिए।

यह पूरा विवाद 7 अक्टूबर का है, जब ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की पार्षद और द्रमुक महिला विंग की पदाधिकारी डी. सुधा ने एक पार्टी बैठक के दौरान विजय के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के एक पदाधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से अदालत से यह मांग की गई थी कि जमानत की शर्त के तौर पर महिला को विजय के खिलाफ बोलने से रोका जाए, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

16 पन्नों के अपने आदेश में जस्टिस एन. रमेश ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए कहा कि भाषण चाहे कितना भी भद्दा क्यों न हो, संवैधानिक सुरक्षा की वास्तविक परीक्षा उसी समय होती है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी समुदाय के खिलाफ हिंसा नहीं भड़काई गई थी, इसलिए इसे सामान्य रूप से माननहीं का मामला माना जाना चाहिए था। पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए अदालत ने कहा कि पुलिस को हमेशा सत्ताधारी दल की बजाय राज्य के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए।

अजित पवार के बाद एनसीपी में वर्चस्व की जंग तेज

मुंबई। अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में नेतृत्व और राजनीतिक वर्चस्व को लेकर अंदरुनी खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी में उनके बेटे और सांसद पार्थ पवार का बढ़ता प्रभाव तथा भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर वरिष्ठ नेताओं के बीच असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच प्फुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुशीफ, धनंजय मुंडे और समीर भुजबल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार तथा पार्थ पवार शामिल नहीं थे। इस बैठक को पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर चल रही हलचल से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल, विगत दिवस सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार ने भी अमित शाह से मुलाकात की थी। उस बैठक में प्फुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद नहीं थे। इसके बाद से पार्टी के पुराने नेताओं और नए नेतृत्व के बीच तालमेल को लेकर सवाल उठने लगे थे। सूत्रों के मुताबिक, संगठन में नियुक्तियों और फैसलों में वरिष्ठ नेताओं की भूमिका सीमित होने तथा बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व से सीधे संवाद करने के तरीके को लेकर भी नाराजगी है।

वित्त मंत्रालय की वापसी

प्रमुख मांग

एनसीपी की अंदरूनी राजनीति में महाराष्ट्र सरकार के वित्त मंत्रालय का मुद्दा भी अहम है। यह मंत्रालय पहले अजित पवार के पास था। उनके निधन के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल में इसे दोबारा एनसीपी को दिए जाने की मांग कर रहे हैं। 25 अक्टूबर को मुंबई स्थित अजित पवार के सरकारी आवास देवगिरी में हुई कोर कमेटी की बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। बैठक के बाद छगन भुजबल ने कहा था कि दोनों एनसीपी गुटों के विलय पर कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है, लेकिन वित्त मंत्रालय वापस हासिल करने पर सहमति बनी है।

विलय की अटकलों से बढ़ी बेचैनी

इसी बीच शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले दोनों एनसीपी गुटों के संभावित विलय की चर्चाएं भी जोर पकड़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बारामती दौरे के आसपास इन अटकलों को और हवा मिली है। पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि विलय होने की स्थिति में पवार परिवार का प्रभाव बढ़ सकता है और मौजूदा वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक भूमिका प्रभावित हो सकती है।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी की 510 करोड़ रुपये की नई कार्रवाई

मुंबई । उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी के दो मामलों में करीब 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं। इस कार्रवाई में दो चार्टर्ड विमान, जमीन के छह प्लॉट, महाराष्ट्र में एक कार्यालय और तमिलनाडु में दो पवन चक्कियां शामिल हैं। इसके अलावा बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट, निवेश और अन्य वित्तीय संपत्तियों को भी अटैच किया गया है। ईडी के मुताबिक, इस कार्रवाई में 247.12 करोड़ रुपये की संपत्ति रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामले में अटैच की गई है। वहीं, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े मामले में 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। जांच एजेंसी का आरोप है कि अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुटाई गई सार्वजनिक धनराशि का दुरुपयोग किया। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया है कि धन को विभिन्न कंपनियों के जरिए दूसरी जगह भेजा गया और विदेशों में टैक्स हेवन तक पहुंचाया गया।

बीएसएफ जवानों पर हमला- 9 लोग गिरफ्तार, तीन महिलाएं भी शामिल

अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में छह पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। घटना दो नवंबर को बॉक्सानगर के आशाबाड़ी इलाके में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, सीमा पर तस्करी रोकने के दौरान शुरू हुआ विवाद बाद में हिंसक हमले में बदल गया। इस दौरान एक असिस्टेंट कमांडेंट और दो कांस्टेबल घायल हो गए थे।

सिपाहीजाला के पुलिस अधीक्षक बिजॉय देबबर्मा ने मंगलवार को बताया कि घटना सुबह करीब नौ बजे हुई। बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कुछ लोगों को कथित तौर पर तस्करी की कोशिश करते देखा। जवानों ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो विवाद और झड़प शुरू हो गई। आरोप है कि तस्करी में शामिल लोगों ने जवानों पर पत्थर फेंके और हमला करने की कोशिश की।

पुलिस के अनुसार, बीएसएफ जवानों ने कथित तौर पर तस्करी के लिए ले जाई जा रही गांजे की खेप जब्त कर ली। इसके बाद मौके पर मौजूद लोग वहां से चले गए, लेकिन कुछ समय बाद वे अन्य लोगों के साथ वापस लौटे और सड़क अवरुद्ध करने की कोशिश की।

इसी दौरान एक असिस्टेंट कमांडेंट अपने जवानों के साथ घटनास्थल की ओर जा रहे थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही भीड़ ने उन पर और उनके साथ मौजूद जवानों पर हमला कर दिया। इस दौरान उनके हथियार भी छीन लिए गए। हमले में असिस्टेंट कमांडेंट और दो कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए।

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संसद की सदस्यता भी छोड़ने का ऐलान किया। मंगलवार को बडगाम में जनसभा करके उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए। रूहुल्लाह ने कहा कि यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2:40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बडगाम में पिता आगा सैयद मेहंदी की 26वीं पुण्यतिथि पर जनसभा बुलाई थी। रूहुल्लाह ने बताया कि वे अपना इस्तीफा मुहम्मद अशरफ मट्टू के जरिए पार्टी को भेजेंगे। उन्होंने पार्टी पर लोगों की गरिमा से समझौता करने का आरोप लगाया। साथ ही उमर अब्दुल्ला पर अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर बीजेपी के दबाव में रुख बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि फारूक अब्दुल्ला को अपने बेटे को कुरान पढ़ाना चाहिए। रुहुल्लाह बडगाम से तीन बार विधायक रह चुके हैं और 2024 में श्रीनगर से सांसद चुने गए थे।

मुंबई हाईकोर्ट ने दी दिवा मिर्जा का दिवाली वीडियो बहाल करने का आदेश दिया

नेताओं को धर्मनिरपेक्षता की याद दिलाई

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को निर्देश दिया कि वह पर्यावरण के अनुकूल दिवाली को बढ़ावा देने वाले अभिनेत्री दीया मिर्जा के वीडियो को तुरंत बहाल करे। मुंबई कोर्ट ने इस अभियान से जुड़े विवाद और कुछ राजनेताओं की बेतुकी टिप्पणियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की, साथ ही उन्हें याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि दीया मिर्जा ने अदालत के निर्देशों के अनुसार नगर निकाय के जागरूकता अभियान में स्वेच्छा से हिस्सा लिया था। मुंबई हाईकोर्ट की पीठ ने कहा कि राजनीतिक आपत्तियों के बाद उनके वीडियो को हटाने का कोई वैध कारण नहीं था। जस्टिस कुलकर्णी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इस पहल को कोई और रंग न दिया जाए, जबकि जस्टिस गोखले ने इस पूरी तरह से पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा बताया। पीठ ने टिप्पणी की, हर कोई एक ही हवा में सांस ले रहा है, चाहे वह कोई भी हो, और बीएमसी को तत्काल वीडियो वापस अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डालने का आदेश दिया।



यह विवाद तब शुरू हुआ जब बीएमसी ने निवासियों को पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अभियान चलाया। इस अभियान में दीया मिर्जा सहित कई जानी-मानी हस्तियों को शामिल किया था। हालांकि, भाजपा नेताओं, जिसमें मुंबई की मेयर रितु तावड़े और भाजपा मुंबई प्रमुख अमित सातम शामिल थे, ने अभिनेत्री की इस अपील पर आपत्ति जाहिर की। मेयर तावड़े ने उन्हें हिंदू-विरोधी बताकर दावा किया कि उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया है। इन राजनीतिक आपत्तियों के बाद, नगर निकाय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से अभिनेत्री दीया मिर्जा का वीडियो हटा दिया, जबकि माधुरी दीक्षित और अजिंक्य रहाणे जैसी अन्य हस्तियों वाले अभियान वीडियो को बरकरार रखा।

जांच अधिकारियों ने बताया था कि अभिनेता ने बिना कोई शुल्क लिए स्वेच्छा से वीडियो रिकॉर्ड किया था। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने प्रतिक्रिया देकर कहा था कि उन्होंने कोई पैसे नहीं लिए हैं और भलाई का जमाना ही नहीं रहा। सुनवाई के दौरान, बेंच ने इस पर चिंता जाहिर की कि वायु और ध्वनि प्रदूषण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की गई एक अपील को बेवजह राजनीतिक विवाद में घसीटा गया।

विरोध के नाम पर किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते

दिल्ली में प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों, लोगों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने, पुलिस की बर्बरता, मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों की याचिकाओं पर आज मंगलवार को सुनवाई की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। अन्य प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध करने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य लोगों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन की सुनवाई के दौरान आई,

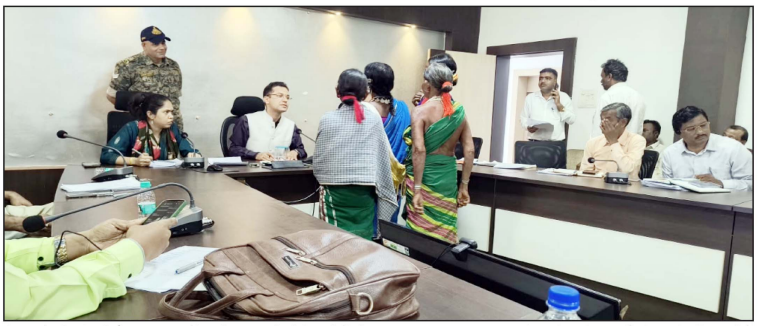
जब उस जगह से विरोध प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी।

विरोध प्रदर्शन के चलते व्यापारियों का नुकसान

सुप्रीम कोर्ट में व्यापारिक संगठनों ने याचिका दायर की, जिसमें बताया कि विरोध प्रदर्शनों की वजह से उनका काफी नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने व्यापारियों के संगठनों से कहा है कि वे एंटी-सीईसी विरोध प्रदर्शन के आयोजकों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाएं। विरोध प्रदर्शन के चलते व्यापारियों की स्थिति बताते हुए उनके वकील ने कोर्ट से कहा कि विरोध स्थल के आस-पास के इलाकों में 50 लाख लोग रहते हैं। सभी दुकानें बंद हैं और आज कनॉट प्लेस में कोई नहीं है। सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि जो कोई भी विरोध प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे अपने कार्यों के नतीजों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएं

120 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए



पदमेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 03 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन एवं संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 120 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में बैहर विकासखंड के ग्राम पाथरी के आमाटोला की बैगा जनजाति की महिलाएं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क ग्राम माडे से अपने गांव तक आने-जाने के लिए सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग लेकर आई थीं। इन महिलाओं ने गांव में आंगनवाड़ी की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने कलेक्टर श्री आदित्य सिंह को अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनके लिए सड़क और पुलिया बनाना बहुत जरूरी है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने बैगा महिलाओं को आश्वस्त किया कि उनके गांव तक सड़क निर्माण के साथ ही पुलिया का काम भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि आमाटोला में आंगनवाड़ी भी स्वीकृत कर दी गई है। उन्होंने बैगा महिलाओं से कहा कि वे स्वयं भी उनके गांव आएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनकी समस्या का समाधान हो जाए। बैगा महिलाएं कलेक्टर श्री सिंह के इस आश्वासन से बहुत खुश हुईं और कहा कि वे उनके गांव जरूर आएं। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को मौके पर ही निर्देश दिए कि स्थल निरीक्षण कर पुलिया एवं सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार करें।

जनसुनवाई में किरनापुर के ग्राम बूढ़ी निवासी ओमप्रकाश बिसेन धान पंजीयन नहीं होने की शिकायत लेकर आए थे। ओमप्रकाश का कहना था कि उनका सेवा सहकारी समिति मोहगांव में पंजीयन नहीं हो पाया है, जबकि समिति से 100 नाम भिजवाए गए थे, जिसमें उनका नाम भी शामिल था। किंतु फिर भी उनका पंजीयन नहीं हो पाया है। ऐसे में वे अपने खेत का धान विक्रय नहीं कर पाएंगे। अतः पंजीयन में हो रही समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर किसान ओमप्रकाश बिसेन का पंजीयन शीघ्र कराने के निर्देश दिए गए।

वारासिवनी तहसील के ग्राम डोके निवासी राकेश बिसेन पैतृक भूमि पर अनावश्यक रूप से धार्मिक स्थल का निर्माण किए जाने की शिकायत लेकर आए थे। राकेश का कहना था कि उनकी पैतृक भूमि के सामने महेंद्र बिसेन द्वारा ग्रामीणों के साथ मिलकर धार्मिक स्थल का निर्माण किया जा रहा है। राकेश ने बताया कि भविष्य में वे उस जमीन पर गृह निर्माण या किसी प्रकार का व्यवसाय कर सकते हैं, लेकिन धार्मिक स्थल का निर्माण हो जाने से उन्हें अपनी पैतृक जमीन पर आने-जाने में समस्या होगी। अतः राकेश ने अपनी पैतृक जमीन पर धार्मिक स्थल का निर्माण नहीं किए जाने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

बालाघाट तहसील के ग्राम चिचगांव की निवासी रामबती बघेल धान पंजीयन नहीं होने की शिकायत लेकर आई थीं। उन्होंने अपने आधार कार्ड से अपना नया मोबाइल नंबर अपडेट कर दिया है। इसके बावजूद पंजीयन के दौरान ओटीपी उनके पुराने नंबर पर ही जा रहा है, जो उनके पास मौजूद नहीं है। रामबती ने बताया कि पंजीयन नहीं होने से वे बहुत अधिक परेशान हैं। अतः इस समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

वारासिवनी तहसील के वार्ड क्रमांक 07 निवासी दुर्गेश देव्हारे सिविल अस्पताल वारासिवनी में नल एवं बिजली फिटिंग के कार्य के बिलों का भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत लेकर आए थे। दुर्गेश का कहना था कि उन्होंने एक वर्ष पूर्व सिविल अस्पताल वारासिवनी में नल एवं बिजली फिटिंग का कार्य किया था, जिसकी मजदूरी राशि का बिल वे सिविल अस्पताल वारासिवनी में जमा कर चुके हैं, किंतु अब तक उन्हें मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। अतः एक वर्ष से लंबित मजदूरी का भुगतान शीघ्र कराया जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम कोसमी के वार्ड क्रमांक 11 के वार्डवासी वार्ड में पक्की सड़क, नाली निर्माण एवं विद्युत व्यवस्था नहीं होने की शिकायत लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में पक्की सड़क नहीं होने से उन्हें बारिश के दिनों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं, स्ट्रीट लाइट एवं विद्युत पोल नहीं होने से रात में अंधेरा बना रहता है। इसके साथ ही नाली निर्माण नहीं होने से गंदे पानी की निकासी में भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अतः समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), बालाघाट को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत धनसुआ के ग्राम ओदा के विजेश वल्के अपनी जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर आए थे। विजेश ने बताया कि ग्राम ओदा में उनका परिवार पिछले तीन पीढ़ियों से रह रहा है, जिसके संबंध में उन्हें पंचायत द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र भी मिला हुआ है। बावजूद इसके, उनके घर के पीछे रहने वाले एक अन्य व्यक्ति द्वारा उनकी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। विजेश ने अनावेदक से अपनी जमीन वापस दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

बालाघाट तहसील अंतर्गत वार्ड क्रमांक 02 मगरदर्रा निवासी कुसनलाल हरिनखेड़े जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने के बावजूद अब तक प्रमाण पत्र नहीं दिए जाने की शिकायत लेकर आए थे। कुसनलाल ने बताया कि उन्होंने 25 सितंबर 2026 को आवश्यक दस्तावेज एवं शपथ पत्र के साथ आवेदन प्रस्तुत किया था, किंतु अब तक उन्हें जन्म प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया गया है। इससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः उन्होंने शीघ्र जन्म प्रमाण पत्र दिलाए जाने की मांग की है। इस प्रकरण में बालाघाट तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

किरनापुर तहसील के ग्राम करियादंड के वार्ड क्रमांक 01 की निवासी आंचल बिबिनाके आंगनवाड़ी सहायिका के पद पर मेरिट सूची में प्रथम स्थान पर नाम आने के बावजूद चयनित नहीं किए जाने की शिकायत लेकर आई थीं। आंचल ने बताया कि आंगनवाड़ी सहायिका भर्ती प्रक्रिया की अंतिम सूची में उनका नाम प्रथम स्थान पर है, इसके बावजूद उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त कर दिया गया है। अतः उन्होंने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। इस प्रकरण में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम टेकाड़ी निवासी रेशमी उइके जंगली जानवर के हमले में पिता की मृत्यु के बाद बेटी को शासन से मिलने वाली सहायता राशि दिलाए जाने की मांग लेकर आई थीं। रेशमी ने बताया कि 4 मार्च 2024 को उनके पिता गोकुल प्रसाद उइके ग्राम नगझर वन बीट के जंगल में लापता हो गए थे। बाद में उनके कपड़े, मानव खोपड़ी और हड्डियां बरामद हुई थीं। इस मामले में कटंगी थाने में मर्ग कायम किया गया था, लेकिन अब तक कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है। अतः रेशमी ने प्रकरण की जांच कर शीघ्र सहायता राशि दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

लांजी तहसील के ग्राम टेकरी की निवासी रेखा रुदंला स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आई थीं। रेखा का कहना था कि ड्रोन सर्वे के प्रथम सर्वे में खसरा नंबर 22/4, भाग संख्या 5 में उनका नाम दर्ज था, लेकिन वर्तमान ऑनलाइन भू-अभिलेख में उनका नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इस संबंध में तहसीलदार लांजी को आवेदन देने के बाद पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया जा चुका है, बावजूद इसके समस्या का निराकरण नहीं हुआ है। अतः उन्होंने भू-अभिलेख में नाम दर्ज कराकर स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में तहसीलदार लांजी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला चिकित्सालय के आकस्मिक निरीक्षण में ड्यूटी डॉक्टर नहीं मिले अपनी सीट पर, कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश



पदमेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने 03 नवंबर की सुबह जिला चिकित्सालय बालाघाट का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कोई भी ड्यूटी डॉक्टर अपनी निर्धारित सीट पर उपस्थित नहीं पाया गया। सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और उपचार के लिए भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ से भी चर्चा कर मरीजों के उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ड्यूटी समय में चिकित्सकों के अनुपस्थित पाए जाने पर सीएमएचओ ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अनुपस्थित चिकित्सकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए रखने और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

नरवाई जलाने पर प्रतिबंध, आदेश जारी

खेतों में पराली जलाने वाले किसानों पर लगेगा 2500 से 15 हजार रुपये तक जुर्माना, उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में पराली (नरवाई) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आदित्य सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 3 नवंबर 2026 को जारी किया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश आगामी आदेश तक पूरे बालाघाट जिले की राजस्व सीमा में प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के अनुसार, फसल कटाई के बाद खेतों में पराली अथवा नरवाई जलाना प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत यह आदेश जारी किया है। इसका उद्देश्य खेतों में फसल अवशेष जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को रोकना है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी किसान अथवा व्यक्ति पराली या नरवाई में आग नहीं लगाएगा। हार्वेस्टर से धान की कटाई के बाद पराली के बंडल बनाने के लिए बेलर मशीन का उपयोग करना आवश्यक होगा। हार्वेस्टर संचालकों को बेलर मशीन स्वयं की अथवा कस्टम हायरिंग सेंटर से या व्यक्तिगत बेलर मशीन धारक से किराये पर प्राप्त कर हार्वेस्टर के साथ उसका उपयोग करना अनिवार्य होगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दंडात्मक एवं जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण विभाग के प्रावधानों के अनुसार नरवाई जलाने पर कृषि भूमि के रकबे के आधार पर जुर्माना निर्धारित किया गया है। इसके तहत दो एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 2500 रुपये, दो से पांच एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर 5000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

परसवाड़ा बाजार-बैठकी नीलामी में कथित घोटाला, हाई कोर्ट ने दिए जांच के आदेश

कलेक्टर को 90 दिन में आदेश पारित करने के निर्देश, सरपंच-सचिव और ठेकेदार की भूमिका जांच के घेरे में

पदमेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा ग्राम पंचायत में साप्ताहिक बाजार-बैठकी की नीलामी में कथित वित्तीय अनियमितता का मामला अब उच्च न्यायालय जबलपुर पहुंच गया है। नीलामी की राशि में कथित हेराफेरी और शासन के खाते में निर्धारित रकम जमा नहीं किए जाने के आरोपों पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला कलेक्टर बालाघाट को जांच एवं सुनवाई के बाद 90 दिनों के भीतर वैधानिक और स्पष्ट आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय के आदेश के बाद अब ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और संबंधित ठेकेदार की भूमिका जांच के दायरे में आ गई है।



12.41 लाख में हुई थी बाजार-बैठकी की नीलामी

याचिकाकर्ता तुषार जायसवाल, निवासी वार्ड क्रमांक 10, सेरपार रोड परसवाड़ा के अनुसार, वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत परसवाड़ा के साप्ताहिक बाजार-बैठकी की नीलामी लगभग 12 लाख 41 हजार रुपये में हुई थी। आरोप है कि नियमानुसार नीलामी की आधी राशि शासन के खाते में जमा कराई जानी थी, लेकिन पूरी राशि जमा नहीं की गई।याचिकाकर्ता का दावा है कि लगभग 6 लाख 21 हजार रुपये की राशि जमा होनी थी, जबकि कथित तौर पर करीब 60 हजार रुपये तथा अन्य किश्तों में कुल लगभग 4.50 लाख रुपये ही जमा किए गए। इस तरह शेष राशि को लेकर वित्तीय अनियमितता की आशंका जताई गई है। शिकायत में सरपंच, सचिव और ठेकेदार के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए शासकीय राशि की हेराफेरी की जांच की मांग की गई है।

सरपंच-सचिव और ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

हाई कोर्ट में दायर याचिका में बाजार-बैठकी नीलामी से संबंधित वित्तीय लेनदेन की उच्चस्तरीय जांच कराने, कथित बकाया राशि की जिम्मेदार पक्षों से वसूली करने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है।याचिकाकर्ता ने सरपंच, सचिव और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ विभागीय कार्रवाई की मांग भी उठाई है। शिकायत में ठेकेदार राजाराम गजभिये सहित अन्य संबंधित पक्षों की भूमिका की जांच की मांग की गई है।

20 शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप

तुषार जायसवाल का कहना है कि वे पिछले करीब एक वर्ष से कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत सीईओ, कलेक्टर और एसडीओ स्तर के अधिकारियों को लगभग 20 बार लिखित शिकायतें एवं ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।याचिकाकर्ता ने स्थानीय स्तर पर जांच प्रक्रिया में निष्पक्षता नहीं होने और जिम्मेदार अधिकारियों की कथित मिलीभगत के आरोप भी लगाए हैं। स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने के बाद उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर में रिट याचिका क्रमांक ड्ब्लू क्रम 42218/2026 दायर की।

3 नवंबर को कलेक्टर कार्यालय में सौंपे दस्तावेज

उच्च न्यायालय द्वारा 26 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश के परिपालन में याचिकाकर्ता ने 3 नवंबर 2026 को जिला कलेक्टर कार्यालय बालाघाट में दस्तावेजों सहित लिखित आवेदन प्रस्तुत कर दिया है।न्यायालय के निर्देशानुसार याचिकाकर्ता को 15 दिनों के भीतर अपनी शिकायत एवं संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने थे। इसके बाद कलेक्टर को संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर देते हुए 90 दिनों के भीतर वैधानिक और स्पष्ट आदेश पारित करना है।

अब कलेक्टर के आदेश पर टिकी निगाहें

हाई कोर्ट के निर्देश के बाद अब इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की अगली कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नीलामी की राशि का वास्तविक हिसाब, शासन के खाते में जमा रकम और कथित बकाया राशि की स्थिति जांच में स्पष्ट होगी।यदि जांच में वित्तीय अनियमितता और जिम्मेदारों की संलिप्तता प्रमाणित होती है, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ वसूली, विभागीय कार्रवाई और आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई हो सकती है। फिलहाल मामले में अंतिम निर्णय कलेक्टर की सुनवाई और जांच के बाद ही सामने आएगा।

ग्राम कायदी में 10 नवंबर को सजेगा मंडई मेला

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम बनेगा आकर्षण

दीपावली के दूसरे दिन सागौन वन में होगा आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली पर्व के उल्लास के बाद अब जिले के ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक मंडई मेलों की रौनक देखने को मिलेगी। दीपावली के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई आयोजित करने की वर्षों पुरानी परंपरा रही है। इन मेलों के माध्यम से जहां ग्रामीण संस्कृति और लोक परंपराओं को जीवंत रखने का अवसर मिलता है वहीं आसपास के गांवों के लोगों को आपस में मिलने-जुलने और मनोरंजन का भी अवसर प्राप्त होता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम कायदी में दीपावली के ठीक दूसरे दिन 10 नवंबर को मंडई मेले का आयोजन किया जा रहा है।सार्वजनिक मंडई समिति के तत्वावधान में ग्राम कायदी के सागौन वन में आयोजित होने वाली इस मंडई को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन को खास बनाने के लिए समिति द्वारा ग्रामीणों के मनोरंजन की विशेष व्यवस्था की गई है। मंडई में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसमें सुप्रसिद्ध कलाकार मोनू रनगीरे बालाघाटी अपनी रेंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में पहुंचने वाले दर्शकों का मनोरंजन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक दमाहे ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई का विशेष महत्व होता है। मंडई केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण जनजीवन, आपसी मेल-मिलाप और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इसी उद्देश्य से ग्राम कायदी में सार्वजनिक मंडई का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भूतपूर्व सैनिक जितेंद्र सुलाखे उपस्थित रहेंगे। आयोजन को सफल बनाने में सार्वजनिक मंडई समिति के अध्यक्ष त्रिवेंद्र नगपुरे, उपाध्यक्ष महेश नेवारे, सचिव उमाशंकर उपराड़े एवं कोषाध्यक्ष खेमचंद नगरगड़े सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।मंडई समिति के पदाधिकारियों ने ग्राम कायदी सहित आसपास के सभी ग्रामों के नागरिकों, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों से 10 नवंबर को सागौन वन में आयोजित मंडई मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। समिति ने सभी से छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने तथा इस पारंपरिक आयोजन को अपनी उपस्थिति से यादगार बनाने का आग्रह किया है। दीपावली के उल्लास के बीच आयोजित होने वाली यह मंडई ग्रामीणों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक मेल-मिलाप और सांस्कृतिक उत्सव का अवसर बनेगी। अब क्षेत्रवासियों को 10 नवंबर का इंतजार है। जब ग्राम कायदी का सागौन वन मंडई की रौनक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार होगा।

चौकीदार की आवश्यकता है
शादी के भवन के लिए
चौकीदार, परिवार सहित रहने
वाले को प्राथमिकता दी जावेगी
8966935382, 9301240270

मकान बेचना है
स्टेट बैंक कालोनी, पालीटेक्निक कालेज के पास गायखुरी रोड बालाघाट में पूर्वमुखी दो मंजिला भवन बेचना है। प्लाट का साईज 50×70 ग्राउंड फ्लोर का कारपेट एरिया 1100 एवं प्रथम फ्लोर का कारपेट एरिया 1200 वर्गफिट है।
संपर्क
9826320168

नाम परिवर्तन सूचना

मैं संदीप उइके पिता श्री नवल सिंह उइके, आयु 22 वयस्क, निवासी- ग्राम कसंगी पो- करियादण्ड तहसील- किरनापुर जिला बालाघाट, म.प्र. हूँ। परन्तु मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश सतीष पिता श्री नवल सिंह (SATISH S/O NAVAL SINGH) अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक सही नाम संदीप उइके पिता श्री नवल सिंह उइके (SANDEEP UIKEY S/O NAVAL SINGH UIKEY) है जो कि मेरे अन्य दस्तावेजों में दर्ज होने से प्रमाणित है, जो कि मैं अपने आधार कार्ड में दर्ज करवाना चाहता हूँ।

प्रकाशन उपरांत मेरा नाम संदीप उइके पिता श्री नवल सिंह उइके (SANDEEP UIKEY S/O NAVAL SINGH UIKEY) के नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम	नया नाम
सतीश पिता श्री नवल सिंह (SATISH S/O NAVAL SINGH)	संदीप उइके पिता श्री नवल सिंह उइके (SANDEEP UIKEY S/O NAVAL SINGH UIKEY)

शपथकर्ता
सदीप उइके
पिता श्री नवल सिंह उइके निवासी- ग्राम कसंगी पो- करियादण्ड तहसील- किरनापुर जिला बालाघाट, म.प्र. 481226

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

कुआं-बोरवेल की प्रविष्टि और नाम सुधारने के लिए भी मांगे रुपए!

पटवारी के खिलाफ किसानों ने खोला मोर्चा लगाया आरोप

जनसुनवाई में करीब आधा दर्जन किसानों ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन, चार किसानों ने अलग-अलग कार्यों के लिए 2,500 से 5,500 रुपए तक लेने की शिकायत की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजस्व विभाग में किसानों के छोटे-छोटे काम कराने के लिए कथित तौर पर रुपये मांगे जाने का मामला सामने आया है। किरनापुर तहसील के ग्राम पौनी, पटवारी हल्का नंबर 82 से जुड़े इस मामले में करीब आधा दर्जन किसानों ने 3 नवंबर को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर आदित्य सिंह के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर पटवारी गौरव घोंगड़े के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। किसानों का आरोप है कि जमीन के खसरा अभिलेख में कुआं-बोरवेल की प्रविष्टि कराने, भूमि अभिलेखों में त्रुटिपूर्ण नाम सुधारने और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए उनसे अलग-अलग रकम मांगी गई। शिकायतकर्ताओं ने आरोपों के समर्थन में ऑनलाइन भुगतान के यूटीआर नंबर और अन्य दस्तावेज भी आवेदन के साथ प्रस्तुत किए हैं। किसानों का कहना है कि खेती-किसानी पर निर्भर छोटे और मजदूर वर्ग के लोगों को अपने ही जमीन संबंधी कार्य कराने के लिए कथित रूप से पैसे देने पड़ रहे हैं। अब इस शिकायत के बाद प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर निगाहें टिकी हुई हैं। शिकायत में ग्राम पौनी निवासी ज्ञानदास मातरे ने आरोप लगाया है कि उनकी भूमि खसरा का रकबा 1.011 हेक्टेयर में बनवाए गए बोरवेल को बिजली पंप कनेक्शन के उद्देश्य से खसरे में दर्ज कराने के लिए पटवारी ने 4 हजार रुपए लिए। शिकायतकर्ता के अनुसार 19 अक्टूबर 2026 को पटवारी द्वारा बताए गए मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन भुगतान किया गया, जिसका यूटीआर नंबर 247080402165 आवेदन में दर्ज किया गया है। इसी तरह माहार्या नागफांसे पिता फकिर्या नागफांसे ने अपनी भूमि खसरा नंबर 1/19 में त्रुटिपूर्ण नाम सुधारने के लिए 5,500 रुपए मांगने और लेने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पहले 5 हजार रुपए दिए गए और करीब एक माह बाद शेष 500 रुपए लेने के बाद नाम में सुधार किया गया। वहीं सुरज मानकर पिता झाडू मानकर ने अपनी कृषि भूमि खसरा नंबर 28/13 में बनवाए गए कुएं और बोरवेल की प्रविष्टि कराने के लिए 2,500 रुपए नकद देने का आरोप लगाया है। शिकायत में एक अन्य किसान महारूलाल नागफांसे पिता फकिर्या नागफांसे ने भी अपनी भूमि खसरा नंबर 1/1, रकबा 0.952 हेक्टेयर में बनवाए गए कुएं-बोरवेल को खसरा नक्शे में दर्ज कराने के लिए 2,500 रुपए मांगे जाने का आरोप लगाया है।



आवेदन के मुताबिक यह राशि पटवारी के कहने पर बिंदेश्वरी घोंगड़े के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन जमा की गई, जिसका यूटीआर नंबर 245023047344 और भुगतान की तारीख 31 दिसंबर 2025 बताई गई है। इस प्रकार चार किसानों ने अलग-अलग कार्यों के नाम पर कुल 14,500 रुपए लिए जाने की शिकायत की है। किसानों का दावा है कि यह केवल कुछ मामलों तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य किसानों से भी ऋण पुस्तिका, खसरा प्रविष्टि और जमीन संबंधी सुधार कार्यों के लिए 2,500, 4,000 और 5,000 रुपए तक लिए गए हैं। कुछ शिकायतकर्ताओं ने फोन के माध्यम से और अपने बेटों द्वारा भी पटवारी को रकम दिए जाने की जानकारी आवेदन में दी है। शिकायतकर्ताओं ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि वे छोटे किसान और मजदूर वर्ग से आते हैं तथा उनका जीवन पूरी तरह खेती पर निर्भर है। ऐसे में राजस्व अभिलेखों में सामान्य सुधार और जरूरी प्रविष्टियां कराने के लिए कथित रूप से रकम मांगे जाने से उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रस्तुत ऑनलाइन भुगतान के यूटीआर नंबर, संबंधित मोबाइल नंबरों और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई जाए तथा शिकायत में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। मामले में पटवारी गौरव घोंगड़े ने किसानों द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। ऐसे में अब यह मामला जांच का विषय बन गया है कि शिकायत में दिए गए भुगतान के विवरण और दस्तावेजों का वास्तविक संबंध किससे है तथा क्या इनका इस्तेमाल राजस्व कार्यों के बदले कथित रकम लेने के लिए किया गया। जनसुनवाई में पहुंचे किसानों को अब कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और न्यायोचित कार्रवाई की उम्मीद है।

बालाघाट में गांजा तस्करी का भंडाफोड़

1.133 किलो गांजे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

स्कूटी सहित 50 हजार रुपये का मशरूका जप्त, ग्रामीण थाना पुलिस की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ग्रामीण (नवेगांव) पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 133 ग्राम अवैध गांजा और एक स्कूटी वाहन जप्त किया है। जप्त मशरूका की कुल कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।



पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 2 नवंबर 2026 को पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से ग्राम लिंगा में गांजा तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिर्रा के मार्गदर्शन में थाना ग्रामीण (नवेगांव) पुलिस टीम ने ग्राम लिंगा में महेश नागेश्वर के घर की छपरी में दबिश दी तलाशी के दौरान पुलिस ने महेश नागेश्वर और धरुनलाल नगपुरे के कब्जे से कुल 1.133 किलोग्राम अवैध गांजा एवं स्कूटी वाहन क्रमांक MP50SB9392 बरामद किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जप्त सामग्री अपने कब्जे में ली। मामले में थाना ग्रामीण (नवेगांव) में अपराध क्रमांक 344/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपियों से गांजे के स्रोत और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं के संबंध में पूछताछ की गई । गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायालय आदेश के मुताबिक न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया हैपुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में धरुनलाल नगपुरे वर्ष 47 वार्ड क्रमांक 09 तिमियाटोली ग्राम पाथरी थाना हट्टा निवासी तथा महेश नागेश्वर वर्ष 58 वार्ड क्रमांक 16 मरारी मोहल्ला, ग्राम लिंगा थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी शामिल हैं।

पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सकरसिंह धुर्वे, सहायक उपनिरीक्षक मंजूलाल दाहिया, प्रधान आरक्षक उमेश हरदे, महिला प्रधान आरक्षक सविता बघेल, आरक्षक अरविंद गुर्जर, मनोज बघेल एवं पदम उइके सहित थाना ग्रामीण (नवेगांव) के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगर पालिका के जीआईएस सर्वे पर उठे सवाल, गलत आकलन से बढ़ सकता है शहरवासियों पर संपत्ति कर का बोझ

पूर्व नपा उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, निजी कंपनी के सर्वे में 33 वार्डों में गड़बड़ी का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका द्वारा शहर की संपत्तियों का निजी संस्था के माध्यम से कराए गए जीआईएस सर्वे को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। सर्वे में कथित त्रुटियों के कारण शहर के नागरिकों पर वास्तविक स्थिति से अधिक संपत्ति कर निर्धारित होने की आशंका जताई जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सर्वे में हुई गड़बड़ियों की जांच कराने और इसे दोबारा कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र के सभी 33 वार्डों में संपत्तियों का जो सर्वे कराया गया है, उसमें कई स्थानों पर वास्तविक स्थिति का सही आकलन नहीं किया गया। यदि इसी सर्वे के आधार पर संपत्ति कर निर्धारित किया गया तो इसका सीधा आर्थिक भार आम नागरिकों को उठाना पड़ सकता है। सोनी ने कहा कि नागरिकों से उनकी वास्तविक संपत्ति के अनुसार ही कर लिया जाना चाहिए, न कि गलत सर्वे के आधार पर उन पर अतिरिक्त कर का बोझ डाला जाए।

अनिल सोनी ने आरोप लगाया कि नगर पालिका ने जिस निजी कंपनी को जीआईएस सर्वे का जिम्मा सौंपा था, उसके सर्वेक्षणकर्ताओं को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। इसके चलते संपत्तियों का माप और उनका वर्गीकरण करने में लापरवाही हुई है। उन्होंने बताया कि कई मकानों के वास्तविक निर्माण क्षेत्र के साथ-साथ खाली जमीन, आंगन और अन्य रिक्त स्थानों का भी आकलन कर उन्हें संपत्ति के हिस्से के रूप में दर्ज कर दिया गया है। इससे संपत्ति का कुल क्षेत्रफल वास्तविक स्थिति से अधिक दर्ज होने की आशंका है। उनका कहना है कि किसी भवन के निर्मित हिस्से और खाली भूमि की स्थिति अलग-अलग होती है, लेकिन सर्वे के दौरान इनका सही वर्गीकरण नहीं किया गया तो संपत्ति कर की गणना प्रभावित होगी। ऐसी त्रुटियों का खामियाजा उन नागरिकों को भुगतना पड़ेगा, जिन्होंने अपनी संपत्ति के संबंध में कोई गलत जानकारी नहीं दी है। सोनी के मुताबिक जीआईएस सर्वे के आधार पर जब नगर पालिका द्वारा संपत्ति कर की गणना और वसूली की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, तब नागरिकों को पुराने वर्षों की तुलना में अधिक कर जमा करने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। यदि सर्वे में दर्ज क्षेत्रफल और वास्तविक संपत्ति के बीच अंतर रहा तो कर निर्धारण को लेकर नगर पालिका और संपत्ति मालिकों के बीच विवाद की स्थिति भी बन सकती है। उन्होंने कहा कि शहर के 33 वार्डों में रहने वाले आम नागरिकों के लिए संपत्ति कर एक महत्वपूर्ण विषय है और इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि सीधे उनकी जेब पर असर डालती है। इसलिए कर निर्धारण से पहले सर्वे की विश्वसनीयता सुनिश्चित करना जरूरी है। निजी कंपनी द्वारा किए गए कार्य की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जहां भी गलत जानकारी दर्ज की गई है, उसे संबंधित संपत्ति मालिकों की वास्तविक स्थिति के आधार पर सुधार जाना चाहिए। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए ज्ञापन में मांग की है कि पूरे जीआईएस सर्वे की समीक्षा कराई जाए और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच के बाद आवश्यक सुधार किए जाएं। उन्होंने कहा कि सर्वे में हुई गलती का दंड आम जनता को अतिरिक्त कर के रूप में नहीं भुगतना चाहिए। यदि किसी निजी एजेंसी से सर्वे कराया गया है तो उसकी जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से आग्रह किया है कि संपत्ति कर की अंतिम गणना और वसूली से पहले नागरिकों की आपत्तियों को सुनने तथा गलत प्रविष्टियों में सुधार का पर्याप्त अवसर दिया जाए। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और शहरवासियों को संभावित अतिरिक्त कर के बोझ से राहत दिलाने के लिए सर्वे की दोबारा जांच कराता है या नहीं।



जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी- सूर्यप्रकाश

नगर पालिका के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उईके ने भी दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि जीआईएस सर्वे निश्चित रूप से बाहरी कंपनी के माध्यम से कराया गया था। सर्वे के दौरान कुछ त्रुटियां सामने आ रही हैं, जिन्हें लेकर नगर पालिका ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि संबंधित कंपनी का एक प्रतिनिधि और नगर पालिका की टीम संयुक्त रूप से इस पूरे मामले पर काम कर रही है। सर्वे में सामने आ रही विसंगतियों और नागरिकों द्वारा उठाए जा रहे सवालों की जांच कर आवश्यक सुधार किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस संबंध में जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना-2027 में अलग से जोड़ा जाए ओबीसी का कालम

जातिगत जनगणना कर, ओबीसी को दिया जाए हक अधिकार, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन, 30 नवंबर को भारत बंद का ऐलान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनगणना-2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की जातिवार जनगणना को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। ओबीसी की अलग से गणना कराने, जातिवार जनसंख्या के सटीक आंकड़े जुटाने और जनगणना की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग को लेकर मोर्चा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौंपा है। मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि यदि ओबीसी की जातिवार जनगणना को लेकर उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इसी क्रम में 30 नवंबर 2026 को भारत बंद का ऐलान किया गया है।

ओबीसी वर्ग के साथ किया जा रहा अन्याय

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि भारत सरकार ने जनगणना-2027 में जातिवार जनसंख्या की गणना करने का निर्णय लिया है, जो समावेशी नीति निर्माण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेकिन मोर्चा का आरोप है कि जनगणना के प्रथम चरण में ओबीसी को शामिल नहीं किया गया और दूसरे चरण में भी ओबीसी की गणना को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं बनाई गई है। इससे ओबीसी समाज को आशंका है कि जातिवार जनगणना के नाम पर उसके साथ एक बार फिर अन्याय हो सकता है।मोर्चा ने ज्ञापन में वर्ष 2011 की जनगणना का उल्लेख करते हुए कहा है कि उस समय भी जातिवार जनगणना के आंकड़ों को लेकर सवाल उठे थे।उनके अनुसार, उस समय एकत्रित किए गए आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया और सरकार ने उन्हें मान्यता नहीं दी। मोर्चा का कहना है कि यदि इस बार भी जातिवार जनगणना की प्रक्रिया स्पष्ट और वैज्ञानिक नहीं रही,तो ओबीसी सहित अन्य जातियों के वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आ सकेंगे।



ओबीसी की अलग गणना, जातियों को मिले विशिष्ट कोड

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने जनगणना-2027 में ओबीसी की गणना के लिए छह प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें एससी-एसटी की तरह ओबीसी को भी अलग से गणना में शामिल करने तथा उसी पद्धति से उसकी जनगणना कराने की मांग प्रमुख है। इसके साथ ही राज्यवार आधिकारिक एवं व्यापक मास्टर जाति निर्देशिका तैयार करने, प्रत्येक जाति को विशिष्ट कोड प्रदान करने और अनियंत्रित ओपन कॉलम व्यवस्था के स्थान पर मानकीकृत विकल्प आधारित प्रणाली अपनाने की मांग की गई है।ज्ञापन में अनुसूचित एवं स्थानीय जातियों के सत्यापन के लिए स्पष्ट संस्थागत व्यवस्था बनाने पर भी जोर दिया गया है। मोर्चा ने कहा है कि जाति संबंधी डेटा के संग्रह, सत्यापन और संकलन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित तथा ऑडिट योग्य होनी चाहिए, जिससे जनगणना के आंकड़ों की विश्वसनीयता बनी रहे और भविष्य में उन पर किसी प्रकार का विवाद न हो।

देशव्यापी आंदोलन के तहत सातवें चरण में भारत बंद

ओबीसी की जातिवार जनगणना की मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। ज्ञापन में आंदोलन के चौथे चरण के तहत 3 अक्टूबर 2026 को 31 राज्यों के 625 जिलों एवं 5000 तहसीलों में सामूहिक रैली-प्रदर्शन का उल्लेख किया गया है छठे चरण में 3 नवंबर 2026 को 31 राज्यों के 625 जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन सौंपा गया है। वहीं आंदोलन के सातवें और अंतिम चरण में 30 नवंबर 2026 को भारत बंद का ऐलान किया गया है। मोर्चा का कहना है कि जातिवार जनगणना के आंकड़े केवल संख्या का विषय नहीं हैं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और समावेशी नीति निर्माण का आधार हैं।

सामाजिक न्याय के लिए सटीक आंकड़े जरूरी

मोर्चा ने ज्ञापन में कहा है कि किसी भी समाज की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति का आकलन उसकी सही जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर ही किया जा सकता है। ओबीसी की जातिवार जनसंख्या के सटीक आंकड़े सामने आने से नीतियों के निर्माण, संसाधनों के वितरण और सामाजिक न्याय से जुड़े निर्णयों में वास्तविक स्थिति को समझने में मदद मिलेगी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि जनगणना-2027 में ओबीसी की जातिवार गणना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। मोर्चा ने चेतावनी दी है कि मांगों की अनदेखी होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला प्रभारी रामदास उवकर, जिलाध्यक्ष सदाशिव हरिनखेड़े, महेश सहारे,जितेंद्र गोयल,महेंद्र बघेल, विमल कुभार, केवलसिह उइके, घनश्याम राउत, और डिसेन्द्र मेश्राम सहित तहसील स्तर के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मोर्चा ने इसे ओबीसी समाज के अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए आगामी आंदोलन में व्यापक जनभागीदारी का आह्वान किया है।

महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाए जा रहे चार मवेशी मुक्त-पिकअप जप्त

किरनापुर पुलिस की कार्रवाई-दो आरोपी गिरफ्तार वाहन में ठूंस-ठूंसकर भरे थे तीन भैंस और एक बोदा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पशु तस्करी के संदेह में बड़ी कार्रवाई करते हुए मवेशियों से भरी एक पिकअप वाहन को जप्त किया है। वाहन में तीन भैंस और एक बोदा को रस्सियों से बांधकर क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। इन मवेशियों को महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाया जा रहा था। पुलिस ने चारों मवेशियों को मुक्त कराते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय पिता सुखदास बोरकर 30 वर्ष एवं सोहेब पिता वसीम खान 19 वर्ष दोनों ग्राम चंगेरा थाना रावनवाडी, जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने यह कार्रवाई विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता लेखराम खरे 40 वर्ष ग्राम हीरापुर हिर्री थाना किरनापुर निवासी की शिकायत पर की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 नवम्बर की शाम करीब 6 बजे ग्राम सेवती में पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 3718 में तीन भैंस और एक बोदा को रस्सियों से बांधकर बेहद क्रूरतापूर्वक भरा गया था। वाहन के माध्यम से इन मवेशियों को महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाया जा रहा था। इसी दौरान इसकी जानकारी विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता लेखराम खरे को मिली। उन्होंने तत्काल किरनापुर थाने पहुंचकर पुलिस को मामले की सूचना दी। शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबंधित पिकअप वाहन को जप्त कर लिया और उसमें भरे चारों मवेशियों को मुक्त कराया। पुलिस ने वाहन में सवार विजय बोरकर एवं सोहेब खान से मवेशियों के परिवहन संबंधी दस्तावेज और रसीद मांगी। इस दौरान दोनों आरोपियों ने पुरानी रसीदें प्रस्तुत कीं। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66/192 एवं 146/196 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई से महाराष्ट्र की ओर अवैध रूप से मवेशियों के परिवहन का मामला सामने आया है।

आस-पास की खबरें

छत्रपति शिवाजी महाराज कुनबी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष बने दिनेशकुमार फुंडेकर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग पांढरवानी रोड़ स्थित लॉन में मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज कुनबी समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की

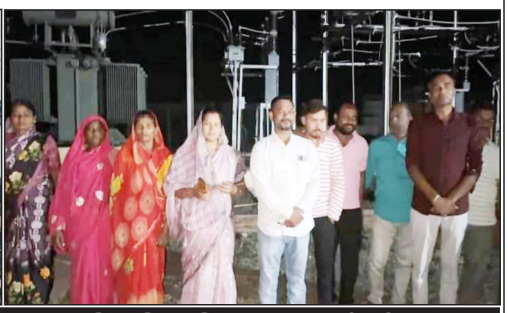




उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने छत्रपति शिवाजी महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन कर दिनेशकुमार फुंडेकर को पुनः छत्रपति शिवाजी महाराज कुनबी समाज ब्लॉक लालबर्रा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इसी तरह गोपालराव अंगुरे, तिलकराम मोहतुरे को उपाध्यक्ष, सुनील ठौकर को सचिव, पंकज खोखले को सहसचिव, एलआर खोखले को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं राधेश्याम भोयर को युवा कार्यकारिणी समिति का अध्यक्ष, हेमराज नखाते, प्रदीप ढोके को उपाध्यक्ष, सुनिल सार्वे को सचिव, जिनेन्द्र सार्वे को सहसचिव, विजय भगत को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिसके बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत कर नये दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी गई। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी ने निर्वहन कर सभी को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया जायेगा। इस अवसर पर ओमशंकर भगत, बुधराम सार्वे, दशाराम कुकड़े, रामेश्वर कारे, युगलकिशोर चारमोड़े, ओमकार सार्वे, वासुदेव लानगे, मानिकराम चौधरी, शशांक लानगे, नरोत्तम तितरमारे, चैतराम लूटे सहित अन्य पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बार-बार बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने किया पावर हाउस का घेराव





पावर हाउस से खमरिया फिडर को अलग कर नियमित विद्युत सप्लाई की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया में स्थित पॉवर हाउस से खमरिया, नेवरगांव वा, नैतरा फीडर के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में बिजली सप्लाई की जाती है। लेकिन बार-बार बिजली कटौती होने एवं क्षेत्र में तार एवं विद्युत पोलों में तकनीकी खराबी आने पर उसे दुरूस्त करने हेतु खमरिया ग्राम की भी बिजली घंटो एवं बार-बार गुल कर दी जाती है। जिससे ग्रामीणजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और उनके व्यवसायिक व्यापार भी प्रभावित हो रहे है। जिससे परेशान होकर आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणजन सोमवार की रात में पावर हाउस का घेराव कर दिया। वहीं ग्रामीणों ने मांग की कि खमरिया फीडर को अन्य गांवों से अलग किये जाये और केवल खमरिया ग्राम को ही इस फीडर से जोड़ा जाये ताकि उन्हें सुचारू रूप से बिजली मिल सके। उक्त मांगे पूरी नही होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी है।

एक गांव की खराबी पर पूरे क्षेत्र की होती है बत्ती गुल

आपकों बता दे कि खमरिया में पावर हाउस नही होने पर लालबर्रा पावर हाउस से उक्त क्षेत्र में बिजली पूर्व में सप्लाई की जाती थी, जिससे बिजली की समस्या उत्पन्न होने के कारण ग्रामीणजनों ने खमरिया में पावर हाउस का निर्माण करवाने की मांग की थी। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद विगत वर्ष पूर्व खमरिया में नया पावर हाउस का निर्माण किया गया है। इस पावर हाउस से खमरिया, नेवरगांव (वा.) और नैतरा फीडर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों में बिजली सप्लाई की जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में कहीं भी तार या विद्युत पोल में तकनीकी खराबी आने पर उसे दुरूस्त करने के नाम पर खमरिया ग्राम की भी बिजली काट दी जाती है। बार-बार होने वाली इस कटौती से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रात के समय बिजली गुल रहने से स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

पावर हाउस बनने के बाद बढ़ी समस्याएं

आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि जब खमरिया में पावर हाउस नहीं था, तब उन्हें अपेक्षाकृत पर्याप्त बिजली मिलती थी। लेकिन पावर हाउस की स्थापना के बाद से ही उन्हें लगातार कटौती और बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने पावर हाउस का घेराव कर प्रशासन से कहा कि बार-बार बिजली कटौती की स्थिति को अब बर्दाश्त नही की जायेगी। इस दौरान मौके पर मौजूद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाया और आश्वासन दिया कि क्षेत्र के ट्रांसफार्मर या अन्य स्थानों पर बड़े फाल्ट आने की स्थिति में ही सुधार कार्य के लिए बिजली रोकी जाती है। हालांकि ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित और सुचारू विद्युत सप्लाई की मांग पूरी नहीं की गई, तो वे और भी कड़ा कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे। वहीं विद्युत विभाग लालबर्रा के सहायक यंत्री मिथलेश उइके से दुरभाष पर खमरिया ग्राम में बार-बार बिजली कटौती होने से परेशान ग्रामीणों ने पावर हाउस का घेराव किया था एवं उनकी बिजली की समस्या दुर करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें आंदोलन - अनुप

अनुप पटले ने बताया कि खमरिया में पावर हाउस होने के बाद भी ग्राम में बार-बार बिजली कटौती की जाती है, जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं व्यापार से जुड़े लोगों को व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। खमरिया क्षेत्र स्थित ग्रामों में मैटेनेंस कार्य के चलते घंटो खमरिया की बिजली गुल कर दी जाती है, जो गलत है और दिन तो दिन रात में भी 5-5 मिनट के अंतराल में बार-बार बिजली गुल कर दी जाती है, जिससे ब'चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। श्री पटले ने बताया कि सोमवार की रात में आक्रोशित ग्रामीणजन पावर हाउस पहुंचकर कर्मचारियों ने नियमित बिजली सप्लाई करने की मांग की है, मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन करने बाध्य होगें जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

खमरिया फिडर में सिर्फ खमरिया ग्राम को ही रखा जाये - अनिल

खमरिया सरपंच प्रतिनिधि अनिल टेंभरे ने बताया कि खमरिया स्थित पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में तार एवं विद्युत पोलों में तकनीकी खराबी आने पर उसे दुरूस्त करने हेतु खमरिया ग्राम की भी बिजली घंटो एवं बार-बार गुल कर दी जाती है। जिससे ग्रामीणजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और बिजली से चलने वाले व्यापार एवं उद्योग से जुड़े लोगों का व्यापार भी प्रभावित रहा है और यह समस्या विगत दिवस से बनी हुई है। श्री टेंभरे ने बताया कि जब लालबर्रा से सीधी सप्लाई आती थी तब स्थिति बेहतर थी, अब गांव में ही पावर हाउस बनने के बावजूद ग्रामीणजन परेशान हो रहे है, किसी एक घर का कनेक्शन भी जुड़ता है या कहीं भी छोटा-मोटा मेंटेनेंस होता है, तो पुरे ग्राम की बिजली बंद कर दी जाती है। इसलिए विद्युत विभाग से मांग है कि खमरिया फिडर से सिर्फ खमरिया ग्राम को ही जोड़ा जाये ताकि बार-बार बिजली गुल से होने वाली समस्या से निजात मिल सके।

कनकी स्वास्थ्य केन्द्र में टीकाकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन



पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को टीकाकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के समाजकार्य में स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में टीकाकरण कार्यक्रम में पहुंचकर टीकाकरण की प्रक्रिया और उसका प्रचार-प्रसार तथा वैक्सीनेशन के तरीके के बारे में जानकारी चिकित्सकों से प्राप्त किये। वहीं टीकाकरण कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से चर्चा किये। इस अवसर पर दामेंद्रप्रसाद हरिनखेड़े, एएनएम निशा बिसेन, राजेश कातुरे, सरिता गौतम आशा कार्यकर्ता, हरिता बसेने आशा कार्यकर्ता, प्रभा डोरस आंगनवाडी कार्यकर्ता, अनिता नागेंद्र ,वीणा लिल्हारे, शिवानी लिल्हारे, कमलेश चौरागडे, कीर्ति बघेल, प्राची चंदेल, तुनिशा डहरवाल सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर मंगलवार को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ तथा नशा मुक्त भारत एवं तंबाकू नियंत्रण जागरूकता अभियान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं की रैली एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और छात्र-छात्राओं को लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. देवराज चौरे ने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अखण्ड भारत में उनके योगदान के बारे में बताया। डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत अभियान एवं तम्बाकू नियंत्रण के अन्तर्गत नशीले पदार्थो के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी एवं



नशीले पदार्थ से दूर रहने का संदेश दिया। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत डॉ. देवराज चौरे कार्यक्रम अधिकारी द्वारा नशामुक्त युवा/नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव, स्वास्थ्य एवं परिवार पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी एवं नशे से दूरी बनाये रखने हेतु छात्र-छात्राओं को संकल्पित किया गया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार पटेल जी के अखण्ड भारत के निर्माण में योगदान बताया साथ ही छात्र-छात्राओं को राष्ट्र निर्माण में संगठित रहने की प्रेरणा दी। साथ ही छात्र-छात्राओं को नशामुक्त युवा बने रहने हेतु प्रेरित किया एवं मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुमन बरवा, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, मनीष शिवरे, श्रीमती अनिधा शरणागत, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बालाघाट-सिवनी मार्ग निर्माण के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया शुरू

कंजई, नेवरगांव ला. पोंडी, सिहोरा में सामाजिक समाघात निर्धारण शिविर (विशेष ग्रामसभा) संपन्न, आज मिरेगांव में होगी बैठक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य सरकार द्वारा सिवनी-बालाघाट मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-72) के निर्माण एवं सिवनी बायपास कार्य को गति देने हेतु भू-अर्जन की प्रक्रिया अधिकारिक रूप से शुरू कर दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शी लोक प्रक्रिया के तहत प्रभावित क्षेत्रों में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम 2013 की धारा-04 के अंतर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण (एसआईए) अध्ययन कराया जा रहा है। कलेक्टर कार्यालय बालाघाट (भू-अर्जन शाखा) से जारी प्रारूप-क (क्रमांक/189/भू-अर्जन/एसपीआरडीसी/2026) के अनुसार, तहसील लालबर्रा के ग्राम नेवरगांव ला. में कुल प्रभावित 1.279 हेक्टेयर भूमि में से 8.865 हेक्टेयर भूमि का अर्जन प्रस्तावित किया गया है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 3 नवंबर को नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम एवं सहायक महाप्रबंधक मुकेश बेले की उपस्थिति में स्थानीय राजस्व अमले, ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ कंजई, सिहोरा, पोंडी और नेवरगांव ला. में विशेष ग्रामसभाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों के द्वारा ग्रामीणजनों को बालाघाट-सिवनी सड़क का फोरलेन निर्माण एवं किस स्थान से कितनी चौड़ाई की सड़क का निर्माण किया जायेगा उसकी जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने अपने विचार भी रखे, साथ ही विभागीय अधिकारियों ने सभी ग्रामीणजनों से कहा कि सड़क निर्माण कार्य में सहयोग करें। चर्चा में नायब तहसीलदार विनोदकुमार कोर्राम ने सड़क के तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया सड़क की चौड़ाई मुख्य मार्ग 30 मीटर के दायरे में बनाया जायेगा, जबकि बायपास स्थलों पर सड़क का दायरा 45मीटर का होगा। सड़क की उंचाई सड़क का निर्माण 3 मीटर की ऊंचाई पर किया जायेगा। वहीं म.प्र.स.वि. निगम लि. छिंदवाड़ा सहायक महाप्रबंधक मुकेश बेले ने बताया कि सड़क निर्माण से संबंधित सभी गतिविधियों और जानकारियों से ग्रामीणों को पारदर्शी रूप से अवगत करवाया जा रहा है। 4 नवंबर को मिरेगांव, डोकरबंदी, बिरसोला और चंदपुरी के पंचायत भवनों में भी इसी प्रकार विशेष ग्रामसभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को परियोजना की जानकारी दी जायेगी।





7 सदस्यीय संयुक्त दल का हुआ गठन

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वारासिवनी द्वारा जारी आदेश के तहत 3 नवंबर से 5 नवंबर तक विभिन्न प्रभावित ग्रामों में बैठकों का शेड्यूल तय किया गया है। तहसीलदार लालबर्रा को जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित कर सामाजिक समाघात रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये गये हैं। यह पूरी परियोजना 2 वर्षों की अवधि में पूर्ण की जानी है। एसआईए अध्ययन एवं प्रशासनिक कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 7 सदस्यीय संयुक्त दल का गठन किया गया है जिसमें भूपेन्द्र अहिरवार तहसीलदार, लालबर्रा, वाय. आर. गजभिये विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी लालबर्रा, मुकेश बेले सहायक महाप्रबंधक, म.प्र.स.वि. निगम लि., छिंदवाड़ा, अशोककुमार उइके राजस्व निरीक्षक, रा.नि.म. लालबर्रा, भानुप्रताप ठाकरे पटवारी, प.ह.नं. नेवरगांव ला., संतोष पंचेश्वर सरपंच ग्राम पंचायत नेवरगांव ला., गुलाबसिंह टेकाम सचिव ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. शामिल है।



नवदुर्गा उत्सव समिति ने किया लक्की ड्रा कूपन उपहार का वितरण

रसनाम निषाद खवासा को हीरो डेस्टिनी तो मालती अर्जे को टीव्ही के रूप में मिला माता का आशीर्वाद





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मंगलवार को नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में आयोजित लक्की ड्रा कूपन उपहार योजना के ईनाम वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें ड्रा में निकाले सौभाग्यशाली कूपन धारक भक्तों को ईनामो के साथ अतिथियों एवं मेहनत करने वाले मजदूरो को पुरूस्कार वितरण किया गया। यह कार्यक्रम नवदुर्गा उत्सव समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह की अध्यक्षता में ,समाजसेवी राजेश पाठक ,ईश्वरी पात्रे ,आनंद ताम्रकार ,आनंद वर्मा ,गणेश ठाकुर सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। बीते लम्बे समय से नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में सौभाग्यशाली लक्की ड्रा कूपन उपहार योजना चलाई जा रही है। जिसमें लक्की ड्रा कूपन के माध्यम से लाखों के उपहार समिति के द्वारा भाग्यशाली भक्त को प्रदान किया जाता है। इसी कडी इस वर्ष मातारानी स्थापना के सफ्तम २३ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा लाखों के ईनाम लक्की कूपन के माध्यम से रखा गया। जिसका शरद पूर्णिमा के अवसर पर २५ अक्टूबर को आयोजित मेगा बॉलीवुड नाइट में हिंदी सिनेमा के गायक विनोद राठौर, अब्दुल शेख एवं चांदनी मुखर्जी सहित अन्य कलाकार के कार्यक्रम के बीच में कूपन ड्रा को पूर्णरूप से निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए बच्चों एवं कार्यक्रम के अतिथियों एवं आकेंष्ट्रा के कलाकारों के हस्ते ड्रा के स्टायगर थैलियों से निकलाये गये। जिसका ३ नवंबर को पुरूस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ये रही ईनामी योजना

पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम में दूसरा ईनाम ३८३७८ के भाग्यशाली विजेता रसनाम निषाद खवासा निवासी को हीरो डेस्टिनी ११०, चौथे इनाम ३८६५८ के भाग्यशाली विजेता मालती अर्जे वारासिवनी निवासी को हायर कंपनी की एलइडी टीवी एवं सांत्वना पुरस्कार कूपन के अंतिम तीन अंक ६५९ के भाग्यशाली विजेताओं को उपस्थित अतिथियों के हंसते पुरस्कार का वितरण किया गया। इस दौरान प्रथम इनाम ६८३४८ के भाग्यशाली विजेता, तृतीय इनाम ५७९७८ के भाग्यशाली विजेता, पांचवा इनाम १२२९३ के भाग्यशाली विजेता के द्वारा इनाम के लिए उपस्थित नहीं हो पाए हैं। इनसे जल्द समिति के पास ओरिजिनल कूपन के साथ उपस्थित होकर अपना इनाम प्राप्त करने की अपील समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह के द्वारा की गई है।

इस कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने अच्छा करने माता रानी का आशीर्वाद मिलता है-राजेश पाठक

समाजसेवी राजेश पाठक ने बताया कि आप सभी को पता है कि कैसे दुर्गा उत्सव की शुरुआत हुई २३ वर्षों से सभी पर माता रानी की कृपा बनी हुई है। आगे भी ऐसी ही कृपा बनी रहे और अच्छे कार्यक्रम वारासिवनी में आए। ताकि वारासिवनी का नाम बालाघाट से निकलकर महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश जबलपुर संभाग तक पहुंचे।२५ अक्टूबर को जो कार्यक्रम हुआ वह उसी दिन होता है लोग उसकी प्रतीक्षा करते हैं इस कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने अच्छा करने माता रानी का आशीर्वाद मिलता है। समिति के सदस्य और संरक्षक एक माह से लगे होते हैं यह १२ दिन का कार्यक्रम होता है सभी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं उसी का परिणाम है कि लोगों को अच्छा कार्यक्रम देखने अवलोकन करने का अवसर मिलता है।

सभी के सहयोग से हमारी समिति जिले सहित प्रदेश में अच्छा कार्यक्रम करने का प्रयास करती है-संजयसिंह कछवाह

समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाह ने बताया कि यह २३ वां वर्ष था। दुर्गा उत्सव अपने पीक पर रहा आज वारासिवनी बालाघाट में इंतजार रहता है कि यह समिति आगे क्या करेगी। हम अच्छा कार्यक्रम कर कलाकारों को बुलाते हैं इससे पूरे वारासिवनी का नाम होता है। इस बार कोलकाता के कलाकारों ने जगन्नाथ पंडाल बनाया लाइटिंग की चर्चा पूरे प्रदेश में रही। मैं खास रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं जब पत्रकारिता की बात आती है तो पदमेश शुप पदमेश केवल का जिसने हर दिन गरबा पूरे जिले में प्रसारित किया। इस चैनल एवं पेपर के संचालक उमेश बागरेचा और उनकी टीम का धन्यवाद। हमारा भंडारा ४० क्विंटल चावल, ७० क्विंटल सब्जी ११० क्विंटल का भंडारा करते हैं। इस बार १८००० से अधिक लोगों ने प्रसादी ग्रहण किया यह कंपनी के कर्मचारी के कारण संभव होता है उन्हें भी धन्यवाद यह सभी के प्रयासों से होता है। हर वर्ष हम देखते हैं कि जो अच्छा है उसे और अच्छा किया जाए जो कमी रह गई उसे अच्छा करने का प्रयास किया जाता है।

छात्रावास स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जन जातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित बालक एवं बालिका आवासीय छात्रावासों में शासन के निर्देशानुसार १ नवंबर २०२६ को मध्य प्रदेश राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रावास स्थापना महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पांच शासकीय छात्रावासों का आयोजन शासकीय आदिवासी महाविद्यालीन कन्या छात्रावास एस.एस.पी. कालेज के परिसर में समारोह पूर्वक सम्पन्न किया गया। जहां रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन में वारासिवनी एवं झालीवाडा में संचालित छात्रावासों के समस्त अधिक्षक/अधिक्षकाओं एवं विद्यार्थियों के साथ अभिभावकगणों की सक्रिय भागीदारी रही है। मध्य प्रदेश राज्य के ७१ वें राज्य महोत्सव के स्थापना दिवस का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ किया गया। इस दौरान शैलेन्द्र सेठी ,वीरेन्द्र बनोटे , जागेन्द्र वासनिक , संतोष मरकाम ,रक्षा निकोसे , नरेन्द्र मर्सकोले, श्रीमती सुमित्रा गजभिये, श्रीमती सुमित्रा बांगरे , सौरभ मेश्राम, विशाल वाहने, उदेलाल तुरकर,श्रीमती संगीता वैष्णव, श्रीमती सुनीता पटले ,श्रीमती हेमलता सलामे की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। अतिथियों ने कहा कि मध्य प्रदेश स्थापना के बाद निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। राज्य महोत्सव छात्रावास स्थापना दिवस के अवसर पर छात्र/छात्राओं के प्रोत्साहित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, और कहा कि हमारे जिले में विकास की अपार संभावनाएँ व्याप्त हैं जिस पर प्रदेश निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है। राज्य महोत्सव समारोह में झालीवाडा बालिका छात्रावास की छात्रा कु. स्वाति उइके को प्रदेश की शैक्षणिक मैरिट सूची में पांचवा स्थान एवं आदिवासी वर्ग में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र पुरस्कार में प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समारोह में छात्रावास की स्कूली एवं कालेज की छात्र/छात्राओं ने सामूहिक रूप से विविध कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और माहौल को खुशनुमा बनाते हुये मध्य प्रदेश गान, सरस्वती वंदना, राष्ट्रगान एवं अतिथियों के वासते स्वागत गीत कार्यक्रम में प्रस्तुत किये। छात्रावास स्थापना दिवस कार्यक्रमों में नृत्य, गीत, संगीत एवं नाटक विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई। जिसमें पांच छात्रावास के प्रभारियों की अथक लगन मेहनत एवं प्रेरणा से कार्यक्रम आकर्षण पूर्ण रहा। कार्यक्रम में लोक संस्कृति परंपराओं की झलक दिखाई दी है। जिसमें बडे गौरी डांस ग्रुप, मेरे भारत की बेटी, बसतरिया माला, मीनाक्षी एंड ग्रुप, आदित्य ग्रुप, सीयाराम डांस ग्रुप की प्रस्तुति को जन समूह ने सराहा। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के द्वारा आदिवासी गीतों पर नृत्य, छत्तीसगढ़ी सुवा नृत्य, सामूहिक डांस की आकर्षक प्रस्तुति ने जनजातीय संस्कृति एवं परम्पराओं की झलक को जीवंत कर दिखाया। सम्पूर्ण आयोजन के दौरान छात्रावास अधीक्षक एवं अधीक्षिकाओं का आपसी समन्वय एवं एकजुटता का संदेश छात्रावास स्थापना महोत्सव के रूप में यादगार रहा है। सभी की सामूहिक सहभागिता ने यह आयोजन प्रेरणादायी आरंभ से अंत तक बना रहा है। जिसमें म.प्र. राज्य महोत्सव एवं छात्रावास स्थापना दिवस में सक्रिय रूप से आयोजनगणों की भागीदारी बनी रही है। इस अवसर पर सुरेश बारेकर, जितेन्द्र पटले, ईशुलाल फुलमारी, रामसिंह मसराम , अरविंद देवमुख, ब्रजलाल भैरम, प्रताप अडमे, दशरथ आंबाडारे, प्रभा मेश्राम, स्वाति गेडाम आदि की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सराहनीय एवं अनुकरणीय बना दिया है।





नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने नगर पालिका में जनसुनवाई आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मंगलवार को नगर पालिका में जनसुनवाई का आयोजन किया गया । परिषद अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे और पार्षदगणों की उपस्थिति में नगरवासियों की विभिन्न जन समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं छोटी.छोटी व जरूरी मांगो को सुनवाई में रखा। इस पर प्रदीप जायसवाल एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नल जल कनेक्शन से संबंधित समस्याओं को दीपावली पर्व को देखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था,नालियों,बाजारों व मेन रोड की साफ सफाई के लिए एवं अतिक्रमण के विषय में विशेष चर्चा कर समस्याओं के शीघ्र एवं उचित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने तथा नगर के विकास एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।



जनसुनवाई में प्रदीप जायसवाल ने सभी नगर वासियों की समस्या सुनीं और अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण करने के निर्देश। जिसमें नगर पालिका परिषद में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा नगर के नागरिकों के लिए उनकी समस्याओं को सुनने एवं सुलझाने के लिए यह पहल विगत महीनों से प्रारंभ की है। नगर पालिका परिषद में आयोजित जनसुनवाई में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ,नगर पालिका

ढूटी नहर में मिला एक और जंगली भैंसे का शव

एक माह में तीसरे जंगली भैंसे की मौत, वन विभाग जांच में जूटा





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा में रेलवे क्रॉसिंग के समीप ढूटी नहर के पुलिया में फंसा एक और जंगली भैसा यानि बायसन का वन विभाग की टीम ने बरामद किया। शव काफी अधिक सड़.गल चुका था जिससे आसपास के क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैल रही थी। वन विभाग की टीम ने क्रेन और जेसीबी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। इसके बाद ट्रैक्टर.ट्रॉली से वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी लाकर पशु चिकित्सकों से पोस्टमार्टम कराया गया तथा विभागीय प्रक्रिया के अनुसार शव का दहन कर नष्ट किया गया।

सुबह ११ बजे सुचना पर किया गया रेस्क्यू

प्राप्त जानकारी के अनुसार ३ नवंबर की सुबह ग्रामीणों को ग्राम वारा के पंचायत भवन के पीछे से गुजरने वाली रेलवे पुलिया के पास तेज दुर्गंध आने पर आसपास तलाश की गई। जहां पुलिया में जंगली भैसे का शव फंसा हुआ दिखाई दिया। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। करीब ११ बजे दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वनमंडलाधिकारी को सूचना मिली कि वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग के समीप नहर में एक जंगली भैसे का शव पानी में दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट,उपवनमंडल अधिकारी कटंगी एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम ने क्रेन एवं जेसीबी की सहायता से शव को बाहर निकालने की कार्यवाही की। प्रारंभिक स्थिति के अनुसार शव काफी पुराना था और रेलवे पुलिया में निकले लोहे के सरियों के बीच फंसा हुआ था। संभावना जताई गई कि नहर में बहकर आया बायसन सरियों के बीच फंस गया होगा। शव को वन परिक्षेत्र कार्यालय लाने के बाद दो पशु चिकित्सकों के द्वारा परीक्षण किया गया तथा आवश्यक नमूने एकत्रित किए गए। इसके पश्चात निर्धारित विभागीय प्रक्रिया के तहत शव का दहन किया गया। मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

एक माह में तीन जंगली भैसो की मौत

विदित हो कि १७ अक्टूबर को भी इसी ढूटी नहर से दो जंगली भैसे के शव बरामद किए गए थे। इनमें एक शव ग्राम वारा रेलवे क्रॉसिंग के समीप तथा दूसरा नगर के वार्ड क्रमांक ३ में मिला था। उस दौरान दोनों शव ताजे थे। अब उसी क्षेत्र की नहर में तीसरा शव मिलने से यह संभावना जताई जा रही है कि यह भैसा भी पूर्व में नहर में बहे दोनों भैसो के साथ ही बहकर आया होगा। नहर में पानी का स्तर अधिक होने के कारण यह रास्ते में कहीं पुलिया में फंस गया होगा और पानी का स्तर कम होने पर दिखाई दिया। लगातार एक माह के भीतर तीन जंगली भैसे की नहर में डूबने अथवा बहने से मौत होने की घटनाएं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही हैं।

सीसीएफडीएफओ के नेतृत्व में शव परीक्षण कर आगे की कार्यवाही की जा रही है-यशपाल मेहरा

एसडीओ यशपाल मेहरा ने बताया कि बायसन को देखकर लग रहा है १८ अक्टूबर की घटना जो लालबर्रा के गांव सेलवा से २ शव बहकर आए थे उसके साथ यह भी आया होगा। उस समय पानी ज्यादा था और जल संसाधन विभाग का जो पुलिया है जहां यह बायसन मिला है वहां पर सरिया निकले हुए हैं जिसमें यह फंस गया होगा। अभी पानी कम होने पर ग्रामीणों ने सूचना दी तो सीसीएफ डीएफओ के नेतृत्व में रेस्क्यू कर परिक्षेत्र कार्यालय लाकर शव परीक्षण करवाकर आगे की कार्यवाही की गई है। प्राकृतिक मौत डॉक्टर बता रहा है यह मादा बायसन करीब १० वर्ष से अधिक की उम्र की है।

खैर की लकड़ी से भरा ट्रक वन विभाग ने पकड़ा, दस्तावेजों की जांच जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वन विभाग की टीम ने रात्रि गश्त के दौरान खैर की लकड़ी से भरे एक ट्रक को पकड़कर दक्षिण सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी में खड़ा करवाया है। ट्रक में बड़ी मात्रा में खैर की लकड़ी भरी हुई थी। विभागीय अधिकारियों को लकड़ी के परिवहन से संबंधित दस्तावेजों में संदिग्ध स्थिति नजर आने पर ट्रक को अभिरक्षा में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग द्वारा क्षेत्र में अवैध कटाई एवं लकड़ी के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। इसी दौरान विभागीय टीम को सूचना मिली कि लकड़ी से भरा एक ट्रक नगर की ओर आ रहा है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने पुलिस थाना वारासिवनी के सामने ट्रक को रोककर चालक से पूछताछ की तथा परिवहन संबंधी आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान ट्रक चालक द्वारा महाराष्ट्र के भंडारा से लकड़ी लाना बताया गया। ट्रक में ऊपर तक खैर की लकड़ी भरी हुई थी तथा चालक के पास लगभग ९ घन मीटर लकड़ी की ट्रांजिट परमिट उपलब्ध थी। हालांकि लकड़ी की मात्रा और दस्तावेजों को लेकर अधिकारियों को कुछ संदेह हुआ। जिसके बाद ट्रक को दक्षिण सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी लाकर खड़ा करवा दिया गया। फिलहाल वन विभाग द्वारा ट्रक में लदी खैर की लकड़ी की मात्रा परिवहन परमिट एवं अन्य दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही लकड़ी के परिवहन की वैधता और आगे की कार्यवाही को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



बचपन प्ले स्कूल में तोरण निर्माण प्रतियोगिता आयोजित, माताओं ने बनाए आकर्षक तोरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली पर्व के अवसर पर बचपन प्ले स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं के अंतर्गत दूसरे दिन तोरण निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्य श्रीमती अमिता पारधी सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के फूलों और पत्तियों से आकर्षक एवं मनमोहक तोरण तैयार किए। घरों के मुख्य द्वार पर दीपावली के अवसर पर लगाए जाने वाले पारंपरिक तोरणों को प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता से विशेष रूप प्रदान किया। प्रतियोगिता के दौरान एक से बढ़कर एक सुंदर तोरण देखने को मिले। प्रतियोगिता के पश्चात निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए तोरणों का निरीक्षण कर निर्धारित मापदंडों के आधार पर अंक प्रदान किए। इसके बाद सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। गायत्री राव ने बताया कि दीपावली के अवसर पर स्कूल में तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दूसरे दिन तोरण निर्माण प्रतियोगिता रखी गई जिसमें बच्चों की माताओं ने उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए सुंदर तोरणों का निर्माण किया। इस तरह की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के महत्व से परिचित कराना है । ताकि वे जान सकें कि दीपावली जैसे पर्व पर घरों को पारंपरिक तरीके से कैसे सजाया जाता है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ , विद्यार्थी एवं उनकी मातायें उपस्थित रहीं।





मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है। खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई। जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया। प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है। आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी। रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है।

दुनियाँ के लोकतंत्रों पर विदेशी सत्ता परिवर्तन का साया!

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण सवाल तेजी से चर्चा में है कि क्या विभिन्न देशों में हो रहे जनआंदोलन केवल जनता की वास्तविक समस्याओं का परिणाम हैं अथवा इनके पीछे कहीं विदेशी आर्थिक सहायता, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, राजनीतिक नेटवर्क और रणनीतिक हितों के माध्यम से सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज की कोई सुनियोजित योजना भी काम करती है? लोकतंत्र में सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है,लेकिन जब किसी देश की आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता में विदेशी धन, डिजिटल प्रचार, बाहरी राजनीतिक समर्थन अथवा गुप्त नेटवर्क की भूमिका के आरोप सामने आते हैं,तब यह विषय राष्ट्रीय संप्रभुता और लोकतांत्रिक सुरक्षा से जुड़ जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इजरायल का 30 अक्टूबर 2026 का चुनावी नतीजा? को 27 अक्टूबर 2026 को हुआ था इसराइल के प्रधानमंत्री के लगाए गए आरोप व दिए गए जांच के आदेश नें इस बहस का ताजा और महत्वपूर्ण उदाहरण सटीकता से बनकर सामने आया है। साथियों बात अगर हम इजरायल का चुनाव 120 सीटों पर सत्ता का गणित और अरब पार्टियों का ऐतिहासिक उभार को समझने की करें तो,इजरायल की राजनीति में 27 अक्टूबर 2026 को हुए आम चुनाव ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।30 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव समिति के घोषित अंतिम सीट-विभाजन के अनुसार 120 सदस्यीय नेसेट (इजरायली संसद) में बहुमत के लिए 61 सीटें आवश्यक हैं, लेकिन नेतन्याहू के समर्थक गठबंधन को केवल 53 सीटें मिली हैं। दूसरी ओर पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले परिवर्तनवादी विपक्षी खेमे को 48 सीटें प्राप्त हुई हैं, जबकि अरब नेतृत्व वाली पार्टियों ने रिकॉर्ड 19 सीटें हासिल कर ली हैं। इस प्रकार किसी भी प्रमुख खेमे के पास अपने दम पर सरकार बनाने का बहुमत नहीं है। पार्टीवार परिणामों में लिकुड को 27, याशर को 21, बियाखद को 12, संयुक्त अरब सूची को 11, डेमोक्रेट्स को 8, राम को 8, यिसराइल बेतेनु को 7, ओत्जमा येहुदित को 7, यूनाइटेड टोरा यहूदी धर्म को 7, शास को 6 और धार्मिक जायनिज्म को 6 सीटें मिली हैं। मतदान लगभग 77.9 प्रतिशत रहा और 57 लाख से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अरब पार्टियों की संयुक्त 19 सीटें उन्हें सत्ता गठन की राजनीति में निर्णायक बना सकती हैं। हालांकि विपक्ष के कई नेताओं ने अरब पार्टियों के साथ गठबंधन करने को लेकर आपत्तियां जताई हैं। इसलिए नेतन्याहू की सरकार का भविष्य केवल सीटों के गणित से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौतों से भी यह तय होगा। साथियों बात अगर हम कतर और तुर्की पर विदेशी हस्तक्षेप के आरोपक्या वोट खरीदने की कोशिश हुई? इसको समझने की करें तो,इस चुनाव का सबसे विस्फोटक पहलू विदेशी हस्तक्षेप और कथित आर्थिक लेन-देन के आरोप हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी लिकुड पार्टी की ओर से अरब मतदाताओं के बीच कथित धन वितरण,वोट खरीदने, दोहरे मतदान और चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।इजरायली मीडिया की रिपोर्टों में कतर से धन पहुंचने और तुर्की सहित विदेशी तत्वों की संभावित भूमिका की आशंकाएं भी सामने आई हैं। केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नोआम सोलबर्ग ने इन गंभीर संदेहों की जांच के लिए इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट को निर्देश दिया है। जांच का उद्देश्य आरोपों की पुष्टि करना ही नहीं, बल्कि उन्हें गलत साबित करने की स्थिति में भी तथ्य सामने लाना है।हालांकि यहां एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है। कतर ने चुनाव में हस्तक्षेप अथवा धन भेजकर परिणाम प्रभावित करने के आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज किया है। तुर्की ने भी हस्तक्षेप के आरोपों को निराधार बताया है। इजरायल की केंद्रीय चुनाव समिति के कार्यवाहक महानिदेशक ने व्यापक चुनावी धांधली के दावों को आधारहीन बताया है और शिन बेट ने भी स्पष्ट किया है कि जांच सीमित दायरे में है तथा अभी संदेह सिद्ध नहीं हुए हैं। इसलिए विदेशी धन से वोट खरीदने को स्थापित तथ्य नहीं, बल्कि जांचाधीन आरोप के रूप में ही प्रस्तुत करना उचित होगा।यदि जांच में विदेशी धन के माध्यम से अवैध चुनावी गतिविधियों, मतदाताओं को रिश्वत देने अथवा चुनावी प्रक्रिया प्रभावित करने के प्रमाण मिलते हैं, तो इसका असर केवल इजरायल की सरकार गठन प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहेगा। कतर, तुर्की और इजरायल के कूटनीतिक संबंधों के साथ मध्यपूर्व की रणनीतिक राजनीति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, तो चुनाव परिणामों को बदनाम करने और अरब नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर सवाल उठाने की राजनीति भी अंतरराष्ट्रीय आलोचना का विषय बन सकती है। साथियों बात अगर हम फ्रांस = शिक्षा से शुरू हुआ आंदोलन, महंगाई और सरकार विरोध तक पहुंचा इसको समझने की करें तो,फ्रांस में सितंबर 2026 के अंत में विद्यार्थियों ने स्कूलों में शिक्षकोंकी कमी,खराब शैक्षणिक सुविधाओं लंबे अध्ययन घंटों और शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं के विरोध में आंदोलन शुरू किया। धीरे-धीरे इसमें श्रमिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ी तथा महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतों, वेतन, पेंशन और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति प्रमुख मुद्दे बन गए। अक्टूबर में पेरिस सहित अनेक शहरों में बड़े प्रदर्शन हुए।24 अक्टूबर के आसपास देशभर में लगभग तीन लाख प्रदर्शनकारियों की भागीदारी की खबरें सामने आईं, जबकि कुछ अन्य प्रदर्शनों में सरकारी और श्रमिक संगठनों के आंकड़ों में अंतर रहा।यह आंदोलन इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय मांगें किस तरह व्यापकराजनीतिक असंतोष का रूप ले सकती हैं। इसी पृष्ठभूमि में फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्टूबर 2026 की खोजी रिपोर्ट ने फ्रांस के विद्यार्थी आंदोलनों के आसपास सक्रिय अंतरराष्ट्रीय संगठनों, श्रमिक संघों, वामपंथी दलों और मीडिया नेटवर्क की भूमिका पर सवाल उठाए। रिपोर्ट ने 50 संगठनों का उल्लेख किया, जिनमें 15 विद्यार्थी अथवा युवा संगठन और शेष श्रमिक संघ, राजनीतिक दल, मानवाधिकार समूह तथा मीडिया संगठन शामिल थे। रिपोर्ट का आरोप था कि इन नेटवर्कों ने स्थानीय असंतोष को व्यापक वैचारिक और राजनीतिक अभियान का स्वरूप देने में भूमिका निभाई।लेकिन किसी आंदोलन को प्रचारित करना, उसमें संगठित भागीदारी करना और विदेशी निर्देश पर सरकार गिराने की साजिश करना तीन अलग-अलग बातें हैं। रिपोर्ट में उल्लिखित संगठनात्मक संबंध अपने आप में विदेशी षड्यंत्र का सटीकता से निर्णायक प्रमाण नहीं हैं। साथियों बात कर हम स्पेन- आवास संकट ने सरकार के सामने खड़ी की चुनौती इसको समझने की करें तो स्पेन में सितंबर 2026 में आवास संकट के विरुद्ध शुरू हुआ आंदोलन अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना। मैड्रिड में 87 वर्षीय मारिकर्मेन अबास्कल को उनके लंबे समय से रह रहे मकान से बेदखल किए जाने की घटना ने जनआक्रोश को बढ़ाया। आरोप था कि मकान खरीदने वाली संपत्ति कंपनी ने उनका किराया उनकी पेंशन की क्षमता से कहीं अधिक बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर किराया नियंत्रण, कमजोर वर्गों को बेदखली से सुरक्षा और किफायतीआवास की मांग की। अक्टूबर में यह आंदोलन व्यापक राजनीतिक मुद्दा बन गया। आवास सुधारों पर संसद में गतिरोध और बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने 29 नवंबर को मध्यावधि चुनाव कराने का आह्वान किया। साथियों बात अगर हम अल्बानिया भ्रष्टाचार बेरोजगारी और विदेशी निवेश का विवाद इसको समझने की करें तो अल्बानिया में प्रधानमंत्री एदी रामा की सरकार के विरुद्ध आंदोलन के पीछे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा जैसे मुद्दे हैं। ज्वेर्नेक क्षेत्र में संरक्षित आर्द्रभूमि के निकट प्रस्तावित लक्जरी पर्यटन परियोजना को लेकर स्थानीय निवासियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। इस परियोजना को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से जुड़े निवेश के संदर्भ में भी चर्चा मिली। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बड़ेनिवेशकों के हितों के सामने स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है।अक्टूबर में विद्यार्थियों और दूसरे समूहों के शामिल होने से आंदोलन का दायरा बढ़ा। यहां भी विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट दावों को अलग-अलग रखकर देखना जरूरी है। साथियों बात अगर हम भारत-चुनावी प्रक्रिया और जनआंदोलन के बीच अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की चर्चा को समझने की करें तो,भारत में भी चुनावी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर राजनीतिक विवाद और विरोध प्रदर्शन हुए हैं। विपक्षी दलों तथा कुछ सामाजिक संगठनों ने मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने पर सवाल उठाए और चुनाव आयोग की जवाबदेही की मांग की। अक्टूबर में दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई।प्रोग्रेसिवइंटरनेशनल ने 16 अक्टूबर 2026 की अपनी ब्रीफिंग में भारत, फ्रांस, स्पेन और अल्बानिया के आंदोलनों का एक साथ उल्लेख किया। उसने इन आंदोलनों के बीच समान सामाजिक शिकायतों और संगठित राजनीतिक शक्ति विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की।यहीं से विदेशी नेटवर्क की भूमिका पर बहस तेज हुई। फॉक्स न्यूज की 21 अक्टूबर के आसपास प्रकाशित एक अन्य खोजी रिपोर्ट और उससे जुड़ी खबरों में नौ देशों के 101 संगठनों के नेटवर्क का उल्लेख किया गया, जिन पर आंदोलनों के आयोजन, समन्वय अथवा प्रचार-प्रसार में सक्रिय होने का आरोप था। इसमें प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और कुछ भारत से जुड़े संगठनों का भी उल्लेख किया गया।अमेरिकी कारोबारी नेविल रॉय सिंघम से जुड़े संगठनों की फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की भी चर्चा हुई। लेकिन इस रिपोर्ट से यह सिद्ध नहीं होता कि भारत के आंदोलनों को इन संगठनों ने वित्तपोषित किया अथवा निर्देशित किया था। अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसी आंदोलन का समर्थन करना और किसी दूसरे देश की सरकार को गिराने की साजिश करना एक समान नहीं है। इस अंतर को समझना लोकतांत्रिक विमर्श की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। साथियों बात अगर हम विदेश से 'रिजीम चेंज' की रणनीति आखिर कैसे काम करती है? इसको समझने की करें तो,रिजीम चेंज यानी किसी देश की मौजूदा सरकार अथवा सत्ता व्यवस्था को बदलने की प्रक्रिया कई तरीकों से आगे बढ़ सकती है। इतिहास में इसके लोकतांत्रिक कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य उदाहरण मिलते हैं। आधुनिक दौर में इसके बहुत कुछ प्रमुख माध्यम हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

आखिर क्या हो रहा है बच्चों को? मासूम मन में क्यों पनप रहा है हिंसा और बदले का भाव

-कांतिलाल मांडोत

बच्चों की दुनिया खेल, जिज्ञासा, दोस्ती और सीखने की सहज दुनिया मानी जाती है। छोटी-छोटी बातों पर रूठना और फिर कुछ देर में साथ खेलना बचपन की पहचान थी। लेकिन हाल की घटनाएं इस तस्वीर को बेचैन करने लगी हैं। पंचकूला के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र पर आरोप है कि उसने केजी में पढ़ने वाली बच्ची को खाली कक्षा में ले जाकर बुरी तरह पीटा। नोएडा के एक स्कूल में सात वर्षीय छात्र को उसके पंद्रह से अधिक सहपाठियों ने कथित तौर पर फर्श पर गिराकर पीटा। आंध्र प्रदेश में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर दसवीं की छात्रा पर कक्षा में हमला किए जाने की घटना भी सामने आई। ये घटनाएं बच्चों की सुरक्षा, व्यवहार और सामाजिक वातावरण पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि हिंसक व्यवहार अब बहुत कम उम्र में दिखाई देने लगा है। आठ साल का बच्चा दूसरे बच्चे को चोट पहुंचाने की स्थिति तक कैसे पहुंचा? सात साल के छात्र के साथियों को समूह बनाकर उसे पीटने की प्रेरणा कहां से मिली? क्या बच्चों के मन में संवेदनाएं कम हो रही हैं या गुस्सा और बदले की भावना बढ़ रही है? इन सवालों का जवाब केवल यह कहकर नहीं दिया जा सकता कि आजकल के बच्चे बिगड़ गए हैं या कलयुग का प्रभाव है। इसके पीछे पारिवारिक वातावरण, सामाजिक बदलाव, मानसिक दबाव और बच्चों को मिलने वाले संस्कार जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

बचपन में भावनाओं को पहचानने और संभालने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है। कई बच्चे निराशा, ईर्ष्या, अपमान और असुरक्षा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। वे अपनी परेशानी को चिल्लाने, मारपीट करने या दूसरों को परेशान करने के रूप में दिखाते हैं। इसका अर्थ है कि बच्चों को केवल अनुशासन सिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें गुस्से पर नियंत्रण, सहनशीलता और विवाद को बातचीत से सुलझाने की शिक्षा भी देनी होगी। कभी-कभी आक्रामक व्यवहार तनाव, डर, उपेक्षा या किसी अप्रिय अनुभव का संकेत भी हो सकता है।

परिवार बच्चे की पहली पाठशाला है। घर में माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, अपमानजनक भाषा, गृह क्लेश और तनावपूर्ण वातावरण का असर बच्चों की मनोदशा पर पड़ सकता है। बच्चा बड़ों की बातें ही नहीं, उनका व्यवहार भी देखकर सीखता है। यदि घर में मतभेद का समाधान बातचीत के बजाय चिल्लाकर किया जाता है तो बच्चा भी यही तरीका अपना सकता है। हालांकि बच्चों के व्यवहार के लिए परिवार को अकेले दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। आर्थिक दबाव, माता-पिता की व्यस्तता, स्कूल का वातावरण और साथियों का प्रभाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आज भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने का समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और इंटरनेट ने मनोरंजन के अनेक रास्ते खोले हैं, लेकिन उम्र के अनुरूप निगरानी नहीं होने पर बच्चे हिंसा, गाली-गलौज और बदले की भावना को सामान्य दिखाने वाली सामग्री से प्रभावित हो सकते हैं। कई बार मोबाइल बच्चों को व्यस्त रखने का साधन बन जाता है और माता-पिता यह जानने का प्रयास ही नहीं करते कि बच्चा क्या देख रहा है। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के साथ खेलकूद, किताबों, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी प्रेरित करना होगा।

बच्चों की मनोदशा समझने के लिए माता-पिता को उनसे प्रतिदिन बातचीत करनी चाहिए। केवल पढ़ाई, परीक्षा और अंकों के बारे में पूछना पर्याप्त नहीं है। यह भी जानना जरूरी है कि बच्चा किस बात से खुश है, किस बात से परेशान है और स्कूल में उसके मित्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है। बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, सबके सामने अपमानित करना और हर गलती पर कठोर दंड देना उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। प्यार का अर्थ हर मांग पूरी करना नहीं है। उचित अनुशासन, स्पष्ट नियम और जिम्मेदारी का एहसास भी अच्छी परवरिश का हिस्सा हैं।

स्कूलों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में बदलाव पहचानने वाले मार्गदर्शक भी हैं। कक्षा में पर्याप्त निगरानी, सुरक्षित वातावरण और बच्चों के बीच सहयोग की भावना विकसित करना जरूरी है। किसी बच्चे को लगातार चिढ़ाना, अलग-थलग करना या समूह में निशाना बनाना मामूली शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन को ऐसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। आवश्यकता होने पर अभिभावकों के साथ बाल मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता की सहायता भी लेनी चाहिए।

बच्चे के स्वभाव में अचानक बदलाव, बार-बार गुस्सा, अत्यधिक चुप्पी, डर, दूसरों को परेशान करने की प्रवृत्ति या दोस्तों से दूरी दिखाई दे तो उसे केवल जिद समझकर टालना ठीक नहीं है। माता-पिता को धैर्यपूर्वक उसकी बात सुननी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। जिस बच्चे के साथ हिंसा हुई है, उसे सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। वहीं हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे को भी सुधारने और सही दिशा दिखाने की जरूरत है। कम उम्र में किसी बच्चे को अपराधी का ठप्पा लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

समाज में बदलते पारिवारिक संबंध और पीढ़ियों के बीच बदलती अपेक्षाएं भी विचारणीय हैं। पहले परिवार के बुजुर्ग महत्वपूर्ण निर्णयों में बड़ी भूमिका निभाते थे, जबकि आज युवा अपनी पसंद और स्वतंत्रता को अधिक महत्व देते हैं। बदलाव अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी, धैर्य, सम्मान और दूसरों की भावनाओं को समझने का संस्कार भी जरूरी है। माता-पिता की बात मानना अंधानुकरण नहीं, बल्कि संवाद और परस्पर सम्मान का रिश्ता होना चाहिए।

आज युवाओं में बढ़ती निराशा और मानसिक दबाव की खबरें भी समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती हैं। किसी बच्चे या किशोर की परेशानी को कमजोरी या नाटक कहकर खारिज नहीं करना चाहिए। स्वयं को अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को गंभीरता से लेकर परिवार, स्कूल और विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

बच्चे समाज का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारी भी हैं। उन्हें केवल अच्छे अंक और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने की सीख देना पर्याप्त नहीं है। संवेदना, संयम, सहनशीलता, मित्रता और दूसरों के सम्मान का महत्व भी समझाना होगा। पंचकूला और नोएडा जैसी घटनाएं चेतावनी हैं कि घर, स्कूल और समाज को मिलकर बच्चों के मन की बात सुननी होगी। आखिर बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनका भविष्य सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की है। बचपन को भय, बदले और हिंसा से मुक्त रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- "तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।" यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौ? में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी प? रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है।



कहावत है-'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चौतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी। प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं। हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गांठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। वस्तुत: तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो। हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है।

अंतत: जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मंगलवार को किराना जिंसों में ग्राहकी भरपूर रही। शक्कर में सुर्खी रही। नारियलों में सुस्ती का वातावरण रहा। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो मजबूत हुई। दलहनों में चना बना रहा। तुअर बढ़िया मालों में 100 रू. क्विंटल बढ़ी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को किराना बाजार में ग्राहकी बढ़िया रही। शक्कर में बाजार 5500-5600 रू. क्विंटल पर मजबूत रहे। नारियलों में सुस्ती का वातावरण देखा गया। खाद्य तेलों में कारोबार अच्छा रहा। तिलहनों में सरसो 100 रू. क्विंटल मजबूत नज़र आयी। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5500-5600, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 790-800, गारबल्ड 770-775, मटरदाना 850-870, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2760, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1460, धूलिया 1465, कड़ी 1465,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1460,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7500-7550, विशाल 7400-7450, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8700-8800, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में चाँदी बाजार नरमी के रहे। चाँदी घटकर 180800 रू. प्रति किलो पर आ गयी। वहीं, सोने में बाजार कमोवेश पूर्वस्तर पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 180800, चाँदी (99) 180600, टंच 179900, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 140700,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसी की बढ़त के साथ ही 94.71 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार 12 पैसे मजबूत होकर 94.72 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, अमेरिका में महत्वपूर्ण मध्यावधि चुनाव से पहले डॉलर के मजबूत होने से दुनियाभर के निवेशकों के सतर्क रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.68 प्रति डॉलर पर खुला और फिर मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद यह डॉलर के मुकाबले 94.72 पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर 94.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक भारी बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इस तेजी का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज शेयरों में आया उछाल है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1225.07 अंक बढ़कर 76,917.85 के ऊपरी स्तरों पर बंद हुआ। इसी तरह, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 370.05 अंकों की तेजी के साथ ही 23,810.85 के स्तर पर पहुंचा। गत दिवस भी बाजार में करीब 1.5 फीसदी की तेजी रही जिससे यह लगातार दूसरा ऐसा दिन रहा जब निवेशकों की पूंजी बढ़ी है। आज अधिकर शेयरों में तेजी रही। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 25 कंपनियों के शेयर



लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए, जबकि शेष 5 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं, निफ्टी में भी यही रुझान रहा। इसमें 50 में से 39 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रहीजबकि 10 शेयरों में गिरावट आई और एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। दिग्गज शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों ने लंबी छलांग लगाई और यह 4.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, भारती एयरटेल , एचडीएफसी बैंक , एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी , टाइटन, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर भी उछले। । बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और सन फार्मा जैसे अन्य प्रमुख शेयरों में भी बढ़त रही। इस तेजी के बावजूद कुछ शेयर ऐसे भी रहे, जिन्हें नुकसान उठाना पड़ा। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरे। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक और एनटीपीसी 0.87 और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 614.66 अंक उछलकर 76,301.63 अंक पर पहुंच गया।

भागीदारी का विरोधाभास-महिलाएं काम तो कर रही हैं, पर सुरक्षित नहीं!

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में महिला कर्मचारियों की संख्या पिछले सात वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है, लेकिन यह वृद्धि एक विरोधाभास लिए हुए है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनैशनल इकनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक नए अध्ययन 'द पार्टिसिपेशन पैराडॉक्स' के अनुसार, इस दौरान महिलाओं की नौकरियां कम सुरक्षित, कम वेतन वाली और काम के कम घंटों वाली हो गई हैं। यह अध्ययन बताता है कि महिलाएं अब ज़्यादा वेतन वाला काम कर रही हैं, लेकिन घर के अवैतनिक काम का बोझ कम नहीं हुआ है, जिससे उनके आराम और आत्म-देखभाल के समय में भारी कटौती हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए अध्ययन में बताया गया है कि कामकाजी महिलाओं की संख्या 2017-18 के 10.4 करोड़ से बढ़कर 2025 तक 20.1 करोड़ हो गई है, जो लगभग दोगुनी है। हालांकि, यह वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में केंद्रित रही है और लगभग पूरी तरह से कृषि क्षेत्र में रोजगार मिला है। पुरुषों के मामले में जहां ढांचागत बदलाव देखे जा रहे हैं, वहीं महिलाओं के मामले में ऐसा नहीं है। अध्ययन के मुताबिक कार्यबल में शामिल होने वाली अधिकांश अतिरिक्त महिलाओं ने स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक श्रम के माध्यम से प्रवेश किया है, जो सबसे असुरक्षित और सबसे कम वेतन वाली श्रेणियां हैं। ग्रामीण महिलाओं में नियमित वेतन वाली नौकरियों का हिस्सा वास्तव में कम हुआ है। शहरी क्षेत्रों में सेवा-आधारित आर्थिक वृद्धि के बावजूद, यह कहना कठिन है कि महिलाओं को अवसरों में सुधार के कारण रोजगार मिला है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कामगारों की अनिवार्य जरूरतों के कारण काम मिला है।

ईरान पर अमेरिकी हमले से कच्चे तेल में फिर उबाल

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के केश्म द्वीप पर किए गए हमले की खबर से मंगलवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिला। इस घटना ने पश्चिम एशिया में पिछले आठ महीने से जारी संघर्ष के और गहराने की आशंका पैदा कर दी है, जिससे क्षेत्र से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहने की चिंता बढ़ गई है। यह उछाल सोमवार को ब्रेंट क्रूड में आई 7.63 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद आया है, जो 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.5 फीसदी बढ़कर 105.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रुड भी 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 96.93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर हमला किया है। कुछ अधिकारियों के मुताबिक, ये हमले बचाव के मकसद से किए गए थे, ताकि ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में कारोबारी जहाजों पर हमला करने से रोका जा सके। केसीएम ट्रेड के चीफ मार्केट एनालिस्ट टिम वाटरर ने कहा कि इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में युद्ध से जुड़ा जोखिम फिर बढ़ गया है। वैश्विक आपूर्ति और राजनीतिक दबाव होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बड़ा संकट बना हुआ है, क्योंकि संघर्ष शुरू होने से पहले दुनिया के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कुल आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता था। पश्चिम एशिया में किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की खबर का असर कच्चे तेल की कीमतों पर तुरंत दिखाई देता है। अमेरिका में मंगलवार को मध्यावधि चुनाव हो रहे हैं और ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की ऊंची कीमतें राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर संघर्ष खत्म करने का दबाव बढ़ा रही हैं, ऐसे में यह हमला राजनीतिक रूप से भी अहम है।



मेष- आज का दिन आपके जीवन में सुकून, खुशियां और सकारात्मकता लेकर आ सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और अपने प्रिय के साथ बिताए गए खूबसूरत पल मन को प्रसन्न रखेंगे। वैवाहिक जीवन में भी खुशियों की बहार रहेगी। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि, सम्मान या प्रमोशन मिलने के संकेत हैं, जिससे घर में उत्सव जैसा माहौल बन सकता है।

वृषभ- आज का दिन नई जिम्मेदारियों के साथ तरक्की के अवसर भी लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई महत्वपूर्ण काम सौंपा जा सकता है, जिसमें अपनी योग्यता साबित करने का अच्छा मौका मिलेगा। आपकी मेहनत, ईमानदारी और काम के प्रति समर्पण वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगा। सरकारी योजनाओं या सुविधाओं का लाभ मिलने के भी संकेत हैं।

मिथुन- आज आप पूरे उत्साह के साथ अपने कामकाज को आगे बढ़ाने में जुटे रहेंगे। समय पर जिम्मेदारियां पूरी करने की आपकी कोशिश अच्छे परिणाम दे सकती है। आपकी मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार लोगों के बीच आपकी अलग पहचान बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट रखें और एक समय में एक काम पर ध्यान केंद्रित करें।

कर्क- आज आपको अपने लक्ष्य से भटकने के बजाय पूरी एकाग्रता के साथ आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और निरंतर प्रयास आपको सफलता के करीब ले जा सकते हैं। किसी काम में मनचाहा परिणाम पाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़े, तो पीछे न हटें। स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर भी सजग रहना जरूरी है। काम की व्यस्तता में खान-पान और दिनचर्या की अनदेखी न करें। आर्थिक लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतें और जरूरी समझौतों या भुगतानों का लिखित रिकॉर्ड सुरक्षित रखें।

सिंह- आज आपको उत्साह के साथ-साथ समझदारी से भी काम लेना होगा। सुख-सुविधाओं और निजी जरूरतों पर खर्च बढ़ सकता है, इसलिए अपनी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर ही खरीदारी करें। प्रेम संबंधों में रोमांस और अपनापन बढ़ने के संकेत हैं। साथी के साथ कुछ अच्छे पल बिताने से रिश्ते में नई ताजगी आएगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे बीते दिनों की यादें फिर से ताजा हो जाएंगी।

कन्या- आज किसी बड़े बदलाव के पीछे भागने के बजाय मौजूदा परिस्थितियों को संभालना आपके लिए अधिक फायदेमंद रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर तनाव या गलतफहमी चल रही है, तो बातचीत के जरिए उसका समाधान निकालने का प्रयास करें। मन में किसी पुराने मामले को लेकर बेचैनी रह सकती है।

तुला- आज आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सतर्कता बरतना आपके लिए बेहद जरूरी होगा। किसी महत्वपूर्ण काम में अंतिम समय पर रुकावट आने से मन थोड़ा परेशान हो सकता है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। व्यापार करने वालों को किसी भी सौदे या समझौते पर अंतिम मुहर लगाने से पहले सभी शर्तों की अच्छी तरह जांच करनी चाहिए।

वृश्चिक- आज दिन की शुरुआत में कुछ उलझनें या परेशानियां सामने आ सकती हैं, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। धीरे-धीरे परिस्थितियां बेहतर होने लगेंगी और आपको राहत महसूस होगी। विदेश यात्रा करने या विदेश से जुड़े किसी काम को आगे बढ़ाने की योजना बन सकती है। यदि आप किसी महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, तो जरूरी दस्तावेजों और व्यवस्थाओं पर पहले से ध्यान दें।

धनु- आज साझेदारी में किए गए कामों से अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। यदि आप किसी के साथ मिलकर व्यापार या कोई नई योजना चला रहे हैं, तो आपसी तालमेल बनाए रखना विशेष रूप से फायदेमंद रहेगा। परिवार के साथ बैठकर पुरानी समस्याओं पर चर्चा करने और उनका समाधान खोजने का भी अच्छा अवसर मिलेगा। जीवनसाथी या अपने प्रिय के साथ कहीं घूमने-फिरने की योजना बन सकती है, जिससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी और रोजमर्रा की व्यस्तता से कुछ राहत मिलेगी।

मकर- आज का दिन खुशियों, उपलब्धियों और आगे बढ़ने के नए अवसरों से भरा रह सकता है। करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं और आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है। यदि आप लंबे समय से किसी अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो अपनी तैयारी मजबूत रखें। प्रेम जीवन में भी मधुरता बढ़ेगी और आपसी समझ पहले से बेहतर हो सकती है।

कुंभ- आज आपको अपनी सेहत को सबसे ऊपर रखना होगा। कामकाज की व्यस्तता में खान-पान और दिनचर्या की अनदेखी करने से छोटी-मोटी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए समय पर भोजन करें और शरीर को पर्याप्त आराम दें। कार्यक्षेत्र में आप पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ काम करेंगे, लेकिन एक साथ कई जिम्मेदारियां मिलने से मन थोड़ा बेचैन हो सकता है।

मीन- आज कामकाज का दबाव कुछ अधिक रह सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको चुनौतियों का सामना करने की ताकत देंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आगे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। परिवार में मां की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जिसे आप पूरी निष्ठा से निभाने का प्रयास करेंगे।

शब्दजाल- 8440

भा	क	ल	व	ग	ब	ना	क	प	ल	क
र	वि	ल	न	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
त	स	र्म	ल	र्म	छ	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	य	पु	र	न	प	न	ल्ली	क
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	क
जी	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	आ	स्ट्रे	लि	या	प	ल	श	र	ला	ल
क	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
ने	बा	चे	न्न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	स्ता
क	क	ल	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

शब्द जाल में 10 विभिन्न देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए देशों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

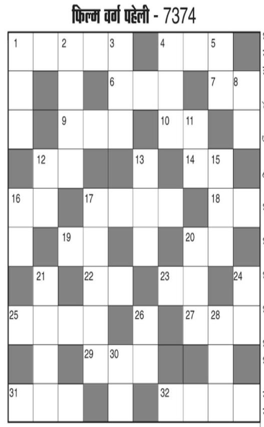
इट्ली, भारत, चीन, ब्राजील, जर्मन, नेपाल, पाकिस्तान, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, इरान.

शब्दजाल - 8439 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7374



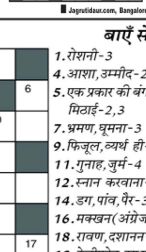
ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

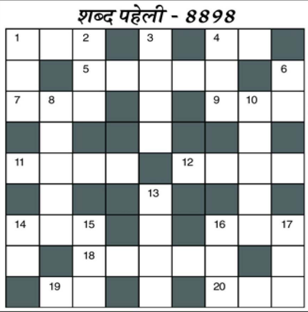
१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7373



Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8898



बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन (अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की सेवा कर, स्वचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8897 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.08 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	09.24 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.29 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.15 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.48 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.19 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.10 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	00.27 बजे से
		कन्या	02.38 बजे से
		तुला	04.49 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 308 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 11.04 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 08.01 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 11.04 बजे तदनन्तर बव 22.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 18' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872883 **जूलियन दिन** 2461348.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 23 **विशेष** भानु सप्तमी, अहोई अष्टमी, म.प्र. व छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सहनशीलता

एक दरोगा संत दादू की ईश्वर भक्ति और सिद्धि से बहुत प्रभावित था। उन्हें गुरु मानने की इच्छा से वह उनकी खोज में निकल पड़ा। लगभग आधा जंगल पार करने के बाद दरोगा को केवल धोती पहने एक साधारण-सा व्यक्ति दिखाई दिया। वह उसके पास जाकर बोला, 'क्यों बे तुझे मालूम है कि संत दादू का आश्रम कहाँ है?' वह व्यक्ति दरोगा की बात अनसुनी कर के अपना काम करता रहा। भला दरोगा को यह सब कैसे सहन होता? लोग तो उसके नाम से ही थर-थर काँपते थे उसने आव देखा न ताव लगा गरीब की धुनाई करने। इस पर भी जब वह व्यक्ति मौन धारण किए अपना काम करता ही रहा तो दरोगा ने आग बबूला होते हुए एक ठोकर मारी और आगे बढ़ गया। थोड़ा आगे जाने पर दरोगा को एक और आदमी मिला। दरोगा ने उसे भी रोक कर पूछा, ''क्या तुम्हें मालूम है संत दादू कहाँ रहते है?'' ''उन्हें भला कौन नहीं जानता, वे तो उधर ही रहते हैं जिधर से आप आ रहे हैं। यहाँ से थोड़ी ही दूर पर उनका आश्रम है। मैं भी उनके दर्शन के लिए ही जा रहा था। आप मेरे साथ ही चलिए।'' वह व्यक्ति बोला। दरोगा मन ही मन प्रसन्न होते हुए साथ चल दिया। राहगीर जिस व्यक्ति के पास दरोगा को ले गया उसे देख कर वह लज्जित हो उठा क्यों संत दादू वही व्यक्ति थे जिसको दरोगा ने मामूली आदमी समझ कर अपमानित किया था। वह दादू के चरणों में गिर कर क्षमा माँगने लगा। बोला, ''महात्मन् मुझे क्षमा कर दीजिए, मुझसे अनजाने में अपराध हो गया।'' दरोगा की बात सुनकर संत दादू हँसते हुए बोले, ''भाई, इसमें बुरा मानने की क्या बात? कोई मिट्टी का एक घड़ा भी खरीदता है तो ठोक बजा कर देख लेता है। फिर तुम तो मुझे गुरु बनाने आए थे।'' संत दादू की सहिष्णुता के आगे दरोगा नतमस्तक हो गया।

सूडोकु नवताल- 7683

★★★✯✩ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7682 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

रानी अवंती बाई स्टेडियम में लगेंगी दीपावली की पटाखा दुकानें

लॉटरी पद्धति से 61 व्यवसायियों को हुआ आवंटन

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली पर्व पर पटाखों की बिक्री को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद लांजी ने इस वर्ष भी पटाखा दुकानों के लिए रानी अवंती बाई स्टेडियम को निर्धारित किया है। मंगलवार, 3 नवंबर को नगर परिषद परिसर में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। साथ ही लॉटरी पद्धति के माध्यम से अस्थायी पटाखा व्यवसायियों को 61 दुकानों का आवंटन किया गया। बैठक दोपहर 3 बजे नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, सभापति किशोर रामटेकर, दिनेश कचवाहे, तहसीलदार संजय बारसकर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में दीपावली के दौरान पटाखा दुकानों के संचालन, स्थल चयन एवं आवंटन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद सर्वसम्मति से रानी अवंती बाई स्टेडियम में ही पटाखों की स्थायी एवं अस्थायी दुकानें लगाए जाने का निर्णय लिया गया। इसके पश्चात पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी (चिट) पद्धति से अस्थायी पटाखा व्यवसायियों को कुल 61 दुकानों का आवंटन किया गया।

अग्नि सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश

दुकानों के आवंटन के बाद अधिकारियों ने पटाखा व्यवसायियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि सभी दुकानदार निर्धारित स्थल पर ही अपनी दुकानें संचालित करें। मैदान परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ सुरक्षा संबंधी सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए अधिकारियों ने प्रत्येक दुकान में 24 घंटे अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) उपलब्ध रखने की हिदायत दी। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने तथा दुकान परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में पटाखा यूनियन अध्यक्ष सफीक खान सहित बड़ी संख्या में पटाखा व्यवसायी मौजूद रहे। वहीं नगर परिषद की राजस्व शाखा से सहायक राजस्व निरीक्षक गुलाबचंद लटारे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में संपूर्ण आवंटन प्रक्रिया संपन्न कराई गई।



नक्सल प्रभावित गांवों में विकास की जमीनी हकीकत जानने पहुंचे एसडीएम तिवारी

चार गांवों का किया दौरा, ग्रामीणों से सुनी समस्याएं; पशुपालन, मशरूम उत्पादन और वनोपज आधारित स्वरोजगार अपनाने किया प्रेरित

पद्मेश न्यूज। लांजी। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद अब नक्सल प्रभावित रहे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में मंगलवार 3 नवंबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने अधिकारियों की टीम के साथ ग्राम हरदीडेही, नक्षेझरी, नरपी एवं बोदादलखा का दौरा कर विकास कार्यों की संभावनाओं और ग्रामीणों की जरूरतों का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। गांवों में सड़क, पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के उपलब्ध अवसरों और आजीविका बढ़ाने के उपायों को लेकर भी संवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पशुपालन, मशरूम उत्पादन, वनोपज आधारित व्यवसाय और कृषि से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को पारंपरिक खेती के साथ आजीविका के नए विकल्प अपनाने, स्वरोजगार से जुड़ने और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।

14 दिन में 100 गांवों का भ्रमण करने का लक्ष्य

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को चिह्नित कर अधिकारियों को अगले 14 दिनों के भीतर इन गांवों का भ्रमण करने और ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्ययोजना के तहत 3 नवंबर तक 51 गांवों का भ्रमण पूरा किया जा चुका है। शेष गांवों में भी अधिकारियों की टीमें पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद करेंगी और उनकी जरूरतों के आधार पर विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करेंगी। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि इन गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाकर ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।



जनसुनवाई में पहुंची टेकरी की रेखा, स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने की लगाई गुहार

ऑनलाइन भू-अभिलेख में नाम दर्ज नहीं होने से अटकी योजना की पात्रता, तहसीलदार लांजी को कार्रवाई के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत 3 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन एवं संयुक्त कलेक्टर सुधीर जैन ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लांजी तहसील के ग्राम टेकरी निवासी रेखा रुदंला ने स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ड्रोन सर्वे के प्रथम सर्वेक्षण में खसरा नंबर 22/4, भाग संख्या 5 में उनका नाम दर्ज था, लेकिन वर्तमान में ऑनलाइन भू-अभिलेख में उनका नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इसके चलते उन्हें स्वामित्व योजना का लाभ मिलने में परेशानी हो रही है। आवेदिका के अनुसार, इस समस्या के निराकरण के लिए पूर्व में तहसीलदार लांजी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद पटवारी द्वारा जांच कर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया जा चुका है, लेकिन अब तक भू-अभिलेख में नाम दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इसी समस्या को लेकर रेखा ने जनसुनवाई में पहुंचकर अपने नाम को ऑनलाइन भू-अभिलेख में दर्ज कराने तथा स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए जनसुनवाई में अधिकारियों ने तहसीलदार लांजी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।



पाली एकेडमी में हर्षोल्लास से मनाया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

गीत, भाषण और प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं के जरिए विद्यार्थियों ने प्रदेश की गौरवशाली विरासत एवं बालाघाट की लोक संस्कृति को किया प्रदर्शित

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर बिसोनी स्थित पाली एकेडमी इंस्टीट्यूशन में 3 नवंबर को स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 3 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का प्रस्ताव है। इसी क्रम में महाविद्यालय में आयोजित समारोह में संस्था प्रमुख वंदना वैद्य, प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी, सपोर्टिंग स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत %वंदे मातरम% के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से मध्यप्रदेश गान का गायन कर प्रदेश की गौरवशाली पहचान, संस्कृति एवं अस्मिता के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पूरे परिसर में देशभक्ति और प्रदेश प्रेम का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर संस्था प्रमुख वंदना वैद्य ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना के बाद से निरंतर विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश ने शिक्षा, कृषि, उद्योग, पर्यटन एवं आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने बालाघाट जिले की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जिला प्राकृतिक संपदा, वन संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। यहां खनिज संसाधनों की प्रचुरता और विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आवश्यकता है कि इन संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। समारोह में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने गीत, भाषण एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता के माध्यम से मध्यप्रदेश के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और बालाघाट जिले की लोक संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रदेश की विविधता, समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता की सराहना की गई। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक विरासत और विकास यात्रा को स्मरण करने का अवसर है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रदेश के प्रति गौरव, सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. सी.एस. मेश्राम, के.के. उमरे, आर.एस. नागपुरे, गौरव भंडारकर, कृष्णकली बढ़थरा, प्रज्ञा सोनटेके, उमेद नागभिडे, अजीत बोरकर, बी.सी. पटले, संजय मेश्राम, संतोष बोरकर, योगेश नंदनवार, जी.के. सोनवाने, अभिषेक बागड़े सहित समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा। समारोह का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।



सुरक्षित बचपन अभियान में विद्यार्थियों को दी गई कानूनी जानकारी

गुड टच-बैड टच का अंतर समझाया, लैंगिक अपराधों से बचाव के लिए किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लांजी। बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों और लैंगिक अपराधों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में सुरक्षित बचपन जागरूकता अभियान के तहत संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय लांजी के न्यायाधीश प्रीतम शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं कोटेश्वर ज्ञान पीठ समिति के अध्यक्ष बारेलाल बड़गैया, सचिव विजय रामटेकर एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुखपाल भरें मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती एवं मां सरस्वती के छायाचित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद वाणी वंदना हुई। समिति की ओर से न्यायाधीश प्रीतम शाह का तिलक-वंदन कर शाल एवं श्रीफल भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर न्यायालय के प्रतिनिधि श्री वाहने ने बताया कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012 के तहत विद्यालयों में जागरूकता अभियान एक नवंबर से प्रारंभ किया गया है। यह अभियान चार चरणों में संपन्न होगा। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यायिक एवं कानूनी जानकारी प्रदान कर उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है। मुख्य अतिथि न्यायाधीश प्रीतम शाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनके विधिक अधिकारों की रक्षा के लिए सुरक्षित बचपन अभियान महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से बच्चों को लैंगिक अपराधों, उनके बचाव और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर सरल एवं संवेदनशील तरीके से समझाया। साथ ही कहा कि यदि किसी बच्चे को किसी के व्यवहार या स्पर्श से असहज महसूस होता है अथवा उसके साथ अश्लील हरकत या शोषण जैसी घटना होती है, तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए। इसकी जानकारी तत्काल माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को देनी चाहिए। उन्होंने पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इस कानून के तहत पीड़ित बच्चों की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए विशेष अदालतों की व्यवस्था की गई है। अपराध की गंभीरता के अनुसार दोषियों के लिए सजा और कारावास का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों से सतर्क रहने और किसी भी अनुचित व्यवहार की जानकारी जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी प्राचार्य त्र्यंबक भगत ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश महोदय द्वारा विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और अपराधों के विरुद्ध आवाज उठाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है। इस अवसर पर न्यायालयीन कर्मचारी, आचार्य परिवार एवं बड़ी संख्या में भैया-बहिन उपस्थित रहे।





सम्राट अशोक सेना ने चार ब्लॉक अध्यक्षों की करी नियुक्ति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्राट अशोक सेना सामाजिक संगठन द्वारा चक्रवर्ती सम्राट अशोक के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिलेभर में गांव-गांव पहुंचकर जनसंपर्क किया जा रहा है। संगठन के पदाधिकारी लोगों को सम्राट अशोक के विचारों से अवगत कराने के साथ उन्हें संगठन से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।इसी क्रम में सम्राट अशोक सेना के प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव एवं जिला अध्यक्ष धर्मदीप सूर्यवंशी ने परसवाड़ा ब्लॉक के ग्राम कोसमी, बालाघाट ब्लॉक के ग्राम रवारा, किरनापुर ब्लॉक के ग्राम मुंडेसरा और लांजी ब्लॉक के ग्राम धंसा में पहुंचकर बैठकें आयोजित कीं।बैठकों की शुरुआत मोमबत्ती प्रज्वलित कर बुद्ध वंदना के साथ की गई। इस दौरान तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा के चरणों में पुष्प अर्पित किए गए। वहीं चक्रवर्ती सम्राट अशोक एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर उपस्थितजनों ने क्रमवार माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात स्थानीय लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव का फूल-मालाओं से स्वागत किया।इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए चार ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई। इसमें परसवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में मोहित खोबरागड़े, बालाघाट ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में आदर्श नागदेवे,किरनापुर ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में आदित्य मेश्राम और लांजी ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में सुनील वैद्य को जिम्मेदारी सौंपी गई।कार्यक्रम में जितेंद्र गौतम, संजय पारधी, अंकित पटले सहित बड़ी संख्या में स्थानीय बंधु उपस्थित रहे।



मिलजुलकर सम्राट अशोक के विचारों को जनजन तक पहुचाए-सुखदेव

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय सुखदेव ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर समाज को शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया था। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमें भी अपने मन में शिक्षा, समरसता और बंधुत्व की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि सभी लोग एकजुट होकर सम्राट अशोक के विचारों और आदर्शों को अपनाएं तथा समाज में समानता, भाईचारे और जागरूकता का वातावरण निर्मित करें।

फ्लिपकार्ट कूरियर हब से चोरी हुआ 1.70 लाख का माल जब्त

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। फ्लिपकार्ट कूरियर हब से चोरी हुए करीब 1 लाख 70 हजार रु. के इलेक्ट्रॉनिक सामान को शहर पुलिस ने बरामद कर लिया है. पुलिस ने चोरी गया पैनासोनिक कंपनी का एसी आउटडोर यूनिट और चार टीवी जब्त किए हैं. लेकिन, इस मामले में अज्ञात आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर पुलिस जांच कर रही है.

जानकारी के अनुसार, हिरडामाली निवासी विकास दिगंबर रहांगडाले (28) गोंदिया स्थित फ्लिपकार्ट कूरियर हब में इंचार्ज के पद पर कार्यरत हैं. उसकी शिकायत के अनुसार, 31 अक्टूबर की रात 1 बजे से सुबह 11 बजे के बीच कूरियर हब से अज्ञात चोर ने एक पैनासोनिक एसी आउटडोर यूनिट, सैमसंग कंपनी के तीन 55 इंच टीवी व टीसीएल कंपनी का एक 55 इंच टीवी चोरी कर लिया था. चोरी गए माल की कुल कीमत 1 लाख 70 हजार रु. बताई गई है. इस संबंध में 2 नवंबर को शहर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था. मामले की जांच पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस कर रही थीं. 2 नवंबर को डीबी पथक पुलिस थाना क्षेत्र में गश्त कर रहा था. इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि संजयनगर मुर्री मरघट परिसर में टीवी जैसी सामग्री लावारिस हालत में पड़ी है. पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां चोरी गया पैनासोनिक एसी आउटडोर यूनिट, सैमसंग के तीन 55 इंच टीवी और टीसीएल का एक 55 इंच टीवी मिला. पुलिस ने पंचों की उपस्थिति में जब्ती पंचनामा तैयार कर कुल 1.70 लाख रु. का माल जब्त किया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेशचंद्र शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रवीण बोरकुटे, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक प्रियंका बैस, कवलपालसिंग भाटिया, सुदेश टेंभरे, निशिकांत लोंढासे, कमलेश शहारे, दिनेश बिसेने, सुभाष सोनवाने, अशोक रहांगडाले, मुकेश रावते, प्रमोद शेंडे, सोनू नागपुरे, राकेश बंजारे, अजय बोपचे व राकेश डोंगरवार शामिल थे.



लाठी से वृद्ध पर प्रहार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत सिलेझरी निवासी फिर्यादी विजय लक्ष्मण मेश्राम (65) व 30 वर्षीय आरोपी महिला का जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. इसी बीच फिर्यादी खेत से घर लौटा व अपने भाई को जमीन के हिस्से के बारे में बताया. उसके भाई ने वह बात आरोपी महिला को बताई. जिसके बाद आरोपी महिला घर के आगे आई व फिर्यादी के साथ गालीगलौज कर लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच जहवलदार हुकरे कर रहे हैं.

मोबाइल टावर से 35 हजार की सात बैटरियां चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत श्रीरामनगर में मोबाइल टावर की देखरेख के लिए लगाई गई सात बैटरियां चोरी हो गई. चोरी गई बैटरियों की कुल कीमत 35 हजार रु. बताई गई है. जानकारी के अनुसार, रामनगर के वल्लभभाई वार्ड निवासी फिर्यादी जावेद अब्दुल गफार खान (42) मंगलवार की सुबह करीब 8.30 बजे श्रीरामनगर स्थित टावर की देखरेख के लिए पहुंचे थे. इस दौरान उन्हें टावर पर लगी लीनिएज पावर कंपनी की कुल आठ बैटरियों में से सात बैटरियां गायब मिलीं. जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर ने टावर में लगी 100 एएच क्षमता की सात बैटरियां चोरी कर ली हैं. प्रत्येक बैटरी की कीमत करीब 5 हजार रु. बताई गई है. इस तरह कुल 35 हजार रु. का माल चोरी हुआ है. फिर्यादी शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. जांच पुलिस नायक संजीव चकोले कर रहे हैं.

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के देवलगांव-नवेगांवबांध मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से हाथठेला चालक की मौत हो गई, हादसे में बाइक चालक भी घायल हो गया. घटना भारती बार से देवलगांव के पहले बस स्टॉप के बीच हुई.

जानकारी के अनुसार, नवेगांवबांध निवासी प्रमोद श्रीराम गजबे (31) की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, कवठा निवासी आरोपी दुर्शात गुलाब चौधरी (18) अपनी मोटरसाइकिल से अर्जुनी मोरगांव से नवेगांवबांध की ओर जा रहा था. इसी दौरान उसने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क पर रंगोली का हाथठेला धकेलकर जा रहे व्यक्ति को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में हाथठेला चालक की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक भी घायल हो गया. नवेगांवबांध पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक आव्हाड कर रहे हैं.

बच्चों के पोषण आहार पर सवाल, 1,876 किलो चावल नष्ट

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। तहसील के मुरदाड़ा स्थित जिला परिषद स्कूल में बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बीच खाद्य व औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कार्रवाई की है. कुछ माह पूर्व जांच के बाद सील किए गए 1 क्विंटल 876 किलो निष्कृष्ट चावल को सोमवार, 2 नवंबर को जमीन में दफन कर नष्ट किया गया. इस कार्रवाई के बाद स्कूलों में बच्चों को उपलब्ध कराए जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता और उसकी नियमित जांच को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है. इस कार्रवाई के दौरान अन्न निरीक्षक अधिकारी नानोटे व लांजेवार उपस्थित थे.

जानकारी के अनुसार, मुरदाड़ा जिला परिषद स्कूल में विगत कुछ माह पहले बच्चों के भोजन में एक्सपायरी मिर्च का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया था. इस घटना के बाद अभिभावकों ने बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मुद्दा उठाया था. अभिभावकों का कहना था कि बच्चों को मिलने वाले भोजन में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो. स्कूल में पोषण आहार के लिए आने वाले अनाज और अन्य खाद्य सामग्री की जांच की मांग को लेकर ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष गुहार लगाई थी. इसके साथ ही खाद्य व औषधि प्रशासन से भी शिकायत की गई थी. शिकायतों के बाद संबंधित विभाग की ओर से जांच की गई. इसके बाद निर्धारित कार्रवाई के तहत 2 नवंबर को 1,876 किलो चावल को जमीन में दफन कर नष्ट किया गया.



तहसील कार्यालय की छत जर्जर

कभी भी हो सकता है हादसा - फॉल्स सीलिंग में बड़े-बड़े छेद, लटक रहे हिस्से

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील कार्यालय की जर्जर हालत अब नागरिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गई है. कार्यालय की फॉल्स सीलिंग जगह-जगह से टूट चुकी है. छत में बड़े-बड़े छेद हो गए हैं, कई स्थानों पर सीलिंग के हिस्से लटक रहे हैं, जबकि कहीं लंबी दरारें दिखाई दे रही हैं. इसके बावजूद इसी छत के नीचे अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक रोजाना बैठकर कामकाज कर रहे हैं.

तहसील कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए पहुंचते हैं. ऐसे में जर्जर फॉल्स सीलिंग का कोई हिस्सा अचानक नीचे गिरने से गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है. कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ ही अपने काम के सिलसिले में आने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं.



तहसील कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी भवन की ऐसी स्थिति होने के बावजूद अब तक मरम्मत क्यों नहीं कराई गई, यह सवाल नागरिकों द्वारा उठाया जा रहा है. संबंधित विभाग इस समस्या से अनजान है या मरम्मत की प्रक्रिया लंबित है, इस बारे में भी स्थिति स्पष्ट नहीं है. नागरिकों ने मांग की है कि किसी अप्रिय घटना की प्रतीक्षा किए बिना तत्काल जर्जर फॉल्स सीलिंग की तकनीकी जांच कराई जाए, साथ ही जोखिम वाले हिस्सों की मरम्मत कराकर कार्यालय में आने वाले नागरिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. इस संबंध में तहसीलदार अनिरुद्ध कांबले से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिसाद नहीं मिला. अब देखना होगा कि प्रशासन इस समस्या पर कब संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाता है.

5 नवंबर से स्कूलों में दिवाली की छुट्टियां

23 नवंबर से फिर शुरू होंगी कक्षाएं

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। प्रथम सत्र की परीक्षाएं समाप्त होने के साथ ही विद्यार्थियों को अब दिवाली की छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार है. स्कूल की पढ़ाई से कुछ दिनों की राहत, ननिहाल जाने की खुशी, रिश्तेदारों से मुलाकात और पर्यटन की योजनाओं को लेकर बच्चों में उत्साह का माहौल है. इस वर्ष जिले की शालाओं में 5 से 21 नवंबर 2026 तक दिवाली की छुट्टियां रहेंगी. इसके बाद सोमवार, 23 नवंबर से नियमित कक्षाएं शुरू होंगी.

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 5 से 21 नवंबर तक स्कूलों में अवकाश रहेगा. इस अवधि में रविवार और शासन द्वारा घोषित सार्वजनिक छुट्टियां भी शामिल हैं. छुट्टियों के बाद 23 नवंबर से शैक्षणिक गतिविधियां पूर्ववत शुरू होंगी. दिवाली की छुट्टियां विद्यार्थियों के लिए खुशियों का अवसर होती हैं. कई बच्चों ने ननिहाल जाने, रिश्तेदारों के यहां कुछ दिन बिताने और पर्यटन स्थलों की सैर करने की योजना बनाई है. वहीं घरों में दिवाली के पकवान, आकाशकंदील, रंगोली और सजावट की तैयारियां भी शुरू होंगी. छुट्टियों में दोस्तों के साथ खेलकूद और मौज-मस्ती करने को लेकर भी बच्चे उत्साहित हैं.

किले, पटाखे और फराल का आकर्षण

दिवाली के दौरान बच्चों के लिए मिट्टी के किले बनाना विशेष आकर्षण रहता है. किलों पर मावलों और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमाएं सजाने के साथ दीपों की रोशनी से उन्हें आकर्षक रूप दिया जाता है. पटाखे, मिठाइयां, पारंपरिक फराल और त्योहार के विभिन्न आयोजन बच्चों की खुशियों को दोगुना करेंगे. परीक्षा और पढ़ाई की भागदौड़ के बाद मिलने वाली इस छुट्टी का विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों को भी इंतजार है.

देवरी में धनत्रयोदशी पर सजेगी दिवाली पहाट की संगीतमय महफिल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली के उत्सवी माहौल में संगीत प्रेमियों के लिए दीनबंधु ग्रामीण विकास संस्था, देवरी की ओर से धनत्रयोदशी के अवसर पर भव्य दिवाली पहाट संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. पहाट दिवालीची... साथ सुरेल स्वरांची संकल्पना पर आधारित यह कार्यक्रम शुक्रवार, 6 नवंबर को सुबह 5 बजे तहसील क्रीड़ा संकुल मैदान, चिचगढ़ रोड, देवरी में आयोजित होगा.

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्टार प्रवाह के लोकप्रिय गायन कार्यक्रम मी होणार सुपरस्टार-छोटे उस्ताद-३ फेम मुंबई की प्रतिभाशाली गायिका स्वरा लाड होंगी. अपनी सुरीली आवाज से वे संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगी. इसके अलावा प्रतिभावान गायक गोपाल सालोडकर व यशराज यावले अपनी गायकी से संगीत की महफिल सजाएंगे. संचालन उद्घोषक विजय वाहोकर करेंगे, वहीं रामेश्वर काले, अभिषेक लोखंडे, विशाल पांडे तथा बिरेंद्र गावंडे संगीत की प्रस्तुति में सहयोग देंगे. कार्यक्रम की संकल्पना व संयोजन मित्र परिवार, देवरी के माध्यम से किया गया है. आयोजकों ने क्षेत्र के अधिकाधिक नागरिकों व संगीत प्रेमियों से सुबह की इस सुरमयी महफिल में उपस्थित रहकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील की है.

मोटरसाइकिल एक व्यक्ति से टकराकर हुई अनियंत्रित मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ी-मोतीनाला मार्ग पर सोमवार रात सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मोटरसाइकिल सड़क पर जा रहे एक व्यक्ति से टकरा गई। जिसके बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार के साथ सड़क पर जा रहा व्यक्ति भी घायल हो गया। घायल मोटरसाइकिल सवार सुखलाल पिता नांहुलाल यादव 36 वर्ष ग्राम अंतरचूहा थाना गढ़ी निवासी है। जिसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखलाल यादव अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उनका ससुराल ग्राम हीरापुर गढ़ी में है। बताया गया कि 2 नवंबर को दोपहर में वह मोटरसाइकिल से अपने ससुराल हीरापुर पहुंचे थे। रात करीब 8 बजे भोजन करने के बाद वह मोटरसाइकिल से अपने गांव अंतरचूहा लौट रहे थे।इसी दौरान गढ़ी से मोतीनाला मार्ग पर सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल टकरा गई।जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और सुखलाल यादव मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आईं वहीं टक्कर लगने से दूसरा व्यक्ति भी घायल हो गया। घटना के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए गढ़ी अस्पताल पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सुखलाल यादव को सिविल अस्पताल बैहर रेफर किया गया। बैहर में भी प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भेजा गया। जहां उनका उपचार जारी है।

फसल कर्ज का रास्ता नहीं निकला, किसानों का अनशन जारी

पांच दिन से आंदोलन, चार किसानों ने त्यागा अन्न-जल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा के तहसील में आदिवासी सहकारी संस्था के माध्यम से को-ऑपरेटिव बैंक से फसल कर्ज मिलने की उम्मीद लगाए बैठे करीब 200 किसानों की परेशानी दूर नहीं हो रही है. पिछले चार महीनों से बैंक के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें कर्ज नहीं मिला. आखिरकार किसानों ने आमरण अनशन का रास्ता अपनाया है. पिछले पांच दिनों से आंदोलन जारी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है. वीरेंद्र उइके, संतोष उइके, रमेश मडावी और मुकेश इनवाते इन चार किसानों ने अन्न-जल त्याग आंदोलन शुरू कर दिया है.

तहसील में सालेकसा, पिपरिया, दरेकसा, गोर्रे, लोहारा और मक्काटोला में आदिवासी सहकारी संस्थाएं संचालित हैं. इन संस्थाओं के सदस्यों को को-ऑपरेटिव बैंक के माध्यम से फसल कर्ज दिया जाता है. इनमें से कुछ किसानों पर पुराने फसल कर्ज की बकाया राशि थी. इस वर्ष शासन द्वारा कर्जमाफी किए जाने के बाद किसानों ने पुराने कर्ज माफ होने का हवाला देते हुए नए फसल कर्ज के लिए आवेदन किया. लेकिन, कर्जमाफी का आधिकारिक पत्र बैंक को प्राप्त नहीं होने का कारण बताते हुए अगस्त तक किसानों को कर्ज नहीं दिया गया. इसके बाद जब किसानों ने दोबारा कर्ज की मांग की तो बैंक की ओर से खरीफ सीजन के कर्ज वितरण की समयसीमा समाप्त होने की बात कही गई. अब रबी सीजन में कर्ज देने की बात कही जा रही है. किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन में बैंक से कर्ज नहीं मिलने के कारण उन्हें साहूकारों से उधार लेकर खेती का खर्च उठाना पड़ा. इस वर्ष फसलों पर रोगों का प्रकोप होने से लागत और बढ़ गई है. ऐसे में बैंक से फसल कर्ज मिलने पर उन्हें आर्थिक राहत मिल सकती है.

आंदोलन की जानकारी मिलने पर तहसीलदार नरसय्या कोंडागुर्ले और बैंक प्रबंधक विनोद पटले ने अनशन स्थल पर पहुंचकर किसानों से चर्चा की. उन्होंने बताया कि फिलहाल खरीफ सीजन का कर्ज वितरित करना संभव नहीं है और आगामी रबी सीजन में कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा. अधिकारियों ने किसानों से अनशन वापस लेने की अपील की, लेकिन किसानों ने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है.

दीपावली पर बसों के मनमाने किराए पर लगे लगाम, सुरक्षित सफर की उठी मांग

त्योहारों में यात्रियों की जेब पर पड़ रही अतिरिक्त मार

बसों के संचालन में सुधार के लिए छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। दीपावली के त्योहार पर जहां आम नागरिक अपने परिवार के साथ खुशियां मनाने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जिले में बसों के मनमाने किराए और अव्यवस्थित संचालन को लेकर यात्रियों की परेशानी बढ़ती जा रही है। त्योहार के दौरान बसों में बढ़ते किराए पर अंकुश लगाने और यात्रियों को सुरक्षित व सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर मंगलवार को छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है। नवंबर 2026 को सौंपे गए ज्ञापन में छात्रों ने बताया कि बालाघाट जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन के लिए बसें संचालित हो रही हैं, लेकिन बस संचालकों, ड्राइवरों और कंडक्टरों के मनमाने रवैये से आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बसों के तेज गति से संचालन, चालक-परिचालकों के व्यवहार और नशे जैसी गतिविधियों के बीच बस संचालन को लेकर भी चिंता जताई गई है।छात्रों ने कहा कि जिले में बसों के माध्यम से आम नागरिकों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में बसों का सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन बेहद जरूरी है। त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ही किराए में मनमानी की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ता है।



व्यवस्था में करे सुधार

ज्ञापन में मांग की गई है कि आगामी दीपावली सहित अन्य त्योहारों के दौरान बसों के बढ़ते किराए पर नियंत्रण किया जाए। बसों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुसार सुनिश्चित कराया जाए तथा चालक-परिचालकों के व्यवहार और सुरक्षा व्यवस्था पर भी निगरानी रखी जाए।छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित बसों के किराए में कमी कर यात्रियों को राहत प्रदान की जाए।

त्योहार में सफर बने सुरक्षित और सस्ता

ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के समय आम नागरिकों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में मनमाना किराया और असुरक्षित बस संचालन उनकी परेशानी बढ़ाता है। प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई कर यात्रियों को राहत देने चाहिए।

रायपुर-गोंदिया हाईटेंशन लाइन के लिए 5,300 पेड़ों की कटाई की तैयारी

नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व के कोर और बफर जोन से गुजरेगी लाइन - किसानों और पर्यावरण प्रेमियों ने जताया विरोध

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। एक ओर कर्जत-भीमाशंकर क्षेत्र में विद्युत परियोजना के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर आंदोलन जारी है, वहीं अब रायपुर-गोंदिया के बीच हाईटेंशन विद्युत लाइन बिछाने की तैयारी शुरू हो गई है. इस परियोजना के लिए करीब 5,300 पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है. उल्लेखनीय है कि यह लाइन नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व के कोर और बफर जोन से होकर गुजरेगी. इससे वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास और सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगे हैं. किसानों और पर्यावरण प्रेमियों ने इस परियोजना का विरोध करते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तिरोड़ा स्थित विद्युत परियोजना से रायपुर तक हाईटेंशन विद्युत लाइन का निर्माण किया जाना है. इस परियोजना को शासन की मंजूरी मिल चुकी है. गोंदिया तहसील के डाकणी, पांगडी, किंडगीपार सहित आसपास के कुल 19 गांवों से यह लाइन गुजरेगी. इसके कुछ हिस्से नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व के कोर और बफर क्षेत्र से भी गुजरेंगे. इससे वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है. परियोजना के लिए आधिकारिक तौर पर 5,300 पेड़ों की कटाई प्रस्तावित बताई गई है. जानकारी के अनुसार, नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और राज्य वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है. अब अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्ताव केंद्रीय पर्यावरण मंडल के पास भेजा गया है. वहां से अनुमति मिलते ही निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू किए जाने की तैयारी है. परियोजना का सर्वेक्षण भी पूरा होने की जानकारी है. परियोजना की जानकारी मिलते ही किसानों और पर्यावरण प्रेमियों ने पेड़ों की कटाई तथा वन क्षेत्र से लाइन ले जाने पर आपत्ति जताई है. उन्होंने शासन और प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि पेड़ों की कटाई नहीं रोकी गई तो इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन किया जाएगा.

कोर व बफर क्षेत्र को परियोजना से बाहर रखने की मांग

नवेगांव-नागझिरा टाइगर रिजर्व में बड़ी संख्या में वन्यजीवों का अधिवास है. ऐसे में कोर और बफर क्षेत्र से हाईटेंशन लाइन गुजरने पर उनके प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचने की आशंका है. बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई से पर्यावरण पर भी असर पड़ सकता है. इसलिए पर्यावरण प्रेमियों की मांग है कि वन क्षेत्र को छोड़कर बायपास मार्ग से विद्युत लाइन का निर्माण किया जाए.

हाईटेंशन विद्युत लाइन के निर्माण का विरोध नहीं है, लेकिन इसके लिए बड़े पैमाने पर होने वाली पेड़ों की कटाई स्वीकार्य नहीं है. कोर और बफर क्षेत्र से लाइन ले जाने के बजाय बायपास मार्ग अपनाकर इस क्षेत्रों को परियोजना से बाहर रखा जाए, ऐसा नहीं होने पर तीव्र आंदोलन किया जाएगा.

सावन बहेकार, पर्यावरण प्रेमी

भारत-न्यूजीलैंड पहला एकदिवसीय आज

मैच भारतीय समयानुसार सुबह 7.30 बजे से शुरु होगा

ऑकलैंड। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में उतरेगी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले इस मैच में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी रहेंगी। ये दोनो ही लंबे समय के बाद खेलते दिखेंगे। प्रशंसकों को इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच मे जीत के साथ ही सीरीज की शुरुआत करना रहेगा हालांकि उसकी राह आसान नहीं है क्योंकि भारतीय गेंदबाज पिछले कुछ समय से लय में नहीं दिख रहे हैं। इसके अलावा प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। बुमराह को आगामी टेस्ट सीरीज को देखते हुए आराम दिया गया है। आराम दिया गया है। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं हैं। ऐसे में, अनुभवी मोहम्मद सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, अंशुल कंबोज और औकिब नबी पर ही गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। इसमें से सिराज और अर्शदीप को छोड़ दिया जाये तो बाकि गेंदाबाज अनुभवहीन हैं। इस टेस्ट सीरीज में कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए कई अनुभवी खिलाड़ियों को बारी-बारी से आराम दिया जाएगा क्योंकि इसके बाद उन्हें टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। कप्तान शुभमन गिल ने भी संकेत दिया है कि टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी अ ा ख र ी टेस्ट सीरीज के बीच थोड़ा ज्यादा अंतराल होता तो हम सभी पांच मैच खेलते। लेकिन कम समय को देखते हुए, हमें खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। इसका सीधा असर टीम के संयोजन पर पड़ सकता है।

भारतीय टीम के लिए पांच मैचों की ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अहम मानी जा रही है। इस सीरीज से टीम को अपनी कमजोरियों का पता चलेगा और कहां सुधार की जरुर है। उसका भी अंदाजा होगा। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सात सालों के सूखे को खत्म करना चाहेगी। इसका कारण है कि भारत ने फरवरी, 2019 से न्यूजीलैंड में कोई एकदिवसीय मैच नहीं जीता है।



दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन, कुलदीप यादव और नमन धीर।

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, टॉम लैथम (विकेटकीपर), विल यंग, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, माइकल ब्रेसवेल, जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैथ्यू फिशर, मैट हेनरी, ब्लेयर टिकनर और नाथन स्मिथ।

एकदिवसीय सीरीज में विराट पर रहेंगी नजरें, सहवाग का रिकार्ड टूटना तय

हैमिल्टन। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां मेजबान न्यूजीलैंड खिलाफ एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर रहेंगी। इसका कारण है कि ये 38 साल के विराट का अंतिम न्यूजीलैंड दौरा रहेगा। साल 2027 में खेले जाने वाले एकदिवसीय सीरीज को देखते हुए भी ये दौरा बेहद अहम है। ऐसे में विराट भी इस दौरे में अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास कर विश्वकप के लिए अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। न्यूजीलैंड में कोहली अब तक 13 एकदिवसीय खेलऐ हुए 596 रन बनाए हैं। इस सीरीज में उनके पास पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के 598 रनों के कीर्तिमान को तोड़ने का भी अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल तीन रनों की आवश्यकता है।

विराट का न्यूजीलैंड की पिचों पर पिछला दौरा अच्छा नहीं रहा था, जहां उन्हें कीवी गेंदबाजों के खिलाफ रनों के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाकर अपने आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय प्रारुप में कोहली हमेशा छाये रहे हैं। कीवी टीम के खिलाफ उन्होंने अब तक कुल 36 एकदिवसीय मैच खेले हैं, उन्होंने 57.48 के शानदार औसत से कुल 1897 रन बनाये हैं। । पिछली बनडे सीरीज में भी विराट ने मात्र तीन मैचों में ही 240 रन बनाये थे।

न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम लेती चुनौतीपूर्ण पिचें हमेशा से दुनिया भर के दिग्गज बल्लेबाजों के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हुई हैं। इन कठिन और विदेशी परिस्थितियों में भी विराट का प्रदर्शन काफी काबिले तारीफ रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड की सरजमीं पर अब तक कुल 13 एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 49.66 के मजबूत औसत से 596 रन बनाए हैं।

आईपीएल में करें बदलाव, 94 मैच और नई विंडो बनाये- ललित मोदी

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी ने कहा है टूर्नामेंट को बेहतर बनाने के लिए इसमें कुछ बदलावों की जरुरत है। मोदी ने आईपीएल के मौजूदा स्वरूप में बड़े बदलावों की जरुरत बताते हुए कहा है कि मैचों की संख्या बढ़ाकर 94 करने और लीग की विंडो (समय-सीमा) को मार्च से मई के बजाय अक्टूबर से अप्रैल के बीच रखना चाहिये। इसके साथ ही, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह से भी आग्रह किया है कि वे इस नए कैलेंडर को तैयार करने में सहायता करें, जिससे वैश्विक क्रिकेट संरचना में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ललित ने अपने सुझावों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए याद दिलाया कि जब उन्होंने 2008 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत की थी, तब अप्रैल और मई ही एकमात्र ऐसी विंडो थी जो उपलब्ध थी। उन्होंने उस दौर की चुनौतियों को याद करते हुए कहा, आज आईपीएल बिल्कुल अलग है। अब इसका रूप ही बदल गया है। जब मैंने शुरुआत की थी, तब बहुत विरोध था। मैंने वो समय चुना जिसे कोई नहीं चाहता था और एक ऐसा टूर्नामेंट खड़ा किया जिसे लोग देखना चाहते थे। आज हमें जो सफलता मिल रही है, वो हमें आसानी से नहीं मिली है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उस समय अप्रैल-मई केवल एक उपलब्ध अवसर था, और ऐसा कभी नहीं कहा गया था कि भारतीय क्रिकेट के लिए हमेशा यही सबसे सही महीने होंगे। उनका मानना है कि अब समय बदल गया है और आईपीएल को एक ऐसी विंडो की आवश्यकता है जो इसकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हो। ललित मोदी ने आगे बताया कि आईपीएल की शुरुआत मूलत: आठ टीमों और 59 मैचों के शेड्यूल के साथ हुई थी। बाद में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लीग का सफल विस्तार किया और इसमें दस टीमें शामिल कर दीं। दस टीमों के बीच होम-एंड-अवे फॉर्मेट का मतलब है 90 लीग मैच और चार प्लेऑफ, यानी कुल 94 मैच। यह मूल फॉर्मेट से 35 मैच ज्यादा हैं, यानी लगभग 60 प्रतिशत की एक महत्वपूर्ण बढ़ोतरी। इतने अधिक मैचों को समायोजित करने के लिए निश्चित रूप से एक लंबी और समर्पित विंडो की आवश्यकता होगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बदली-बदली नजर आयेगी भारतीय टीम

वैलिंगटन । भारतीय क्रिकेट टीम अब बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इसमें पहले तीन मैचों में टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं अंतिम दो मैचों में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे।

इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में भी बदलाव नजर आयेगा। अभी तक भारतीय टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पांच टी20 मैचों की सीरीज खेल रही थी। उनकी टीम में शामिल 9 खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में नहीं होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। ये खिलाड़ी हैं वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, संजू सैमसन, प्रिंस यादव, मयंक यादव, भुवनेश्वर कुमार और वरुण चक्रवर्ती। वहीं शुभमन की कप्तानी वाली इस टीम में अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा टीम में ऋतुराज गायकवाड़, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, गुरनूर बराड़ और मोहम्मद सिराज को भी शामिल किया गया है। पांच मैचों के लिए बीसीसीआई दो कप्तान रखें हैं। इसके अलावा अंतिम दो मैचों के लिए टीम में भी बदलाव किया गया है।

पहले एकदिवसीय के लिए एक अलग टीम है। वहीं सरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए अलग टीम है। चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए एक और अलग टीम है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए टीम = शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव शामिल हैं। दूसरे और तीसरे एकदिवसीय के लिए टीम = शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें एकदिवसीय के लिए टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, नमन धीर, ऋतुराज गायकवाड़, अक्षर पटेल, ईशान किशन, कुमार कुशाग्र, आकिब नबी डार, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव। न्यूजीलैंड की पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला एकदिवसीय 4 नवंबर को ऑकलैंड में, दूसरा 7 नवंबर को वेलिंगटन में, तीसरा 10 नवंबर को हैमिल्टन में, चौथा 13 नवंबर को बे ओवल में और पांचवां 15 नवंबर को बे ओवल में खेला जाएगा।

हर्ष दुबे ने 9 विकेट लेकर मध्यप्रदेश को 209 रनों पर समेटा

नागपुर। युवा स्पिनर हर्ष दुबे की घातक गेंदबाजी से विदर्भ ने यहां रणजी ट्रॉफी क्रिकेअ के चौथे दौर के मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम को पहले दिन ही 209 रनों पर आउट कर दिया। इस 24 वर्षीय गेंदबाज हर्ष ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से 9 विकेट लिए और प्रतिस्पर्धी मध्य प्रदेश टीम को केवल 209 रनों पर समेट दिया।

एलीट ग्रुप-ए के इस अहम मुकाबले में, मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर बनाने का फैसला किया पर हर्ष ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हर्ष ने मध्यप्रदेश टीम के मध्य क्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेट दिया। उन्होंने 23.1 ओवर में केवल 53 रन देकर 9 विकेट लिए। यहां तक कि कप्तान रजत पाटीदार और सारांश जैन भी उनका शिकार बने।



यह हर्ष दुबे के प्रथम श्रेणी करियर का सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन है, जिसने उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आंकड़े (नवंबर 2024 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 36 रन देकर 6 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, यह विदर्भ के लिए रणजी ट्रॉफी में किसी भी गेंदबाज द्वारा किया गया अब तक का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी स्पेल भी है।

हालांकि, हर्ष दुबे के ऐतिहासिक बॉलिंग स्पेल के बावजूद, दिन का खेल समाप्त होने तक विदर्भ की टीम भी मुश्किल में घिरती हुई नजर आई। मध्य प्रदेश के 209 रनों के जवाब में, स्टंप्स तक विदर्भ ने अपने चार विकेट केवल 54 रनों पर खो दिए थे। खेल समाप्त होने के समय ध्रुव शोरे 21 रन और कप्तान अक्षय वाडकर 9 रन बनाकर खेल रहे थे। मध्य प्रदेश की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए।

न्यूजीलैंड को झटका, पहले एकदिवसीय से बाहर हुए सलामी बल्लेबाज कॉनवे

हैमिल्टन। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मेजबान न्यूजीलैंड टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। उसके प्रमुख सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे सिर में चोट लगने के कारण पहले मैच से बाहर हो गये हैं। कॉनवे अभ्यास सत्र के दौरान ही अपने साथी खिलाड़ी मैट हेनरी से टकरा गए थे। यह मेजबान टीम के लिए चिंता का कारण है क्योंकि उसके दो खिलाड़ी पहले ही एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ईडन पार्क में अभ्यास के दौरान कॉनवे और हेनरी आपस में टकरा गए थे। इस टक्कर में कॉनवे के सिर में चोट लगी थी जिसके बाद तुरंत उनका इलाज किया और आगे की जांच के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद कॉनवे को कनकशन (सिर की चोट के कारण मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव) की बात कही जिसके बाद उन्हें पहले मैच से बाहर कर दिया गया। ।

वहीं मेजबान टीम के दो अन्य महत्वपूर्ण खिलाड़ी, मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र, पहले ही एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो चुके थे। ऐसे में अब कॉनवे के बाहर होने से उसकी जीत की संभावनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने यह भी कहा है कि कॉनवे और हेनरी दोनों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। साथ ही कहा कि कॉनवे के दूसरे मैच में खेलने पर फैसला अभी नहीं हुआ है।

ट्रेड डील के जरिये पंजाब किंग्स जा सकते हैं हार्दिक पांड्या

मुम्बई । अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आईपीएल के अगले सत्र मे पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। पांड्या को ट्रेडिंग के जरिय पंजाब किंग्स लेने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों फ्रेंचाइजियां इस डील को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में लगी हैं। पांड्या के बदले में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और बल्लेबाज विष्णु विनोद को मुंबई इंडियंस ले सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस ट्रेड पर पंजाब और मुंबई के प्रबंधन सहमत नजर आ रहा है। आईपीएल अधिकारियों की आगामी बैठक में आज, हार्दिक के इस ट्रेड की आधिकारिक पुष्टि इसी सप्ताह हो सकती है। माना जा रहा है कि इस ट्रेड डील की पहल मुंबई इंडियंस ने की है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई ने एक तेज गेंदबाज को टीम में शामिल करने



के लिए पंजाब को पांड्या को ट्रेड करने का प्रस्ताव दिया था। जब यह प्रस्ताव पंजाब किंग्स के सामने आया, तो बदले में अर्शदीप सिंह और विष्णु विनोद को मुंबई भेजने पर बातें हुईं। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को ट्रेड करने के लिए तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों से संपर्क किया था। इनमें से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ भी बातचीत अच्छी रही थी पर इसके बाद भी डील पक्की नहीं हो पायी। वहीं अगर अर्शदीप अगर पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियंस में चले जाते हैं, तो पंजाब टीम में एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जगह खाली होगी। ऐसे में, पंजाब किंग्स की लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ एक और ट्रेड डील होने की संभावना है। इस संभावित डील में लखनऊ के मोहसिन खान और मार्कस स्टोइनिस की अदला-बदली पर विचार किया जा रहा है। हार्दिक को आईपीएल के पिछले सत्र में 16.35 करोड़ की राशि मिली थी, जबकि अर्शदीप सिंह को पंजाब किंग्स ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर दोनों खिलाड़ी नई टीमों में शामिल होते हैं, तो उन्हें कितनी रकम मिलेगी और उनके मौजूदा अनुबंधों का क्या होगा।

आईपीएल में करें बदलाव, 94 मैच और नई विंडो बनाये- ललित मोदी

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी ने कहा है टूर्नामेंट को बेहतर बनाने के लिए इसमें कुछ बदलावों की जरुरत है। मोदी ने आईपीएल के मौजूदा स्वरूप में बड़े बदलावों की जरुरत बताते हुए कहा है कि मैचों की संख्या बढ़ाकर 94 करने और लीग की विंडो (समय-सीमा) को मार्च से मई के बजाय अक्टूबर से अप्रैल के बीच रखना चाहिये। इसके साथ ही, उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह से भी आग्रह किया है कि वे इस नए कैलेंडर को तैयार करने में सहायता करें, जिससे वैश्विक क्रिकेट संरचना में एक बड़ा बदलाव आ सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ललित ने अपने सुझावों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए याद दिलाया कि जब उन्होंने 2008 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत की थी, तब अप्रैल और मई ही एकमात्र ऐसी विंडो थी जो उपलब्ध थी। उन्होंने उस दौर की चुनौतियों को याद करते हुए कहा, आज आईपीएल बिल्कुल अलग है। अब इसका रूप ही बदल गया है। जब मैंने शुरुआत की थी, तब बहुत विरोध था। मैंने वो समय चुना जिसे कोई नहीं चाहता था और एक ऐसा टूर्नामेंट खड़ा किया जिसे लोग देखना चाहते थे। आज हमें जो सफलता मिल रही है, वो हमें आसानी से नहीं मिली है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उस समय अप्रैल-मई केवल एक उपलब्ध अवसर था, और ऐसा कभी नहीं कहा गया था कि भारतीय क्रिकेट के लिए हमेशा यही सबसे सही महीने होंगे। उनका मानना है कि अब समय बदल गया है और आईपीएल को एक ऐसी विंडो की आवश्यकता है जो इसकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हो। ललित मोदी ने आगे बताया कि आईपीएल की शुरुआत मूलत: आठ टीमों और 59 मैचों के शेड्यूल के साथ हुई थी। बाद में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लीग का सफल विस्तार किया और इसमें दस टीमें शामिल कर दीं। दस टीमों के बीच होम-एंड-अवे फॉर्मेट का मतलब है 90 लीग मैच और चार प्लेऑफ, यानी कुल 94 मैच।

प्रेमा ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रेमा ने हैदराबाद के खिलाफ केवल 14 गेंदों में तेजी से 50 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली खिलाड़ी बन गयीं। प्रेमा ने ये रन भारतीय सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए बनाये। वहीं अब तक सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड पाकिस्तानी खिलाड़ी फातिमा सना के नाम था। सना ने 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। हालांकि महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अभी भी सना के नाम ही है क्योंकि प्रेमा ने जो रिकार्ड बनाया है। वह घरेलू क्रिकेट का है। प्रेमा ने पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने अपनी 14 गेंदों की पारी में 6 शानदार चौके और 4 छक्के लगाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 357 का रहा।

न्यूजीलैंड सीरीज में रोहित बना सकते है कई बड़े रिकार्ड

हैमिल्टन। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम कर सकते हैं। पहला मैच ऑकलैंड के ईडन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड पहले से ही अपने नाम कर चुके हैं, जिसमें उनके 381 छक्के शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ यदि वह 19 और छक्के लगा देते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में 400 छक्के पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 21,000 रन पूरे करने के लिए रोहित को इस सीरीज में 348 रन की जरुरत है। उन्होंने अपने 517 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अब तक 20,652 रन बनाए हैं। यदि वह यह

आंकड़ा हासिल कर लेते हैं, तो वह भारत के लिए सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ के बाद 21 हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। यह उन्हें भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों की सूची में और ऊपर ले जाएगा।

तीसरा महत्वपूर्ण रिकॉर्ड एसीएएए (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में 5,000 रन पूरे करने से जुड़ा है। इन चार कठिन क्रिकेटिंग राष्ट्रों में उन्होंने कुल 4,964 रन बनाए हैं। सिर्फ 36 रन और बनाते ही वह पहले एकदिवसीय मैच में ही 5,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं। यह आंकड़ा इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी निरंतरता और अनुकूलन क्षमता को दिखाता है।वहीं

आखिरी और महत्वपूर्ण रिकॉर्ड यह है कि रोहित शर्मा अब तक अपने एकदिवसी अंतर्राष्ट्रीय करियर में 98 बार 50 या उससे अधिक का स्कोर कर चुके हैं। यदि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में दो और अर्धशतक लगा देते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट में 50 से अधिक रन बनाने का शतक पूरा कर लेंगे। यदि रोहित ऐसा कर पाए, तो वह दुनिया में 100 अर्धशतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज होंगे, जिससे उनका नाम क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों की सूची में और मजबूत हो जाएगा।

अब दूसरे टेस्ट के आधार पर होगा फैसला

ऋषभ न्यूजीलैंड दौरे के लिए हुए फिटनेस टेस्ट में असफल रहे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की खेल में वापसी टल सकती है। इसका कारण है कि ऋषभ न्यूजीलैंड दौरे के लिए हुए पहले फिटनेस टेस्ट में असफल रहे हैं। उनका ये टेस्ट बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हुआ। अब उन्हें एक और फिटनेस टेस्ट देने का अवसर मिलेगा। इसके आधार पर ही तय होगा कि वह दौरे पर जाएंगे या नहीं। अगर वह इस बार टेस्ट में फेल होते हैं तो वह दौरे पर नहीं जा सकेंगे।

वह अक्टूबर की शुरुआत में ईरानी कप मैच के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव (साइड स्ट्रेन) की समस्या से जूझ रहे हैं। इस चोट के बाद, वह 23 अक्टूबर से ही सीओई में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। अब उनकी फिटनेस ही तय करेगी कि वह न्यूजीलैंड दौरे पर जा पाएंगे या नहीं। अगर वह दूसरे फिटनेस टेस्ट में फिट घोषित होते हैं, तो वह टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे चार-

दिवसीय मैच में इंडिया ए टीम से जुड़ जाएंगे, जो 7 नवंबर को लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद, भारतीय टीम का पहला टेस्ट मैच 19 नवंबर को वेलिंगटन में शुरू होगा, जिसके लिए उनकी मौजूदगी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गौरतलब है कि 12 अक्टूबर को जब इस क्रिकेटर के पहली बार चोटिल होकर बाहर होने की पुष्टि हुई थी, तब चयनकर्ताओं ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया था। हालांकि, उन मैचों में कुशाग्र नहीं खेले और टीम के कप्तान ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली, जो मुख्य टेस्ट टीम का भी हिस्सा हैं। चयनकर्ताओं ने पंत को इंडिया ए टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भी चुना था, लेकिन वह स्पष्ट कर दिया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर ही निर्भर करेगा। यही वजह है कि उन्हें इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शुरुआती दो मैचों से बाहर रखा गया था। इस बीच, भारतीय टीम के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रविवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं और उनके इंडिया ए के लिए तीसरा चार-दिवसीय मैच खेलने की उम्मीद है।

चार माह से जेल में सरपंच, बिना मुखिया के चल रही ग्राम पंचायत प्रतापपुर

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले की एक ग्राम पंचायत ऐसी भी है, जहां बीते चार माह से सरपंच के जेल में बंद होने के कारण पंचायत का कामकाज प्रभावित हो रहा है। ग्राम पंचायत प्रतापपुर में सरपंच का पद व्यवहारिक रूप से खाली पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्य बाधित हो रहे हैं, मजदूरों को भुगतान नहीं मिल पा रहा है और ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इस गंभीर स्थिति को लेकर ग्रामवासियों ने अब जनसुनवाई में आवेदन देकर प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम पंचायत प्रतापपुर में जल्द से जल्द किसी निर्वाचित वार्ड पंच को प्रभारी सरपंच का दायित्व सौंपा जाए, ताकि पंचायत के रुके हुए कार्य शुरू हो सकें और आमजन को राहत मिल सके।



चार माह से जेल में बंद हैं सरपंच

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत प्रतापपुर के सरपंच राजेश सिरसाम, पिता हिंदेरसिंह सिरसाम, लामता के समीप राघव टोला में माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना के प्लांट में आगजनी के आरोप से जुड़े आपराधिक मामले में पिछले करीब चार माह से बालाघाट जेल में बंद हैं। सरपंच की अनुपस्थिति के चलते पंचायत के दैनिक कामकाज और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ने की बात ग्रामीणों ने अपने आवेदन में कही है ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच के जेल में रहने के कारण पंचायत के कार्यों को आगे बढ़ाने में दिक्कतें आ रही हैं। गांव में विकास कार्य प्रभावित होने के साथ ही आमजन को विभिन्न कार्यों के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मजदूरों का भुगतान भी अटका हुआ है, जिससे उनके सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो रही है।

जनसुनवाई में पहुंचकर रखी समस्या

ग्राम पंचायत प्रतापपुर के समस्त ग्रामवासियों की ओर से 3 नवंबर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुँचकर ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।ज्ञापन में ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरपंच के जेल में बंद रहने के कारण पंचायत के समस्त विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। गांव के लोगों को पंचायत की योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द निर्णय लिया जाए, जिससे पंचायत का कामकाज सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पंच को प्रभार सौंपने की मांग

ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि ग्राम पंचायत प्रतापपुर में किसी निर्वाचित वार्ड पंच को प्रभारी सरपंच नियुक्त किया जाए। उनका कहना है कि पंचायत के कामकाज को लंबे समय तक प्रभावित नहीं रहने दिया जा सकता। गांव के विकास कार्यों, मजदूरों के भुगतान और आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए पंचायत में जिम्मेदार व्यक्ति का होना आवश्यक है ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द प्रभारी सरपंच की नियुक्ति कर पंचायत के रुके हुए कार्यों को गति देने की मांग की है।

धापेवाड़ा के पास ट्रेन ने ली मादा भालू की जान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। बालाघाट-समनापुर रेलखंड पर वन्यप्राणियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। धापेवाड़ा के सोनबीरी नाले के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक मादा भालू की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि भालू का सिर धड़ से अलग हो गया। रेलवे ट्रैक पर वन्यप्राणी की मौत की इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण और रेलखंडों पर उनकी सुरक्षित आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाघाट-समनापुर रेलखंड पर धापेवाड़ा के सोनबीरी नाले के समीप एक मादा भालू ट्रेन की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि भालू का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विकास निगम लामता का अमला मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मादा भालू किस ट्रेन की चपेट में आई और हादसा रात के किस समय हुआ।

वन्यजीवों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

बालाघाट जिले के वन क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले रेलखंड वन्यप्राणियों की आवाजाही के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं। जंगलों से सटे रेलवे ट्रैक पर वन्यजीवों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में ट्रेन की चपेट में आने से मादा भालू की मौत ने वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।सवाल यह है कि वन क्षेत्रों से गुजरने वाले रेलखंडों पर वन्यप्राणियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए क्या पर्याप्त इंतजाम हैं? वन्यजीवों की लगातार बढ़ती आवाजाही के बीच रेलवे और वन विभाग के बीच समन्वय तथा संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग ने कराया अंतिम संस्कार- राजेन्द्र

यह क्षेत्र वन विकास निगम लामता के अंतर्गत आता है। वन विकास निगम लामता के परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र जारगे ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से मादा भालू की मौत हुई है। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई थी। अधिकारियों के निर्देशानुसार मृत भालू का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद नियमानुसार उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दीपावली पर कर्मचारियों के घरों में अंधेरा, तीन माह से वेतन नहीं

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। दीपावली के पर्व पर जहां हर घर में खुशियों के दीप जलाने की तैयारी हो रही है, वहीं जिले के 104 गांवों में जल प्रदाय योजना में कार्यरत कर्मचारियों के घरों में आर्थिक संकट का अंधेरा छाया हुआ है। तीन माह से वेतन नहीं मिलने के कारण परिवारों के भरण-पोषण की चिंता से जूझ रहे कर्मचारियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में अपनी पीड़ा सुनाई। कर्मचारियों का आरोप है कि रीएन वाटरटेक प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत संचालित भटेरा, पिपरझरी, खुटी और देवसरा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन के लिए परेशान होना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि पिछले दो दिनों से संबंधित प्लांट बंद पड़े हैं और करीब 104 गांवों में पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है।कर्मचारियों ने प्रशासन से बकाया वेतन का भुगतान कराने, स्थायी नियुक्ति देने और वैधानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर भी तीन माह का वेतन नहीं मिलने से परिवारों की खुशियां फीकी पड़ गई हैं।

आठ साल की सेवा, फिर भी वेतन के लिए संघर्ष

कर्मचारियों के अनुसार वे वर्ष 2018 से लगातार चारों ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजनाओं में सेवाएं दे रहे हैं। करीब आठ वर्षों तक काम करने के बावजूद उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं कर रहा है, जिसके कारण आर्थिक परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।3 माह से वेतन नहीं मिलने के कारण परिवारों के दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई और त्योहार की तैयारियों पर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने मांग की कि अक्टूबर 2026 तक का संपूर्ण बकाया वेतन भुगतान कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नकद वेतन पाने वाले और बैंक खाते के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारियों को एक



साथ बकाया राशि दी जाए।

दो दिन से बंद प्लांट, 104 गांवों पर पेयजल संकट

वेतन भुगतान का विवाद अब केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह गया है। कर्मचारियों ने शिकायत में बताया कि पिछले दो दिनों से संबंधित जल प्रदाय योजनाओं के प्लांट बंद हैं। इसके चलते करीब 104 गांवों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित है।उन्होंने बताया कि ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से अनेक गांवों में पानी पहुंचाया जाता है। ऐसे में प्लांट बंद रहने से ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो सकता है। कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की कि वेतन संबंधी विवाद का शीघ्र समाधान कर जल प्रदाय योजनाओं का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि दीपावली के दौरान ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान न होना पड़े।जहां उन्होंने एकसाथ पूर्ण भुगतान ना होने पर जल सप्लाई का कार्य बंद रखे जाने की भी चेतावनी दी है।

आठ साल से काम, फिर भी अकुशल-अर्धकुशल श्रेणी

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 से लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें अकुशल और अर्धकुशल श्रेणी में ही रखा गया है। उन्होंने कार्य अनुभव और जिम्मेदारियों के आधार पर श्रेणी सुधार करने की मांग की है। इसके साथ ही स्थायी नियुक्ति और नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग भी उठाई गई है।कर्मचारियों का कहना है कि इतने लंबे समय तक सेवाएं देने के बाद भी नौकरी की सुरक्षा नहीं मिलने से उनका भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप कर उचित निर्णय लेने की अपील की है।

ईपीएफ-ईएसआई और बैंक खाते में वेतन की मांग

जनसुनवाई में कर्मचारियों ने ईपीएफ, ईएसआई, पहचान पत्र और नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को नियमानुसार मिलने वाली वैधानिक सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।इसके अलावा नकद वेतन भुगतान की व्यवस्था समाप्त कर सभी कर्मचारियों के बैंक खातों में प्रत्येक माह निर्धारित तिथि पर वेतन हस्तांतरित करने की मांग की गई। कर्मचारियों के अनुसार बैंक के माध्यम से भुगतान होने से पारदर्शिता रहेगी और समय पर वेतन मिलने का रिकॉर्ड भी उपलब्ध होगा।

एक नवंबर से अनशन, प्रशासन से कार्रवाई की गुहार

कर्मचारियों ने आवेदन में बताया कि अपनी मांगों को लेकर एक नवंबर 2026 से अनशन जारी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन जारी रहेगा।कर्मचारियों ने जिला प्रशासन से कंपनी प्रबंधन के साथ चर्चा कर बकाया वेतन का भुगतान कराने और अन्य समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है। अब देखना होगा कि दीपावली के इस पर्व पर कर्मचारियों के घरों में खुशियां लौटाने और 104 गांवों की पेयजल व्यवस्था सुचारू करने के लिए प्रशासन क्या कदम उठाता है।

दिवाली पर खाद्य सुरक्षा विभाग की विशेष मुहिम, 10.90 लाख का असुरक्षित खाद्य भंडार जब्त

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दिवाली एवं त्योहारी सीजन में नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, गोंदिया द्वारा जिले में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान 65 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। इसमें करीब 10 लाख 90 हजार रुपये मूल्य का 4,685 किलो से अधिक अप्रमाणित एवं असुरक्षित खाद्य भंडार जब्त किया गया। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वाले 9 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत चलाए गए इस अभियान में 36 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए, जबकि 6 मामलों में समझौता कार्रवाई करते हुए 73 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। जांच के दौरान खाद्य पदार्थों के 55 नमूने विश्लेषण के लिए लिए गए हैं। इनमें से कुछ नमूनों की रिपोर्ट अभी लंबित है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घर से फटाल बेचने वालों के लिए भी सख्त पंजीयन अनिवार्य

दिवाली के दौरान महिला बचत समूहों, गृह उद्योगों और व्यक्तिगत विक्रेताओं द्वारा चकली, चिवड़ा, लड्डू, शंकरपाले, करंजी सहित विभिन्न फराल पदार्थों की बिक्री की जाती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू स्तर पर खाद्य पदार्थ तैयार कर दुकानों, ऑर्डर अथवा सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों से बेचने वालों पर भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम लागू होता है। इसके तहत प्रत्येक घरेलू फराल विक्रेता के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) में पंजीयन अथवा आवश्यक लाइसेंस लेना अनिवार्य है। । अप्रैल 2026 से छोटे खाद्य कारोबारियों के लिए पंजीयन की वार्षिक कारोबार सीमा बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये तक कर दी गई है। इससे अधिक कारोबार होने पर निर्धारित सीमा के अनुसार राज्य अथवा केंद्रीय लाइसेंस लेना आवश्यक होगा। इसके लिए खाद्य पदार्थों के 55 नमूने विश्लेषण के लिए लिए गए हैं। इनमें से कुछ नमूनों की रिपोर्ट अभी लंबित है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घर से फटाल बेचने वालों के लिए भी सख्त्ह पंजीयन अनिवार्य

दिवाली के दौरान महिला बचत समूहों, गृह उद्योगों और व्यक्तिगत विक्रेताओं द्वारा चकली, फराल पदार्थों की बिक्री की जाती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू स्तर पर खाद्य पदार्थ तैयार कर दुकानों, ऑर्डर अथवा सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों से बेचने वालों पर भी खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम लागू होता है। इसके तहत प्रत्येक घरेलू फराल विक्रेता के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (खस्त्रड्ड) में पंजीयन अथवा आवश्यक लाइसेंस लेना अनिवार्य है। । अप्रैल 2026 से छोटे खाद्य कारोबारियों के लिए पंजीयन की वार्षिक कारोबार सीमा बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये तक कर दी गई है। इससे अधिक कारोबार होने पर निर्धारित सीमा के अनुसार राज्य अथवा केंद्रीय लाइसेंस लेना आवश्यक होगा। इसके लिए खस्त्रड्ड के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। फराल के पैकेट पर उत्पाद का नाम, निर्माता का नाम एवं पता, खस्त्रड्ड पंजीयन या लाइसेंस नंबर, उत्पादन तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि, सामग्री की सूची और कुल वजन अंकित करना अनिवार्य है। ऑनलाइन बिक्री के विज्ञापनों में भी लाइसेंस नंबर प्रदर्शित करना आवश्यक है।

खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता और गुणवत्ता के नियमों का पालन करने की हिदायत

चकली, चिवड़ा, नमकीन एवं मिठाई निर्माताओं के साथ खाद्य तेल की री-पैकिंग करने वाले कारोबारियों को कच्चा माल केवल लाइसेंसधारी विक्रेताओं से खरीदने की सलाह दी गई है। तलने के लिए तेल का बार-बार इस्तेमाल करने से बचने, कच्चे एवं तैयार खाद्य पदार्थों को स्वच्छ, हवादार और कीटाणुमुक्त स्थान पर रखने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य पदार्थों को संभालने वाले कर्मचारियों के लिए साफ कपड़े, एप्रन, हेयरनेट, मास्क और दस्ताने पहनना आवश्यक है। उत्पादन परिसर, बर्तनों और मशीनों की नियमित सफाई करने, पैकबंद खाद्य पदार्थों पर आवश्यक लेबल लगाने तथा प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल नहीं करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा वैध खस्त्रड्ड लाइसेंस अथवा पंजीयन प्रमाणपत्र देसी जगह प्रदर्शित करना होगा, जहां ग्राहकों को आसानी से दिखाई दे। कच्चे माल की खरीद की रसीदें, पानी की जांच रिपोर्ट और कीट नियंत्रण से संबंधित रिकॉर्ड भी अद्यतन रखना अनिवार्य है।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कठोर कार्रवाई

बिना लाइसेंस कारोबार करने, सुधार नोटिस के बावजूद कमियां दूर नहीं करने तथा घटिया या असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें लाइसेंस निलंबित या रद्द करना, खाद्य सामग्री जब्त कर नियमानुसार नष्ट करना, जुर्माना लगाना और न्यायालय में मुकदमा दर्ज करना शामिल है। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ और भी कठोर कार्रवाई की चेतावनी प्रशासन ने दी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि फराल एवं अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय पैकेट पर अंकित खस्त्रड्ड नंबर, उत्पादन तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि अवश्य जांचें। नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले खाद्य कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में नियमित और आकस्मिक जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। यह जानकारी सहायक आयुक्त (खाद्य), खाद्य एवं औषधि प्रशासन, गोंदिया द्वारा दी गई।

अंधेरे में झोले के भीतर जिंदगी से जूझ रही थी मासूम, रोने की आवाज बनी जीवन की उम्मीद; लांजी में मिली नवजात बालिका

लांजी। रात का अंधेरा, सड़क किनारे पड़ा एक झोला और उसके भीतर जिंदगी की पहली सांसों के साथ संघर्ष करती एक नन्ही सी मासूम... उसे शायद यह भी नहीं पता था कि दुनिया में आते ही उसे इस तरह अकेला छोड़ दिया जाएगा। लेकिन उसकी रोने की आवाज एक महिला के कानों तक पहुंची और यही आवाज उसके जीवन की उम्मीद बन गई। नगर के वार्ड क्रमांक 10 में मंगलवार रात करीब 8:16 बजे झोले में मिली नवजात बालिका को 35 वर्षीय कविता उर्फ गीता सोनवाने की संवेदनशीलता और तत्परता से समय रहते सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, रेस्टोरेंट में काम करने वाली कविता उर्फ गीता सोनवाने अपने काम पर जा रही थीं। इसी दौरान उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास तलाश करने पर एक झोले में नवजात बालिका दिखाई दी। उन्होंने अपनी सहयोगी महिला के साथ बच्ची को घर ले जाकर साफ-सफाई की और उसे दूध पिलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल बच्ची को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया, जहां उसे मेटरनिटी कक्ष में भर्ती कर चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है।

रायपुर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतियोगिता में जिले के 15 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर कुल 29 पदक अपने नाम किए। इनमें 12 स्वर्ण, 12 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर मध्यप्रदेश की टीम ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।मध्य प्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन तथा छत्तीसगढ़ शुतो कान स्पोर्ट्स कराटे-डू इंडिया एसोसिएशन के तत्वावधान में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रायपुर में 5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर जिला एसोसिएशन के अध्यक्ष शिहान ईशांत महंत के नेतृत्व में ग्राम चंदखुरी स्थित कौशल्या भवन में किया गया। इसमें झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने अपने-अपने राज्य एवं जिले का प्रतिनिधित्व किया।प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवं कटंगी युवा समन्वयक संतोष पारधी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बालाघाट जिले के 15 खिलाड़ियों ने एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में तथा कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी एवं सहायक प्रशिक्षक शुभम मानेश्वर के नेतृत्व में मध्यप्रदेश राज्य



का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में बालाघाट के खिलाड़ियों ने कराटे की दोनों विधाओं काता एवं कुमिते में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अर्जित किए। खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन में डाली माहुरकर ने एक स्वर्ण एवं एक रजत, नेहा झाड़े ने दो रजत, रिया राकेसिया ने एक स्वर्ण एवं एक रजत, ईशा अग्रवाल ने एक रजत एवं एक कांस्य, चार्वी बोपचे ने दो स्वर्ण, नीमा बैनी बंगड़े ने एक रजत एवं एक कांस्य तथा तनीषा बंगड़े ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक हासिल किया।इसी तरह शिवम बावनकर ने एक रजत, मान्या करंचे ने दो स्वर्ण, आराध्या धुवारे ने दो रजत, प्रज्ञा यादव ने एक स्वर्ण एवं एक कांस्य, रिहान गंगभोजे ने दो रजत, काव्य राणा ने एक स्वर्ण एवं एक कांस्य, एंजेल कांबरे ने एक स्वर्ण एवं एक कांस्य तथा अक्षरा पाचे ने एक स्वर्ण एवं एक रजत पदक अर्जित कर जिले को गौरवान्वित किया।

खिलाड़ियों को मिल रही बधाइयां

बालाघाट के खिलाड़ियों की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर संस्था के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता सोनकर, राजेंद्र बले, सौरभ सिंह ठाकुर, संजू मेश्राम, उर्वशी चौधरी, विनीता उईके, विनोद कुमार नागपुरे, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा एवं खेल विभाग के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।इसके अलावा एमएल भलाई, प्रधान पाठक कटंगी बिरसोला स्कूल, प्राचार्य इंद्रावती पटेल एवं क्रीड़ा प्रभारी राकेश तुरकर ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मत्स्याखेट शुरू होते ही सहकारी समिति में घमासान, निष्कासित सदस्यों पर हस्तक्षेप का आरोप

संयुक्त पंजीयक के आदेश के बाद एक नवंबर से तालाबों में मछली पकड़ने का काम शुरू, विपक्ष बोला- शासन-प्रशासन को गुमराह कर रहे पदाधिकारी, आरोपों को बताया झूठा, दोनों पक्षों ने कलेक्ट्रेट में सौंपे ज्ञापन, वैधानिक कार्यवाही की करी मांग

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। प्राथमिक मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट के संचालन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर संभाग के आदेश के बाद एक नवंबर से तालाबों में मत्स्याखेट का कार्य शुरू होते ही समिति के भीतर टकराव की स्थिति निर्मित हो गई है। समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सदस्यों ने निष्कासित और अकार्यशील सदस्यों पर समिति के कामकाज में हस्तक्षेप करने, विवाद उत्पन्न करने और अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए हैं। वहीं, विपक्ष ने समिति पदाधिकारियों के आरोपों को झूठा बताते हुए शासन-प्रशासन को गुमराह करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को दोनों पक्षों ने कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर अपने-अपने पक्ष में वैधानिक कार्रवाई की मांग की। ऐसे में मत्स्याखेट शुरू होने के साथ ही समिति का विवाद अब प्रशासनिक स्तर पर पहुंच गया है।

संयुक्त पंजीयक के आदेश के बाद शुरू हुआ मत्स्याखेट

समिति के पदाधिकारियों के अनुसार वर्ष 2023 से समिति का संचालन प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारी संस्थाएं, बालाघाट के माध्यम से किया जा रहा था। इस दौरान उपायुक्त सहकारी संस्थाएं द्वारा पारित आदेश को समिति ने नियमों के विपरीत बताते हुए संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जबलपुर संभाग के समक्ष चुनौती दी थी। समिति का दावा है कि 27 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश में उसकी अपील स्वीकार करते हुए पूर्व आदेश को अमान्य कर दिया था।समिति ने दावा किया कि संयुक्त पंजीयक के आदेश के बाद संबंधित विभागों एवं पुलिस अधिकारियों को आदेश की प्रतियां उपलब्ध कराई गईं और एक नवंबर से समिति के अधीनस्थ तालाबों में मत्स्याखेट का कार्य शुरू कर दिया गया। लेकिन काम शुरू होते ही कुछ पूर्व सदस्यों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। समिति ने प्रशासन से आदेश के अनुरूप अपने संचालन में अनावश्यक हस्तक्षेप रोकने की मांग की है।

18 सदस्यों के निष्कासन का मामला फिर गरमाया

समिति की शिकायत में सुदर्शन गंगापारे, अनिल मानकर सहित अन्य लोगों के नामों का उल्लेख किया गया है। आवेदन के अनुसार पूर्व में आमा तालाब, भटेरा में गतिविधियों के दौरान अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत संबंधित विभाग और पुलिस थाने में की गई थी। समिति का कहना है कि सहकारिता विभाग द्वारा एक मार्च 2024 को संबंधित सदस्यों के निष्कासन से जुड़ा आदेश पारित किया गया था।समिति ने आवेदन में दावा किया है कि कुल 18 सदस्य निष्कासित हैं। इसके बावजूद संबंधित



लोग समिति के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं और विवाद की स्थिति पैदा कर रहे हैं। पदाधिकारियों का आरोप है कि मत्स्याखेट शुरू होने के बाद समिति के सदस्यों के साथ विवाद करने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

शिकायतों के जरिए दबाव बनाने का आरोप

समिति पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सुदर्शन गंगापारे, अनिल मानकर एवं अन्य लोग सहकारिता विभाग में लगातार आवेदन देकर समिति पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। समिति का दावा है कि मत्स्याखेट का कार्य शुरू होने के बाद विवाद की स्थिति निर्मित करने की कोशिश की जा रही है।आवेदन में महिलाओं को सामने लाकर समिति के सदस्यों को झूठे मामलों में फंसाने की आशंका भी जताई गई है।

सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर भी उठाए सवाल

समिति ने उपायुक्त सहकारी संस्थाएं, बालाघाट की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि संयुक्त पंजीयक के आदेश के बावजूद निष्कासित बताए जा रहे सदस्यों की शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय समिति को बार-बार नोटिस जारी किए जा रहे हैं।समिति पदाधिकारियों ने आशंका जताई कि अधिकारियों पर दबाव के चलते ऐसी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और नियमों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

विपक्ष ने आरोपों को बताया झूठा, पदाधिकारियों पर गुमराह करने का आरोप

दूसरी ओर, समिति के विरोधी पक्ष एवं स्वयं को समिति का स्थाई सदस्य बताने वाले ने सुदर्शन गंगापारे ने अन्य पदाधिकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों को झूठा और भ्रामक बताया है। विपक्ष का कहना है कि समिति के पदाधिकारी शासन-प्रशासन को गुमराह कर रहे हैं तथा पूरे मामले को एकतरफा तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं।विपक्ष ने समिति के पदाधिकारियों के आरोपों पर सवाल उठाते हुए अपने पक्ष में भी वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि समिति के संचालन और मत्स्याखेट को लेकर वास्तविक स्थिति को निष्पक्ष जांच होना चाहिए, ताकि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो।विपक्ष ने भी मंगलवार को कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपकर अपना पक्ष रखा।

दोनों पक्षों ने कलेक्टर से मांगी वैधानिक कार्रवाई

प्राथमिक मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट के कार्यवाहक अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सदस्यों ने कलेक्टर से मांग की है कि समिति के संचालन में बाधा उत्पन्न करने और विवाद की स्थिति पैदा करने के आरोपों की जांच कराई जाए। जांच में आरोप प्रमाणित होने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए।वहीं, विपक्ष ने भी अपने ज्ञापन के माध्यम से समिति पदाधिकारियों के आरोपों को गलत बताते हुए ज्ञापन सौंपकर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से मत्स्याखेट का विवाद और गहरा गया है।अब प्रशासन के सामने दोनों पक्षों के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की चुनौती है। समिति का कहना है कि संयुक्त पंजीयक के आदेश के अनुरूप मत्स्याखेट का संचालन सुनिश्चित किया जाए, जबकि विपक्ष पदाधिकारियों के दावों पर सवाल उठा रहा है। ऐसे में प्रशासनिक कार्रवाई और जांच के बाद ही विवाद की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

बालाघाट
बुधवार 04 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पूजा गांधी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कराने फिर कोतवाली पहुंचीं विधायक अनुभा मुंजारे, दो घंटे इंतजार के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

देवर और ससुर पर मारपीट का आरोप लगाने वाली महिला को लेकर थाने पहुंचीं बालाघाट विधायक, थाना प्रभारी के कक्ष में इंतजार के बाद लौटना पड़ा बैरंग, विधायक ने पुलिस पर सत्ता के दबाव में काम करने का लगाया आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में पूजा गांधी से जुड़े पारिवारिक विवाद का मामला एक बार फिर कोतवाली थाने पहुंच गया। इस बार पूजा गांधी अकेले नहीं, बल्कि उनके साथ बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भी मौजूद रहीं। पूजा गांधी ने अपने देवर और ससुर के खिलाफ मारपीट की शिकायत पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने की बात विधायक के सामने रखी थी। उनका कहना था कि लगातार शिकायत और मदद की गुहार लगाने के बावजूद उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसके बाद विधायक अनुभा मुंजारे ने महिला की शिकायत पर पुलिस से कार्रवाई कराने के उद्देश्य से स्वयं थाने पहुंचने का निर्णय लिया। मंगलवार को विधायक अपने समर्थकों और कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पूजा गांधी को लेकर कोतवाली पहुंचीं, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों के समक्ष पूरे मामले को रखते हुए शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

कोतवाली पहुंचने के बाद विधायक अनुभा मुंजारे, पूजा गांधी और उनके साथ पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को थाना प्रभारी के कक्ष में बैठकर इंतजार करना पड़ा। यह इंतजार कुछ मिनटों का नहीं, बल्कि करीब दो घंटे तक चला। इस दौरान महिला की शिकायत और उसके द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर पुलिस स्तर पर क्या निर्णय लिया जा रहा है, इसका कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया। करीब दो घंटे बीतने के बाद भी जब एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो विधायक और पूजा गांधी को वापस लौटना पड़ा। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली और महिलाओं की शिकायतों पर होने वाली कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह रही कि शिकायतकर्ता महिला के साथ स्वयं क्षेत्रीय विधायक थाने में मौजूद थीं, इसके बावजूद शिकायत पर तत्काल कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। थाने से बाहर आने के बाद विधायक अनुभा मुंजारे ने मीडिया से चर्चा में बताया कि पूजा गांधी ने उनसे संपर्क कर अपनी परेशानी साझा की थी। पूजा का कहना था कि उनके साथ हुई घटना के बाद वह लगातार न्याय की उम्मीद कर रही हैं, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यहां तक



कि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विधायक ने कहा कि जब एक महिला अपनी समस्या लेकर उनके पास पहुंची और मदद मांगी तो उन्होंने उसकी बात को गंभीरता से लेते हुए थाने पहुंचने का निर्णय लिया। लेकिन कोतवाली में दो घंटे तक इंतजार करने और पुलिस से बातचीत के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस भारतीय जनता पार्टी और सत्ता के दबाव में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जब कोई महिला अपने साथ हुए कथित अत्याचार की शिकायत लेकर थाने पहुंचती है तो उसकी सुनवाई तक नहीं हो रही है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। वहीं पूजा गांधी ने मीडिया के सामने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि बीते दिनों करवाचौथ के दिन उनके घर में उनके देवर और ससुर ने उनके साथ मारपीट की थी। उनका आरोप है कि इस घटना में उनके पति के साथ भी मारपीट की गई थी। घटना के बाद घर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी, जिसके चलते वह अपने पिता के घर चली गईं। पूजा गांधी का कहना है कि अब उन्हें अपने ही घर और परिवार के बीच रहने में डर महसूस होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले में उनके पति उनके साथ हैं और वह अपने पति के साथ ही रहना चाहती हैं, लेकिन परिवार के अन्य सदस्यों की कथित मारपीट और व्यवहार के कारण उनके सामने सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने पुलिस से मांग की कि उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाए और उन्हें पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए, क्योंकि उन्हें आशंका है कि यदि समय रहते सुरक्षा और कार्रवाई नहीं मिली तो उनके साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। पूजा गांधी ने यह भी कहा कि वह अपनी समस्या को लेकर पहले भी पुलिस के समक्ष पहुंच चुकी हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय मिलने की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई नहीं दिया। इसी निराशा के चलते उन्होंने विधायक अनुभा मुंजारे से मदद मांगी और उनके साथ दोबारा कोतवाली पहुंचीं। दूसरी ओर, विधायक के साथ थाने पहुंचने के बाद भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं होने से यह मामला राजनीतिक रूप भी लेता नजर आ रहा है। पुलिस की ओर से इस पूरे मामले को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई स्पष्ट जानकारी मीडिया के सामने नहीं रखी गई। मामला हाईप्रोफाइल होने के कारण पुलिस अधिकारी मीडिया से चर्चा करने से बचते रहे, जबकि अनौपचारिक बातचीत में मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि अब तक एफआईआर दर्ज नहीं होने की स्थिति में यह सवाल बना हुआ है कि शिकायत की जांच किस स्तर पर पहुंची है और महिला की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने क्या कदम उठाए हैं।

उपभोक्ता आयोग से कुंवरलाल मोहारे को मिला न्याय

बीमा कंपनी को 1.49 लाख रुपये से अधिक भुगतान के आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग बालाघाट ने बीमा क्लेम निरस्त करने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी, जबलपुर को सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग ने बीमित वाहन की क्षतिपूर्ति के



रूप में उपभोक्ता कुंवरलाल मोहारे को 1 लाख 42 हजार रुपये देने के साथ ही 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, मानसिक एवं शारीरिक वेदना के लिए 5 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 2 हजार रुपये अदा करने के आदेश दिए हैं। कंपनी को संपूर्ण राशि का भुगतान आदेश पारित होने के एक माह के भीतर करना होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट में 29 अक्टूबर 2026 को यह आदेश पारित किया गया। प्रकरण में बालाघाट निवासी कुंवरलाल मोहारे ने अपनी टाटा पंच एडीवी कार क्रमांक एमएच-50-बी-5947 का बीमा यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी, जबलपुर से कराया था। उन्होंने 11 मार्च 2024 को सुनील ऑटोमोबाइल, टाटा मोटर्स लिमिटेड छिंदवाड़ा से 7 लाख 91 हजार रुपये में वाहन खरीदा था। इसके बाद वाहन का बीमा कराने के लिए 26,104 रुपये प्रीमियम जमा किया गया था। बीमा पॉलिसी की अवधि 20 मार्च 2024 से 19 मार्च 2027 तक थी, जिसमें एक वर्ष की ओडी (ह्यट्ठ ह्वड्ढड्ढद्ग) कवरेज शामिल थी।

घटना 19 अगस्त 2024 की है, जब कुंवरलाल मोहारे अपनी कार से ग्राम खखैरी से गृह ग्राम भटेरा, बालाघाट की ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पुल से टकरा गया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना बीमा कंपनी को दी गई। कंपनी द्वारा वाहन को मरम्मत के लिए सुनील ऑटोमोबाइल, छिंदवाड़ा वर्कशॉप भेजा गया।

वाहन की मरम्मत कराने के बाद उपभोक्ता ने 1 लाख 42 हजार 483 रुपये का बिल आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीमा कंपनी को प्रस्तुत किया और बीमा क्लेम की राशि मांगी। लेकिन बीमा कंपनी ने अन्य वाहन से आमने-सामने की टक्कर होने का आधार बताते हुए 16 सितंबर 2024 को बीमा दावा निरस्त कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर उपभोक्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट में परिवाद प्रस्तुत किया।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग के अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार सोनकर तथा सदस्य डॉ. महेश कुमार चांडक एवं श्रीमती हर्षा बिजेवार डोहरे की संयुक्त पीठ ने मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण किया। आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी द्वारा दावा निराकरण के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली सर्वेयर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। वहीं, उपभोक्ता ने वाहन की मरम्मत पर हुए खर्च के दस्तावेज और बिल प्रस्तुत किए थे। आयोग ने बीमा कंपनी द्वारा वैध बीमा दावे को निरस्त करने की कार्रवाई को सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया।

एक माह में करना होगा भुगतान

आयोग ने यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को कुंवरलाल मोहारे को वाहन क्षतिपूर्ति के रूप में 1 लाख 42 हजार रुपये देने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त 3 अप्रैल 2025 से वास्तविक भुगतान की तारीख तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज, शारीरिक एवं मानसिक वेदना के लिए 5 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 2 हजार रुपये भी अदा करने होंगे। इस प्रकार उपभोक्ता को मूल क्षतिपूर्ति, मानसिक वेदना और वाद व्यय के रूप में कुल 1 लाख 49 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अतिरिक्त निर्धारित अवधि के अनुसार ब्याज भी देय होगा। प्रकरण में उपभोक्ता कुंवरलाल मोहारे की ओर से अधिवक्ता धर्मेन्द्र धानेश ने पैरवी की।

पटाखा बाड़ी में फेंकने की बात पर विवाद-एक ही परिवार के चार लोगों से मारपीट

मोहगांव में दो परिवारों के बीच हुआ विवाद महिला, पति, बेटी और बेटा घायल, सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में बाड़ी में पटाखा फेंकने की बात को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इस घटना में एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। सभी घायलों को बिरसा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में बर्सती बाई पति महेश प्रजापति 50 वर्ष की शिकायत पर पुलिस ने एक ही परिवार के सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बर्सती बाई प्रजापति अपने परिवार के साथ मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करती हैं। उनके परिवार में पति महेश प्रजापति, बेटा कृष्णा प्रजापति और बेटी रानी प्रजापति हैं। परिवार के घर के पास ही कन्हैया प्रजापति अपने परिजनों के साथ रहता है। बताया गया कि 31 अक्टूबर की रात बर्सती बाई अपने घर के पीछे आंगन में मिट्टी के दीपक बना रही थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला कन्हैया प्रजापति अपने घर के सामने पटाखे फोड़ रहा था। आरोप है कि उसने एक पटाखा बर्सती बाई की बाड़ी में फेंक दिया। इस पर बर्सती बाई ने आपत्ति जताते हुए वहां पटाखे फोड़ने से मना किया। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि कन्हैया प्रजापति और उसके भाई राहुल प्रजापति ने बर्सती बाई के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर कन्हैया, राहुल और किरण प्रजापति बाड़ी में पहुंचकर बर्सती बाई के साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान धक्का-मुक्की में उनका मंगलसूत्र गिर गया। राहुल प्रजापति ने ईंट का टुकड़ा उठाकर बर्सती बाई की पीठ पर मार दिया।मां के साथ मारपीट होते देख बेटी रानी बीच-बचाव करने पहुंची तो आरोप है कि कन्हैया प्रजापति ने उसके बाल पकड़कर मारपीट की। कुछ देर बाद श्यामलाल और रामलाल प्रजापति भी वहां पहुंच गए और रानी के साथ मारपीट की, जिससे उसके कपड़े भी फट गए।इसके बाद रानी को बचाने पहुंचे उसके पिता महेश और भाई कृष्णा के साथ भी मारपीट की गई।आरोप है कि रामलाल, श्यामलाल और संतोष प्रजापति ने उनके साथ मारपीट की। वहीं श्यामलाल ने कृष्णा को पकड़ लिया और मोनू प्रजापति ने उसके सिर के दाहिने हिस्से में चोट पहुंचाई। मारपीट में महेश प्रजापति के सीने, रानी के गले के पास तथा बर्सती बाई की पीठ और गले में भी चोटें आईं।घटना के दौरान आरोपियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद रानी ने डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से चारों घायलों को बिरसा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें भर्ती कराया गया।

सात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज

बर्सती बाई प्रजापति की रिपोर्ट पर पुलिस ने कन्हैया प्रजापति, संतोष प्रजापति, रामलाल प्रजापति, श्यामलाल प्रजापति, मोनू प्रजापति, किरण प्रजापति और राहुल प्रजापति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 296(बी), 3(5) एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट